THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 165 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.4 2083 सोमवार, 14 सितंबर-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT KUKATPALLY Ph: 7067322620, RENAULT KOMPALLY Ph: 7303083789, RENAULT NACHARAM Ph: 7303083785, RENAULT LB NAGAR Ph: 9311700671. RENAULT KARIMNAGAR Ph: 9582305983. RENAULT KHAMMAM Ph: 8527234093. RENAULT MAHBUBNAGAR Ph: 9289995319. RENAULT NIZAMABAD Ph: 9311700672. RENAULT SHAD NAGAR Ph: 9311700675.

भारत की विविधता को जोड़ती विकास को गति देती भाषा

विवेक जायसवाल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीआईएल

भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से परिभाषित देश नहीं है। यह विविध भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों, परंपराओं, विचारों और जीवन-पद्धतियों का जीवंत संगम है। हमारी यही विविधता भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। इस विविधता के बीच संवाद और समन्वय स्थापित करने में भाषाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिंदी इस बहुभाषी भारत में संवाद की एक सशक्त कड़ी के रूप में निरंतर अपनी भूमिका निभाती रही है। 14 सितंबर हमारे लिए केवल हिंदी दिवस मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपनी भाषाई विरासत, संवैधानिक दायित्व और भविष्य की आवश्यकताओं पर विचार करने का अवसर भी है। 14 सितंबर 1949 का दिन भारतीय भाषायी इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यह निर्णय केवल किसी एक भाषा को प्राथमिकता देने का निर्णय नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत में प्रशासनिक और राष्ट्रीय संवाद की व्यवस्था विकसित करने का प्रयास था, जिसकी पहचान ही भाषाई विविधता है। यही कारण है कि भारतीय भाषाओं के परस्पर सम्मान और सह-अस्तित्व की भावना हमारे संवैधानिक दृष्टिकोण का अभिन्न हिस्सा बनी। यह ऐतिहासिक निर्णय हमें यह भी स्मरण कराता है कि भारत में भाषा का प्रश्न केवल भाषा तक सीमित नहीं है। यह हमारी सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय संवाद से गहराई से जुड़ा हुआ है। हिंदी का विकास तभी सार्थक है, जब वह भारत की अन्य भाषाओं के साथ संवाद और समन्वय को मजबूत करते हुए देश की विविधता को और समृद्ध करे।

विविधता में संवाद की शक्ति

भारत की भाषाई विविधता हमारी सांस्कृतिक संपदा है। प्रत्येक भारतीय भाषा अपने साथ सदियों की स्मृतियां, लोकज्ञान, साहित्य और सांस्कृतिक अनुभव लेकर चलती है। इसलिए किसी एक भाषा का विकास दूसरी भाषा के विकास की कीमत पर नहीं होना चाहिए। हिंदी की वास्तविक शक्ति इसी में है कि वह भारतीय भाषाओं के साथ सह-अस्तित्व और संवाद को मजबूत करे। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को देखें तो भी हमें भाषा की इसी सेतु-भूमिका के अनेक उदाहरण मिलते हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने और उनके बीच विचारों का आदान-प्रदान बढ़ाने में हिंदी और हिंदुस्तानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी सहित अनेक राष्ट्रीय नेताओं ने ऐसी भाषा के महत्व को रेखांकित किया, जो जनसामान्य तक सहज रूप से पहुंच सके।यह इतिहास हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देता है—भाषा की सार्थकता केवल उसके बोलने वालों की संख्या में नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने और विचारों को एक-दूसरे तक पहुंचाने की उसकी क्षमता में निहित होती है। हिंदी ने सदियों से विभिन्न भारतीय भाषाओं से शब्द, अभिव्यक्तियां और सांस्कृतिक तत्व आत्मसात किए हैं। यही ग्रहणशीलता उसे निरंतर समृद्ध और व्यापक बनाती रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को भारतीय भाषाओं के बीच सेतु के रूप में देखा जाए - ऐसा सेतु जो एक भाषा को दूसरी भाषा से जोड़ता है, विचारों का आदान-प्रदान बढ़ाता है और देश की एकता को अधिक मजबूत बनाता है।

विकास की भाषा के रूप में हिंदी

किसी भी भाषा की वास्तविक शक्ति तभी सामने आती है, जब वह बदलते समय की आवश्यकताओं के साथ स्वयं को विकसित करती है। आज भारत ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण तक भारतीय प्रतिभा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। ऐसे समय में वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। विकास तभी व्यापक और समावेशी बन सकता है, जब उसकी जानकारी समाज के अधिक से अधिक वर्गों तक उनकी सहज भाषा में पहुंचे। हिंदी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। तकनीकी विषयों की जटिलता को सरल और सहज हिंदी में प्रस्तुत करके हम ज्ञान को केवल विशेषज्ञों तक सीमित रखने के बजाय विद्यार्थियों, युवाओं, कर्मचारियों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचा सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत सार्वजनिक उपक्रम के रूप में हमारा अनुभव भी यही बताता है कि तकनीक तभी अधिक प्रभावी बनती है, जब उसके साथ संवाद सरल और सहज हो। तकनीकी उत्कृष्टता के साथ प्रभावी संप्रेषण भी किसी संगठन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। आज भाषा और तकनीक का संबंध पहले से कहीं अधिक गहरा हो गया है। इंटरनेट, सोशल मीडिया, मोबाइल एप्लिकेशन, डिजिटल सेवाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने भाषाओं के उपयोग के नए अवसर पैदा किए हैं।कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन अनुवाद, वाक पहचान, टेक्स्ट-टू-स्पीच और भाषा-संसाधन जैसी तकनीकों ने भारतीय भाषाओं के लिए संभावनाओं का एक नया संसार खोला है।

प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक नवाचार के लिए एक शक्तिशाली माध्यम

डॉ. आर. विजय
निदेशक, एआरसीआई
एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति

जब प्रौद्योगिकी को मातृभाषा द्वारा सशक्त किया जाता है, तो नवाचार कुछ चुनिंदा लोगों का विशेषाधिकार नहीं रह जाता है और जनता का अधिकार बन जाता है। भारत की भाषाई विविधता हमारी समृद्ध विरासत का प्रतीक है। इस विशाल विविधता के बीच, हिंदी ने लगातार संचार के प्राथमिक माध्यम और राष्ट्रीय चेतना के लिए एक एकीकृत कड़ी के रूप में कार्य किया है।

जैसे-जैसे राष्ट्र आत्मनिर्भरता और आधुनिक प्रौद्योगिकी में नई ऊंचाइयों को छू रहा है, वैसे-वैसे हिंदी का दायरा प्रशासनिक सीमाओं से परे विज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों को शामिल करने के लिए तेजी से बढ़ रहा है। जब हिंदी की धारा तकनीक से जुड़ती है तो ज्ञान का प्रकाश जन-जन तक पहुंचता है। आज के डिजिटल टेक्नोलॉजी और AI के युग में मातृभाषा, राजभाषा और टेक्नोलॉजी का यह संगम बेहद महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

जब जटिल वैज्ञानिक अनुसंधान और उन्नत प्रौद्योगिकियों को हिंदी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है, तो ज्ञान की बाधाएं दूर हो जाती हैं और नवाचार का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक आसानी से पहुंच जाता है। कार्यालय संस्कृति में हिंदी के निर्बाध और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बारह 'प्र' का व्यावहारिक मॉडल - *प्रेरणा* (प्रेरणा), *प्रोत्साहन* (प्रोत्साहन), *प्रेम* (स्नेह), *पुरस्कार* (पुरस्कार), *प्रशिक्षण* (प्रशिक्षण), *प्रयोग* आवेदन), *प्रचार* (प्रचार), *प्रसार* (प्रसार), *प्रबंधन* (प्रबंधन), *पदोन्नति* (उन्नति), *प्रतिबद्धता* (प्रतिबद्धता), और *प्रयास* (प्रयास) - एक मजबूत कार्य योजना प्रदान करता है।

इन सिद्धांतों को अपनाकर संस्थानों को अपने दैनिक वैज्ञानिक और प्रशासनिक कार्य सरल और व्यावहारिक हिंदी का उपयोग करके करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

तीन दशकों से अधिक समय से, ARCI ने उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और इंजीनियरिंग सामग्रियों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई है। उच्च स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ-साथ अपनी शोध उपलब्धियों को हिंदी (राजभाषा) के माध्यम से आम जनता तक प्रसारित करने का संस्थान का निरंतर प्रयास वास्तव में सराहनीय और अनुकरणीय है।

हिंदी दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर, आइए हम सभी अपनी दैनिक, प्रशासनिक और अनुसंधान-संबंधी जिम्मेदारियों में हिंदी के सार्थक उपयोग को बढ़ाने और इसे देश की तकनीकी प्रगति की नींव बनाने का संकल्प लें। आप सभी को हिंदी दिवस 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!

आईएसएम, डीआरआर धान 53, 59, 80	उच्च उपज और जीवाणु जनित अंगमारी प्रतिरोधी
डीआरआर धान 42	प्रथम सूखा-रोधी किस्म
डीआरआर धान 45, 48, 49, 63 81	जिंक संवर्धित बायोफोर्टिफाइड किस्में
डीआरआर धान 50	प्रथम सूखा और जलमग्नता सहनशील
डीआरआर धान 52	प्रथम ताप-सहनीय किस्म
डीआरआर धान 54, 55, 57,70,71,77	वायुजीवी प्रजातियाँ - जल संरक्षण
डीआरआर धान 58	लवणता और जीवाणु जनित अंगमारी सहिष्णु किस्म
डीआरआर धान 60,72,73,74,78,87,88	कम फॉस्फोरस सहनशील किस्म
[illegible] 90	[illegible] नाइट्रोज[illegible]
[illegible] 62	[illegible]णु जनि[illegible]

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 165 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.4 2083 सोमवार, 14 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

वर्ल्ड मीडिया बोला- ब्रिक्स में भारत के लिए बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स समिट के दौरान जारी हुए नई दिल्ली घोषणापत्र पर वर्ल्ड मीडिया के रिएक्शन आ रहे हैं। रॉयटर्स ने इस समिट को भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने ईरान, सऊदी अरब, यूएई, चीन और रूस जैसे अलग-अलग नजरिए वाले देशों को एक साझा बयान पर सहमत कराने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा कि चीन ब्रिक्स को वैश्विक ताकत के तौर पर उभारना चाहता है, जबकि भारत इसे अमेरिका-विरोधी गुट के बजाय विकासशील देशों के सहयोग मंच के रूप में देखता है।

शुभकामनाएँ

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

सूचना

दि. 14 सितंबर, 2026 को कार्यालय में अवकाश रहने के कारण हमारा अगला अंक दि. 16 सितंबर, 2026 को प्रकाशित होगा। -प्रबंधक

बंगाल में 252 मदरसे बंद करने का आदेश

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। सरकार का कहना है कि जांच में इन मदरसों के पास बुनियादी सुविधाएं नहीं मिली। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने की है। सरकार ने रविवार को ये भी बताया कि मानक पूरे करने वाले मदरसे चलते रहेंगे। जिन संस्थाओं को नोटिस दिए गए हैं, उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले 2026 के बजट में बंगाल सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया था।

दुनिया सिर्फ वादे नहीं रिजल्ट चाहती है: मोदी

पीएम मोदी ने पिछले तीन दिनों में 15 द्विपक्षीय बैठकें की

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 3 दिनों में, ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग देशों के राष्ट्राध्यक्षों या सरकार प्रमुखों के साथ 15 द्विपक्षीय बैठकें की हैं। इसके अलावा उन्होंने दुनिया के कई नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रमुखों के साथ अनौपचारिक बैठकें भी की हैं।

ब्रिक्स समिट 2026 का समापन भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हम अब समापन की ओर बढ़ रहे हैं। मैं आप सभी की सक्रिय भागीदारी और बहुमूल्य योगदान के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।' सम्मेलन के दौरान सामने आए महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने ब्रिक्स के बीच सहयोग को व्यापकता और गहराई, दोनों प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों के नेताओं की भागीदारी और उनके विचारों ने संगठन के साझा सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ भविष्य के लिए नई संभावनाओं को भी सामने रखा है। सम्मेलन में सभी नेताओं की मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ती प्रासंगिकता, खुलेपन और समावेशिता का प्रमाण है। सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि ब्रिक्स की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया हमसे सिर्फ वादे नहीं रिजल्ट चाहती है।

दूसरे सत्र में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि नियमों के बिना दुनिया ऐसी चौराहे जैसी है, जहां ट्रैफिक लाइट न होने से अराजकता और अव्यवस्था पैदा होना तय है। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता और न्याय पूरी दुनिया की साझा आकांक्षा है तथा अंतरराष्ट्रीय नियम सभी देशों की भागीदारी से बनाए जाने चाहिए। उन्होंने 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' यानी शक्ति के बल पर अधिकार स्थापित करने की सोच को खारिज करते हुए कहा कि यह सिद्धांत बहुत पहले ही समाप्त हो जाना चाहिए था। शी ने ग्लोबल साउथ के देशों से अंतरराष्ट्रीय मामलों में कानून के शासन की संयुक्त रूप से रक्षा करने, संप्रभु समानता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान जैसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूल सिद्धांतों को सुरक्षित रखने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानून और नियम सभी देशों पर समान रूप से लागू होने चाहिए और उनमें किसी प्रकार का दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए।

दिल्ली से रवाना हुए पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद दिल्ली से रवाना हो गए। पुतिन ने विभिन्न वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं के साथ महत्वपूर्ण मुलाकातें भी हुईं। ब्रिक्स समिट में वैश्विक सहयोग, आर्थिक साझेदारी और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

'2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में लागू होगा यूसीसी'

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र की भाजपा सरकार के बाद अब भाजपा शासित राज्यों में भी समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि 2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू किया जाएगा। इसके साथ ही भाजपा ने पीएम मोदी के जन्मदिन को बड़े सेवा अभियान से जोड़ने की योजना बनाई है। यानी एक तरफ यूसीसी को लेकर राज्यों में आगे बढ़ने की तैयारी है तो दूसरी तरफ मोदी के जन्मदिन से देशभर में एक महीने तक सेवा गतिविधियां चलाने की तैयारी है।

17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है। इस मौके पर भाजपा, उसके सहयोगी दल, पूरा एनडीए कुनबा, कई स्वयंसेवी संगठन और देश की जनता मिलकर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएंगे। अमित शाह ने बताया कि इस अभियान को केवल भाजपा के कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जाएगा। इसमें सहयोगी दलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम लोगों की भी भागीदारी होगी। अभियान के जरिए सेवा को केंद्र में रखकर देशभर में लोगों तक पहुंचने की योजना है।

पहले गुजरात में और बाद में देशभर में भाजपा पीएम मोदी के जन्मदिन को 'सेवा सप्ताह' के रूप में मनाती रही है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलाया जाता था और कई जगह इसे एक सप्ताह तक भी आयोजित किया जाता था। इस बार अभियान की अवधि बढ़ाकर 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक की गई है। इसके पीछे पीएम मोदी की लंबी राजनीतिक और संगठनात्मक यात्रा को खास तौर पर सामने रखना है।

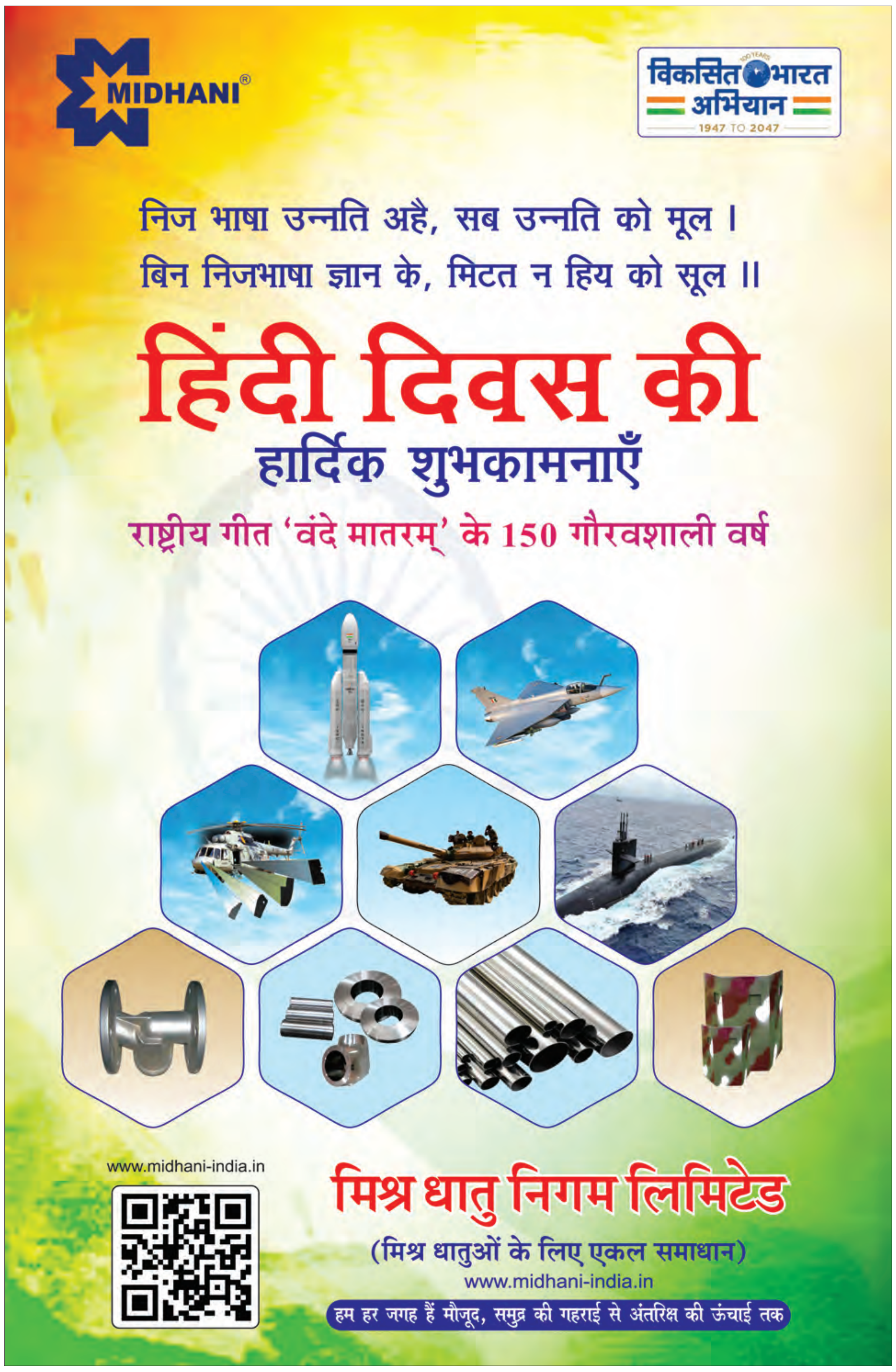

ज्ञान का विस्तार, श्री अन्न का प्रसार खाद्य एवं पोषण सुरक्षा का आधार

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती
निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

प्रिय साथियों,हिंदी दिवस के इस गौरवपूर्ण अवसर पर भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान की ओर से आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत भाषाई, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक विविधताओं से समृद्ध राष्ट्र है। हमारी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक चेतना तथा ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। हिंदी, भारत के व्यापक जनसमूह के बीच संवाद तथा संपर्क का एक सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान और जनसंचार को जन- जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज विश्व अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है - जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा तथा सतत कृषि जैसी चुनौतियां वैश्विक चिंता का विषय हैं। ऐसे समय में श्री अन्न (बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सावां, चेना, छोटी कंगनी) का महत्व निरंतर बढ़ रहा है।

कम पानी की आवश्यकता, प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में उत्पादन की क्षमता तथा पोषण संबंधी विशेषताओं के कारण श्री अन्न भविष्य की सतत कृषि एवं खाद्य प्रणालियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण फसलों के रूप में उभर रहे हैं। भारत, श्री अन्न की समृद्ध परंपरा तथा विविधता संपन्न देश है, और आज वह इनके अनुसंधान, विकास, उत्पादन, मूल्य संवर्धन तथा लोकप्रियकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान समय में किसानों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों, उद्योगों तथा उपभोक्ताओं के बीच श्री अन्न के प्रति बढ़ती जागरूकता एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। श्री अन्न केवल हमारी पारंपरिक कृषि विरासत का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि पोषण सुरक्षा, किसानों की आय, जलवायु-अनुकूल कृषि व सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं।

इस परिवर्तन को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने में भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवीन तकनीकों का वास्तविक लाभ तभी व्यापक स्तर तक पहुंच सकता है, जब वैज्ञानिक जानकारी किसानों तथा सामान्य जन की भाषा में स्पष्ट व सहज तथा सुगम रूप में उपलब्ध हो। हिंदी इस दिशा में विज्ञान तथा समाज के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य कर रही है।

हमारा दायित्व है कि श्री अन्न से संबंधित वैज्ञानिक ज्ञान, उन्नत कृषि तकनीकों, नई किस्मों, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा उद्यमिता संबंधी जानकारी को जनसुलभ भाषा में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएं। हिंदी सहित अन्य भारतीय भाषाओं के प्रभावी उपयोग से अनुसंधान उपलब्धियों को खेत से लेकर बाजार व उपभोक्ता तक पहुंचाने की प्रक्रिया और अधिक सशक्त बनाई जा सकती है।

हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम विज्ञान को जनभाषा से जोड़ेंगे तथा जनभाषा की शक्ति से विज्ञान एवं अनुसंधान को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

इसके अलावा, श्री अन्न के माध्यम से एक ऐसे भविष्य के निर्माण में योगदान देंगे जो पोषण-संपन्न, जलवायु-अनुकूल, किसान-केंद्रित तथा सतत विकास पर आधारित हो। भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान अपने निरंतर अनुसंधान, नवाचार तथा ज्ञान के प्रसार के माध्यम से देश तथा संपूर्ण विश्व में श्री अन्न की संभावनाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसे सुदृढ़ करने हेतु श्री नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधान मंत्री ने इस संस्थान को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के रूप में उन्नत किया तथा भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान इस संस्थान में महर्षि (श्री अन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज अनुसंधान पहल) का सचिवालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस दिशा में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं हमारे वैज्ञानिक ज्ञान को समाज से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेंगी।

हम हिंदी को ज्ञान एवं विज्ञान का सशक्त माध्यम बनाने तथा श्री अन्न को स्वस्थ, समृद्ध व सतत भविष्य की आधारशिला के रूप में स्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

हिंदी का विकास - ज्ञान का विस्तार। श्री अन्न का प्रसार - खाद्य एवं पोषण सुरक्षा का आधार। जय हिंद! जय हिंदी! जय श्री अन्न!

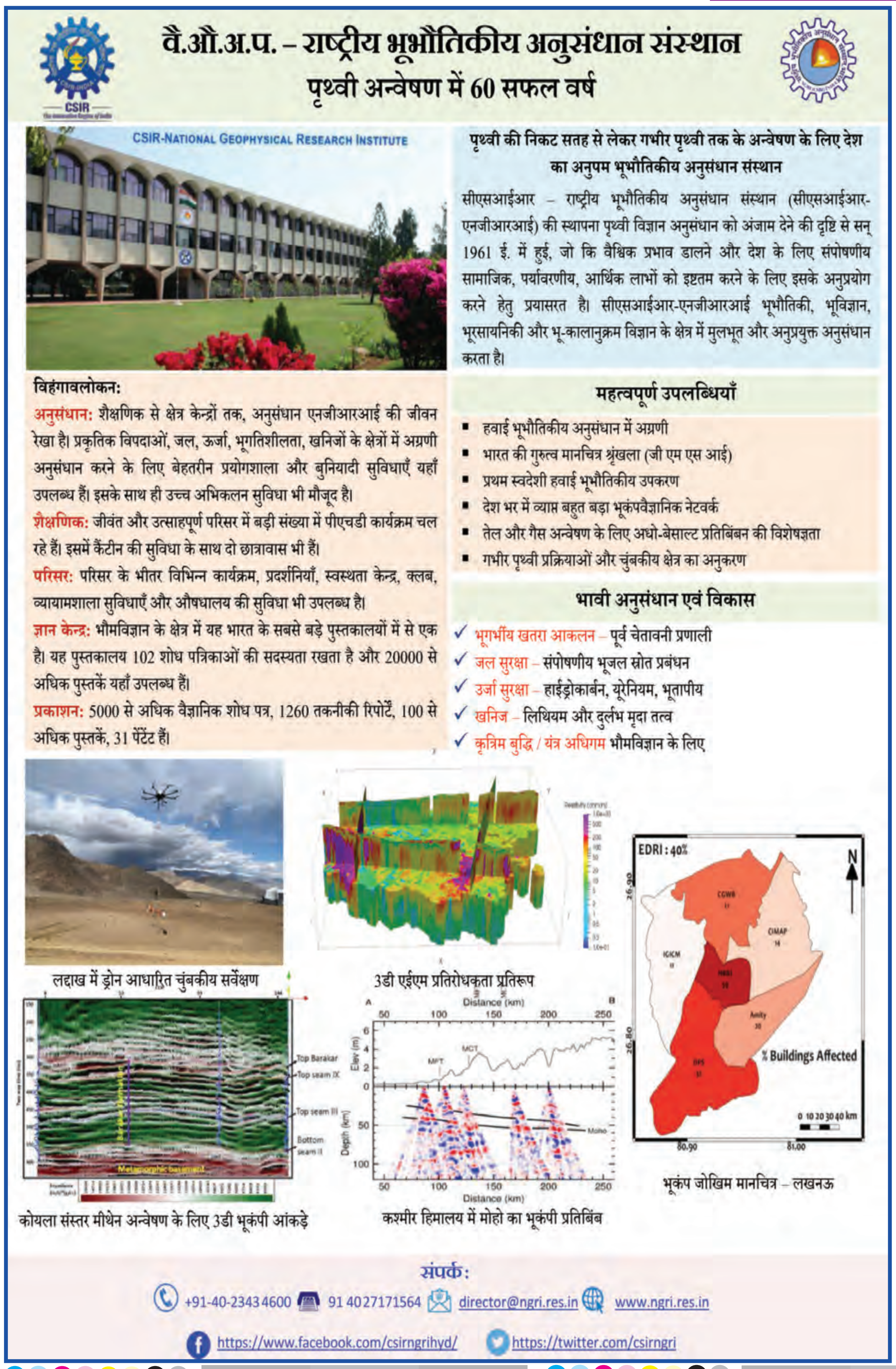

भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों एवं परंपराओं का देश है हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है तथा

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा)
भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

हिंदी इस विविधता के बीच संवाद, संपर्क व भावनात्मक एकता का एक सशक्त माध्यम है। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, संवेदना, ज्ञान-विज्ञान, विचार एवं जन-जन की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण आधार है। वर्तमान में भारत तीव्र गति से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, डिजिटल संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा, प्रशासन तथा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

ऐसे समय में हिंदी की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। डिजिटल माध्यमों, इंटरनेट, सोशल मीडिया तथा आधुनिक तकनीकी उपकरणों ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर नई पहचान एवं व्यापक पहुंच प्रदान की है। आज हिंदी में ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी जानकारी, प्रशासनिक सेवाओं तथा जनोपयोगी सूचनाओं की उपलब्धता निरंतर बढ़ रही है। राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रभावी प्रयोग प्रशासन को अधिक सरल, सुगमतथा पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्र को जोड़ने वाली भाषा

डॉ. एस वी एस नारायण मूर्ति,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेश,
मिधानि, हैदराबाद

आप सभी हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। हिंदी दिवस के इस विशेष अवसर पर आप सबसे कुछ बातें साझा करना चाहता हूँ। मेरी मातृभाषा तेलुगु है, और मैंने अपनी शिक्षा-दीक्षा भी तेलुगु और अंग्रेज़ी में ही पूरी की। पर जब मैं संगठन में विभिन्न राज्यों के सहकर्मियों के साथ काम करने लगा, तो धीरे-धीरे यह समझ आया कि हिंदी सचमुच हम सबको आपस में जोड़ने वाली एक कड़ी है। हमारे देश में 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं और सैकड़ों बोलियाँ बोली जाती हैं। मैं जब भी उत्तर भारत के अपने कार्यालयों का दौरा करता हूँ, तो पाता हूँ कि वहाँ के साथी चाहे कोई भी भाषा घर में बोलते हों, हिंदी में बात करते ही एक जुड़ाव-सा महसूस होता है।

यही अनुभव मुझे बार-बार यह सोचने पर मजबूर करता है कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे संस्थान और हमारे देश की साझा पहचान है। मेरा अपना निजी अनुभव रहा है कि हिंदी मेरी मातृभाषा से अलग है किंतु भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए इन दोनों में कोई अंतर नहीं हैं।

केंद्र सरकार के कार्यलयों में हिंदी का अपना महत्व है। हमारे संगठन में भी मैंने देखा है कि कार्यालयीन पत्राचार और सूचनाएँ अक्सर हिंदी और अंग्रेज़ी, दोनों में तैयार की जाती हैं, ताकि हर कर्मचारी तक बात सही तरीके से पहुँचे; रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों और सार्वजनिक स्थलों पर हिंदी में लिखी सूचना पट्टिकाएँ लोगों की रोज़मर्रा की मदद करती हैं; सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी हिंदी में देने से आम जनता तक उनकी पहुँच बढ़ती है।

मैं, तकनीकी क्षेत्र में काम कर रहे हिंदी भाषा के जानकार विद्वानों से निवेदन करना चाहता हूँ कि आप बच्चों के लिए हिंदी में तकनीकी साहित्य का सृजन करें। इससे हमारी नई पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलेगी। तकनीकी साहित्य भारत के आम जन तक हिंदी में पहुँचेगा। एक दक्षिण भारतीय होने के नाते जब मैं हिंदी सीख रहा था, तब यह सिर्फ एक कामकाजी ज़रूरत लगती थी। पर समय के साथ यह मेरे लिए अपने उत्तर भारतीय सहकर्मियों, मित्रों और ग्राहकों से जुड़ने का एक सहज माध्यम बन गई।

हिंदी भाषा से एकता की भावना प्रकट होती है। महात्मा गांधी ने हिंदी को "जनभाषा" कहा था, और आज भी यह बात उतनी ही सच लगती है। स्वतंत्रता संग्राम में भी हिंदी ने अलग-अलग प्रांतों के लोगों को एक मंच पर लाने का काम किया था।

हिंदी फिल्में और साहित्य भी इस भावना को आगे बढ़ाते रहे हैं — चाहे कोई तेलुगु भाषी हो, तमिल भाषी हो, या बांग्ला भाषी, हिंदी फिल्म देखते समय हम सब एक जैसा ही अनुभव करते हैं। मैं मानता हूँ कि अपनी मातृभाषा से प्रेम करना बहुत ज़रूरी है, और मुझे अपनी तेलुगु भाषा पर गर्व है। पर साथ ही, हिंदी को अपनाना मुझे अपने देश के बाकी हिस्सों से और करीब से जोड़ता है।

मेरा मानना है कि जब हम अपनी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी को भी सहजता से अपनाते हैं, तभी हम सच में "विविधता में एकता" के उस भाव को जी पाते हैं, जिस पर हमारा देश खड़ा है। आइए, हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि अपनी-अपनी मातृभाषाओं का सम्मान करते हुए, हिंदी को भी एक-दूसरे से जुड़ने के माध्यम के रूप में अपनाएँगे। जय हिंद।

भाकृअनुप - राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-५०००३०, तेलंगाणा, भारत

ICAR-National Academy of Agricultural Research Management

(ISO 9001:2015 Certified)

Rajendranagar, Hyderabad-500030, Telangana, India

Phones: (040) 2458 1322; Fax: (040) 2401 5912; https://naarm.org.in

हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ–शुभाभिनंदन

डॉ.रामन मिनाक्षी सुंदरम
निदेशक

भाकृअनुप–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (नार्म) एक अखिल भारतीय स्तर का कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन संबंधी शीर्ष संस्थान है, जिसमें कृषि अनुसंधान सेवा व्दारा चयन किए गये नव वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। हमारे संस्थान में अन्य प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है, साथ ही स्नातकोत्तर प्रबंधन डिप्लोमा कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं, जिसमें विद्यार्थियों का प्लेसमेंट 100 प्रतिशत है।

संस्थान के उद्देश्य एवं अधिदेश की अनुपूर्ति के प्रति हमारे संकाय सदस्य अधिकारी व कर्मचारीगण सदैव तत्परता से संकल्पशील रहे हैं। हमारा संस्थान एक वैज्ञानिक संस्थान होते हुए शिक्षण–प्रशिक्षण के पावन उत्तरदायित्व से जुड़ा है। प्रयोगशालाओं में हुए वैज्ञानिक शोध को यदि अपने कृषक बंधुओं तक पहुँचाना चाहते हैं, तब भाषाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। हिंदी के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषाओं का योगदान भी अनदेखा नही किया जा सकता।

हम अपने अकादमी के हिंदेतर वैज्ञानिक प्रशिक्षुओं को अंग्रेजी के माध्यम से हिंदी बोलचाल की भाषा का प्रशिक्षण देते हैं। साथ ही हिंदी भाषी वैज्ञानिक प्रशिक्षुओं को क्षेत्रीय भाषा तेलुगु एवं अन्य दक्षिण भारतीय बोलचाल की भाषाओं का प्राथमिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

भारत एक बहुभाषिक देश है। अत: हमारी संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। हमें गौरव प्रतीत होता है कि भारत में अधिकांश लोग हिंदी बोलते एवं समझते हैं। किंतु इस आधुनिक प्रौद्योगिकी के युग में क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व को भी साथ लेते हुए हिंदी के सम्मिश्रित नूतन कार्यशैली से हमें प्रगामी पथ पर अग्रसर होना अनिवार्य है।

इस पावन अवसर पर मैं सभी को सविनय प्रेरणात्मक संदेश देना चाहूँगा, घर के स्तर पर अपनी मातृभाषा, अपने राज्य के भीतर क्षेत्रीय भाषा, देश के स्तर पर हिंदी भाषा की नूतन प्रणाली अवश्य अपनाएँ एवं आज हम संक्रमण काल में हैं, अत: अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हेतु भाषा के इस सृजनशील व्यावहारिक प्रणाली को भी आत्मसात कर हमारे कार्यक्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करना होगा।

कोटि–कोटि कंठों की मधुर
स्वरधारा है, हिन्दी है हमारी,
हिन्दुस्तान हमारा है।
हिंदी में वह संपर्क क्षमता निहित है, जो भारत जैसे बहुभाषी देश के सामाजिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर सकें।
हिंदी वह धागा है, जो सभी मातृभाषा रूपी फूलों को गुँफित कर सकता है। भाषा के इस सम्मिलित सृजनशील सुंदर रूप को आत्मसात करेंगे, तब हम विश्व पटल पर हिंदी को संस्थापित करने में सक्षम होंगे।

हिंदी दिवस की पुन: शुभेच्छा

हिंदी का डिजिटल सफर : शब्द-संपदा से तकनीकी विकास तक

डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि, हैदराबाद

हिंदी भाषा सेवियों एवं प्रेमियों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। हिंदी के प्रचार-प्रसार और विकास के लिए भारत सरकार निरंतर प्रयासरत है। साथियो, जरा सोचिए! जब हम हिंदी में कोई लेख लिखते हैं, किसी कठिन शब्द का अर्थ खोजते हैं या अंग्रेजी सामग्री का हिंदी में अनुवाद करते हैं, तो क्या हर बार शब्दकोश के पन्ने पलटने पड़ते हैं? आज डिजिटल तकनीक ने इस कार्य को सरल बना दिया है। हमारे मोबाइल और कंप्यूटर में उपलब्ध विभिन्न टूल्स एवं एप्स हिंदी के अध्ययन, लेखन, अनुवाद और प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हिंदी शब्द सिंधु इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय एवं वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों से विकसित हिंदी बृहत् शब्दकोश है।

इसमें सात लाख से अधिक शब्द संकलित हैं। सामान्य शब्दों के साथ पर्यायवाची, विलोम, मुहावरे तथा विज्ञान-प्रौद्योगिकी के पारिभाषिक शब्द भी इसमें समाहित हैं। अब आप सोचिए, इतना विशाल डिजिटल शब्द-भंडार विद्यार्थियों, लेखकों, अनुवादकों और सरकारी कर्मचारियों के लिए कितना उपयोगी होगा! इसकी विशेषता केवल शब्दों की संख्या नहीं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की शब्दावली और भारतीय भाषाओं के बीच शब्द-संपदा का सेतु बनना भी है। हिंदी का विकास केवल नए शब्द गढ़ने से नहीं, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं से शब्द ग्रहण करने और उनके अर्थ समझने से भी होता है। यही भाषायी आदान-प्रदान हमारी एकता को मजबूत करता है।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय हिंदी के विकास, प्रचार-प्रसार और मानकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हिंदी की वर्तनी, शब्दकोश निर्माण, हिंदी शिक्षण तथा भाषा संबंधी सामग्री के विकास में इसके प्रयास उल्लेखनीय हैं। डिजिटल युग में मानक शब्दावली और शुद्ध भाषा का महत्व और बढ़ जाता है। इसी प्रकार, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और अन्य विषयों के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण एवं विकास का कार्य करता है। इससे हिंदी ज्ञान-विज्ञान और तकनीक की भाषा के रूप में सशक्त बन रही है। अब बात करते हैं कंठस्थ की। इसका नाम बदलकर अब भारती-बहुभाषा सारथी कर दिया गया है। इसका उद्देश्य हिंदी और भारत की 15 भाषाओं के बीच सेतु का काम करके क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना है। सरकारी कार्यालयों में अनुवाद कार्य करने वाले साथी जानते हैं कि एक ही प्रकार के दस्तावेजों का बार-बार अनुवाद करने में समय लगता है। भारती जैसे अनुवाद-सहायक टूल्स पूर्व अनूदित सामग्री के उपयोग में सहायता करते हैं।

इससे अनुवाद कार्य में गति और शब्दावली में एकरूपता आती है। इसी प्रकार, लीला हिंदी शिक्षण प्रणाली के माध्यम से हिंदी प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ जैसे प्रशिक्षण स्तरों पर हिंदी सीखने की सुविधा उपलब्ध है। इससे गैर-हिंदी भाषी कर्मचारियों और हिंदी सीखने के इच्छुक लोगों को लाभ मिलता है। आज सोशल मीडिया, यूट्यूब, ब्लॉग और डिजिटल पत्रिकाएँ हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। लेकिन तकनीक तभी सार्थक होगी, जब हम उसका उपयोग करेंगे। हमें हिंदी में मौलिक सामग्री तैयार करनी होगी, डिजिटल शब्दकोशों का लाभ उठाना होगा और नई पीढ़ी को हिंदी के तकनीकी संसाधनों से जोड़ना होगा। हमें यह समझना होगा कि हिंदी का भविष्य केवल उसकी साहित्यिक परंपरा में नहीं, बल्कि उसके वैज्ञानिक, तकनीकी और डिजिटल विकास में भी निहित है। आज हिंदी का प्रचार-प्रसार केवल पुस्तकों और समाचार-पत्रों तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया, यूट्यूब, ब्लॉग, पॉडकास्ट और डिजिटल पत्रिकाओं ने हिंदी को नए पाठकों और दर्शकों तक पहुँचाया है।

हिंदी दिवस विशेष

डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी सहायक निदेशक
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

हिंदी दिवस केवल एक भाषा के उत्सव का अवसर नहीं है, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति और वैज्ञानिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाने के हमारे संकल्प को पुनः स्मरण करने का भी अवसर है।भाषा किसी भी सभ्यता के ज्ञान, अनुभव और सांस्कृतिक चेतना की संवाहक होती है। भारत जैसे बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश में हिंदी एक महत्वपूर्ण संपर्क भाषा के रूप में विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों को जोड़ने के साथ-साथ वैज्ञानिक एवं पारंपरिक ज्ञान के व्यापक प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपराएँ—आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, योग तथा लोक-चिकित्सा—हमारी समृद्ध ज्ञान-संपदा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन चिकित्सा प्रणालियों में स्वास्थ्य, रोग-निवारण, आहार-विहार, औषधीय वनस्पतियों, जीवनशैली तथा मानव और प्रकृति के पारस्परिक संबंधों से संबंधित व्यापक अनुभवजन्य ज्ञान निहित है। इस ज्ञान का एक बड़ा भाग प्राचीन ग्रंथों, पांडुलिपियों, अभिलेखों तथा मौखिक परंपराओं में संरक्षित है।

समय के साथ इन अमूल्य स्रोतों के संरक्षण, प्रलेखन, वैज्ञानिक अध्ययन और जनसुलभ प्रसार की आवश्यकता निरंतर बढ़ती जा रही है। इसी दिशा में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) काराष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH), हैदराबादमहत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान भारतीय चिकित्सा ज्ञान-संपदा के संरक्षण, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण, अनुसंधान और प्रसार के लिए निरंतर कार्यरत है। इसका उद्देश्य केवल अतीत की सामग्री को संगृहीत करना नहीं, बल्कि उसमें निहित ज्ञान को व्यवस्थित रूप से संरक्षित कर अनुसंधान, शिक्षा और समाज के उपयोग के लिए उपलब्ध कराना भी है।भारत की चिकित्सा परंपरा अत्यंत प्राचीन और विविधतापूर्ण रही है। विभिन्न कालखंडों में रचित ग्रंथों, पांडुलिपियों तथा स्थानीय चिकित्सा परंपराओं में ज्ञान का विशाल भंडार उपलब्ध है।

किंतु समय, पर्यावरणीय प्रभाव, उपेक्षा और तकनीकी परिवर्तनों के कारण अनेक दुर्लभ स्रोत नष्ट होने की स्थिति में हैं।NIIMH द्वारा इस ज्ञान-संपदा के संरक्षण के लिए पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा चिकित्सा-संबंधी सामग्रियों के संग्रह, संरक्षण और प्रलेखन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। संस्थान में उपलब्ध पुस्तकालय एवं अन्य संग्रह भारतीय चिकित्सा इतिहास और पारंपरिक ज्ञान के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण संसाधन हैं। संस्थान का मे डि को - हि स् टो रि क ल संग्रहालयभी भारतीय चिकित्सा विरासत को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान युग सूचना और डिजिटल तकनीक का युग है। किसी भी ज्ञान-संपदा को सुरक्षित रखने और व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए उसका डिजिटलीकरण अत्यंत आवश्यक हो गया है।

प्राचीन पांडुलिपियों और दुर्लभ ग्रंथों का डिजिटलीकरण उन्हें भौतिक क्षरण से बचाने के साथ-साथ शोधकर्ताओं तक उनकी पहुँच को भी आसान बनाता है। NIIMH द्वारा भारतीय चिकित्सा से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञान-स्रोतों के डिजिटलीकरण, लिप्यंतरण, अनुवाद, प्रलेखन तथा वैज्ञानिक अध्ययन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। 'अमर' (AMAR) वेब पोर्टलजैसे डिजिटल प्रयास ज्ञान को आधुनिक माध्यमों से संरक्षित करने और उसे व्यापक स्तर पर उपयोगी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यहीं पर हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि प्राचीन चिकित्सा ज्ञान केवल कठिन भाषाओं या सीमित विद्वत्-वर्ग तक ही सीमित रहे, तो उसकी उपयोगिता व्यापक समाज तक नहीं पहुँच सकेगी।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रामाणिकता को बनाए रखते हुए हिंदी सहित भारतीय भाषाओं में ज्ञान का प्रस्तुतीकरण अधिक लोगों को भारतीय चिकित्सा परंपरा से जोड़ सकता है।हिंदी भारत की व्यापक जनसंख्या द्वारा समझी और उपयोग की जाने वाली महत्वपूर्ण भाषा है।

इसलिए भारतीय चिकित्सा ज्ञान के प्रसार में हिंदी की भूमिका केवल भाषाई नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक भी है।कठिन वैज्ञानिक और पारिभाषिक विषयों को सरल, स्पष्ट और प्रामाणिक हिंदी में प्रस्तुत करना आज की एक बड़ी आवश्यकता है।

इसके माध्यम से आयुर्वेद और अन्य भारतीय चिकित्सा प्रणालियों से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, स्वास्थ्यकर्मियों और आम नागरिकों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँच सकती है।

दक्षिण भारत में हिंदी माध्यम का अक्षय वृक्ष : हिंदी महाविद्यालय

डॉ. सुरभि दत्त
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी महाविद्यालय

दक्षिण भारत की भूमि हैदराबाद के हृदय में स्थित हिंदी महाविद्यालय 65 वर्षों का वैभवशाली इतिहास रखता है। इसका सफल वर्तमान और भविष्य उज्जवल। संस्था को सर्वप्रथम 2006 में 'राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन समिति' से मान्यता प्राप्त हुई । 2023 में राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन का चौथा चरण पूरा कर लिया है। 2012 से स्वायत्तता का दर्जा प्राप्त कर शिक्षा का यह अक्षय वृक्ष विद्यार्थियों का चतुर्दिक विकास कर रहा है। अविराम गतिविधियों द्वारा प्रगति पथ पर अग्रसर है। हीरक जयंती भी पूर्ण कर चुका है। जून 1961 में हिन्दी माध्यम से उच्च एवं उच्चतम शिक्षा उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ स्थापित अखिल दक्षिण भारत का प्रथम एवं एकमात्र केंद्र है।यह संस्था श्री विनायक राव विद्यालंकार, राजा पन्नालाल पित्ती, आचार्य कृष्ण दत्त खांडेराव कुलकर्णी, पं. गंगाराम जैसे शिक्षाविद् हिन्दी सेवियों और समाज सेवियों की तपोभूमि है।

त्याग-तप का यह केंद्र कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकायों के गठन द्वारा इंटर एवं स्नातक स्तर पर हिन्दी माध्यम से शिक्षा प्रदान करनेके लक्ष्य के साथ छात्रों के सपनों को साकार कर रहा है। स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वप्रथम हिंदी से एम.ए प्रारंभ हुआ। दक्षिण की भूमि पर हिंदी माध्यम से शिक्षा प्रदान कर इतिहास रचा है। महाविद्यालय की प्रवेश संख्या वर्तमान में 800 है। स्व. चेयरमैन एमिरेट्स सुरेंद्र लूणिया जी का भवन विस्तारिकरण और प्रबंधन में योगदान उल्लेखनीय है।वर्तमानप्रबंध समिति के नेतृत्व में ज्ञान ज्योति से निरंतर प्रज्वलित हो रहा है। संस्था अध्यक्ष सी.ए लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर मूंदड़ा,कार्यदर्शी सुशील जैन, संयुक्त कार्यदर्शी प्रदीप कुमार दत्त, कोशाध्यक्ष सी.ए एस.बी काबरा एवं समिति के सक्रिय सदस्यों के दिशा-निर्देश मेंनएकीर्तिमान स्थापित कर रहा है। समिति द्वारा तकनीकी ज्ञान से संबंधित एवं कौशल विकास से जुड़े पाठ्यक्रमों को सम्मिलित कर रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाया गया है। निरंतर गतिमान शिक्षा के साथ कदम मिलाते हुए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एंड मेकेनिकल लर्निंग(ए.आई ए. एम.एल) तथा डाटा साइंस तथा डाटा एनालिसिस को जोड़ा गया है।

इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को संपूर्ण ज्ञान उपलब्ध कराना लक्ष्य है। कम्प्यूटर लैब में 350 से अधिक कम्प्यूटर सिस्टम हैं। जिनका लाभ छात्र एवं शिक्षक समान रूप से उठा रहे हैं। प्रचार्य डॉ.बाला कुमार के नेतृत्व में महाविद्यालय के छात्रों के लिए नई योजनाएँ बनाई गई है। इसी वर्ष से अंग्रेजी माध्यम से इंटर की कक्षाएँ प्रारंभ हुई हैं। प्रत्येक विभाग द्वारा निर्धारित अवधि में अनुभवी और विशेषज्ञ व्याख्याताओंका आमंत्रित कर व्याख्यानों का और राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। भारतय ज्ञान परंपरा पर २०२६ में राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। महाविद्यालय छात्रों को जागरूक नागरिक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पर्व, हिंदी दिवस, संस्कृत दिवस, मतदाता एवं संविधान दिवस, योग दिवस , पर्यावरण दिवस, तेलंगाना स्थापना दिवस सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

हिन्दी महाविद्यालय
HINDI MAHAVIDYALAYA

हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ

INTERMEDIATE
(BOARD OF INTERMEDIATE, TELANGANA)
H.no. 2-1-569, O.U. Road, Nallakunta, Hyderabad - 44

ENGLISH MEDIUM :
- M.E.C (Mathematics, Economics, Commerce)
- C.E.C (Commerce, Economics, Civics)
- M.P.C (Mathematics, Physics, Chemistry)

COLLEGE CODE : 61390

HINDI MEDIUM :
- C.E.C (Commerce, Economics, Civics)

DEGREE & PG COLLEGE
(AUTONOMOUS & NAAC RE – ACCREDITED) (AFFILIATED TO OSMANIA UNIVERSITY)
H.no. 2-1-569, O.U. Road, Nallakunta, Hyderabad - 44

UG ENGLISH MEDIUM :
- B.COM (GENERAL)
- B.COM (COMPUTER APPLICATIONS)
- B.B.A
- B.B.A (BUSINESS ANALYTICS)
- B.SC (ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND MACHINE LEARNING, DATA SCIENCE, COMPUTER SCIENCE, STATISTICS, MATHEMATICS, PHYSICS, CHEMISTRY)
- B.SC (BIO TECHNOLOGY, MICRO BIOLOGY, CHEMISTRY, APPLIED NUTRITION & HEALTH CARE)
- B.Voc (HOSPITALITY & TOURISM ADMINISTRATION)

DOST CODE : 11092

PG ENGLISH MEDIUM :
- M.COM
- M.SC (MATHEMATICS)
- M.SC (APPLIED STATISTICS)

UG & PG HINDI MEDIUM :
- B.COM (GENERAL)
- B.A. (HISTORY, HINDI (ML), POLITICAL SCIENCE)
- M.A. (HINDI)

NCC, NSS & Sports Facilities • Hostel facility for grils Available

M.C. GUPTA COLLEGE OF BUSINESS MANAGEMENT
(APPROVED BY AICTE & AFFILIATED TO OSMANIA UNIVERSITY)
H.no. 2-1-569, O.U. Road, Nallakunta, Hyderabad - 44
COLLEGE CODE : 1332
ICET CODE : MCGM
M.B.A.

ALL THE ABOVE ARE MANAGED BY HINDI MAHAVIDYALAYA SAMITI
For Admission Contact : 040-27616330, 8712608261 & 8712608262

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी केन्द्र
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद– 500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
WHO Collaborating Centre for Fundamental and Literary Research in Traditional Medicine
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of AYUSH, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, T.S. India.
Ph: 040-2406738, Web: http//:niimh.nic.in, E-mail: niimh.hyderabad@gmail.com, niimh-hyderabad@gov.in

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

भारतीय चिकित्सा ज्ञान का संरक्षण: हमारी विरासत, हमारी जिम्मेदारी

प्रिय देशवासियों एवं सुधी पाठकों,
हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

भारत की सभ्यता केवल अपनी प्राचीन संस्कृति, दर्शन और साहित्य के लिए ही नहीं, बल्कि अपने समृद्ध वैज्ञानिक एवं चिकित्सा ज्ञान के लिए भी विश्वभर में विशिष्ट पहचान रखती है। आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, योग तथा लोक-चिकित्सा जैसी परंपराओं में निहित ज्ञान-संपदा अनेक शताब्दियों के अनुभव, अवलोकन, अनुसंधान और व्यावहारिक प्रयोगों का परिणाम है। यह विरासत केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के स्वास्थ्य, अनुसंधान तथा ज्ञान-विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार है।

हमारा गौरवशाली अतीत हमारी शक्ति है और इस महान सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विरासत को सुरक्षित रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। विशेष रूप से आज, जब विश्व पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण और प्रकृति-आधारित जीवनशैली के प्रति पुनः आकर्षित हो रहा है, तब भारतीय चिकित्सा ज्ञान-संपदा का संरक्षण, वैज्ञानिक अध्ययन और भावी पीढ़ियों तक उसका सुव्यवस्थित हस्तांतरण और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन संचालित केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) का राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH), हैदराबाद विगत कई दशकों से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण, प्रलेखन, डिजिटलीकरण, अनुसंधान एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत है। संस्थान की विशेषज्ञता और गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त हुई है। 3 जून 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने संस्थान को पारंपरिक चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अपना पहला सहयोगी केंद्र (WHO Collaborative Centre) नामित किया।

इसके अतिरिक्त, संस्थान चिकित्सा-ऐतिहासिक अध्ययनों तथा भारतीय चिकित्सा संपदा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (CoE) के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। शैक्षणिक क्षेत्र में भी संस्थान का महत्वपूर्ण योगदान है। यह डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अंतर्गत द्रव्यगुण एवं आयुर्वेद सिद्धांत विषयों में पीएच.डी. अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस प्रकार संस्थान पारंपरिक ज्ञान, आधुनिक अनुसंधान, उच्च शिक्षा और चिकित्सा इतिहास के अध्ययन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य कर रहा है।

संस्थान में स्थापित 'मेडिको-हिस्टोरिकल संग्रहालय' भारतीय चिकित्सा विरासत का एक अनूठा एवं महत्वपूर्ण केंद्र है। यहाँ आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी तथा योग परंपराओं से संबंधित पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक सामग्रियाँ, प्राचीन पांडुलिपियाँ, पारंपरिक चिकित्सा उपकरण तथा लोक-चिकित्सा से जुड़े विभिन्न साक्ष्य संरक्षित किए गए हैं। यह संग्रह न केवल चिकित्सा इतिहास के अध्ययन में उपयोगी हैं, बल्कि शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, इतिहासकारों और जनसामान्य को भारत की समृद्ध चिकित्सा परंपराओं से परिचित कराने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

संस्थान का समृद्ध पुस्तकालय भी भारतीय चिकित्सा ज्ञान के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहाँ 500 से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियाँ, 20,000 से अधिक प्राचीन एवं आधुनिक पुस्तकें तथा अनेक वैज्ञानिक पत्रिकाएँ और संदर्भ सामग्री उपलब्ध हैं। इन बहुमूल्य ज्ञान-स्रोतों में निहित जानकारी को केवल संगृहीत करना ही पर्याप्त नहीं है; आवश्यकता है कि इसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से अधिकाधिक शोधकर्ताओं और समाज तक पहुँचाया जाए।

इसी उद्देश्य से संस्थान द्वारा 'अमर' (AMAR) वेब पोर्टल के माध्यम से दुर्लभ पांडुलिपियों और भारतीय चिकित्सा से संबंधित ज्ञान-सामग्री के डिजिटलीकरण, लिप्यंतरण, अनुवाद, प्रलेखन तथा वैज्ञानिक अध्ययन और प्रकाशन की दिशा में कार्य

किया जा रहा है। डिजिटल माध्यमों का उपयोग इस ज्ञान को समय, दूरी और भौतिक क्षरण की सीमाओं से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे भावी पीढ़ियों के शोधकर्ताओं को मूल स्रोतों तक पहुँचने और भारतीय चिकित्सा ज्ञान की नई वैज्ञानिक व्याख्याएँ विकसित करने का अवसर प्राप्त होगा।

संस्थान का कार्य केवल अतीत की धरोहर के संरक्षण तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य संवर्धन और रोग-निवारण के क्षेत्र में भी विभिन्न अनुसंधान गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। व्यक्तिगत स्वास्थ्य की अवधारणा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रकृति निर्धारण, स्वास्थ्य मूल्यांकन तथा योग और जीवनशैली पर आधारित समुदाय-केंद्रित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य लोगों में स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जीवनशैली संबंधी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए वैज्ञानिक आधार पर उपयोगी उपाय विकसित करना है।

आपकी सहभागिता से सुरक्षित होगी हमारी चिकित्सा विरासत !

भारतीय चिकित्सा संपदा का संरक्षण केवल किसी एक संस्थान या संगठन की जिम्मेदारी नहीं है। यह समाज के प्रत्येक जागरूक नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। देश के विभिन्न भागों में आज भी अनेक परिवारों, विद्वानों और संस्थाओं के पास दुर्लभ पांडुलिपियाँ, प्राचीन चिकित्सा ग्रंथ, पारंपरिक उपचार संबंधी दस्तावेज तथा ऐतिहासिक चिकित्सा सामग्री संरक्षित हो सकती है। यदि समय रहते इनका उचित संरक्षण और प्रलेखन नहीं किया गया, तो हमारी ज्ञान-विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग हमेशा के लिए नष्ट हो सकता है।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद, आप सभी प्रबुद्ध नागरिकों, विद्वानों और संस्थाओं से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रयास में सहयोग का आह्वान करता है। यदि आपके पास आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, योग अथवा भारतीय चिकित्सा परंपराओं से संबंधित पुरानी पांडुलिपियाँ, दुर्लभ ग्रंथ, ऐतिहासिक दस्तावेज अथवा पुरातात्विक एवं चिकित्सा-संबंधी सामग्री, जैसे पारंपरिक चिकित्सा उपकरण, ऐतिहासिक सिक्के या अन्य महत्वपूर्ण वस्तुएँ उपलब्ध हैं, तो उनके संरक्षण और प्रलेखन के लिए संस्थान से संपर्क किया जा सकता है।

इसी प्रकार, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) तथा अन्य वैधानिक सहयोग माध्यमों के द्वारा अनुसंधान सुविधाओं, संग्रहालय विकास, पांडुलिपि संरक्षण, डिजिटलीकरण तथा जन-स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने में भी सहयोग किया जा सकता है। जनसहभागिता और संस्थागत सहयोग से ही भारतीय चिकित्सा ज्ञान-संपदा के संरक्षण एवं वैज्ञानिक संवर्धन का कार्य व्यापक स्तर पर आगे बढ़ सकेगा।

हिंदी दिवस के अवसर पर हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि भाषा और ज्ञान एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। हमारी अनेक प्राचीन चिकित्सा पांडुलिपियाँ संस्कृत, प्राकृत, तमिल, अरबी-फारसी तथा अन्य भारतीय और क्षेत्रीय भाषाओं में संरक्षित हैं। इन ज्ञान-स्रोतों का संरक्षण, लिप्यंतरण और सरल भाषाओं में अनुवाद हमारी सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विरासत को व्यापक समाज तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि भारतीय चिकित्सा की इस अमूल्य ज्ञान-संपदा को केवल अतीत की धरोहर के रूप में न देखें, बल्कि इसे वैज्ञानिक अनुसंधान, जनस्वास्थ्य, शिक्षा और भावी पीढ़ियों के ज्ञान-विकास का सशक्त आधार बनाएँ। हमारी समृद्ध चिकित्सा एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना और इसे सुरक्षित, प्रामाणिक तथा सुव्यवस्थित रूप में आने वाली पीढ़ियों को सौंपना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

अधिक जानकारी के लिए: https://niimh.nic.in

जय हिन्द! जय आयुर्वेद!
डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी सहायक निदेशक
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH)
सर्वे नंबर 314, रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी,
गड्डिअन्नारम्, हैदराबाद - 500036

एआई, हिंदी और रोजगार : बदलते समय की नई संभावनाएँ

शीला बालाजी
हिंदी विभागाध्यक्ष

आज हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हमारे जीवन और कार्यक्षेत्र को तेजी से बदल रही है। हममें से बहुत से लोग सोचते हैं कि AI आने से रोजगार कम होंगे। लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि AI नई भाषाओं और विशेष रूप से हिंदी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रही है? आइए, इस प्रश्न पर थोड़ा विचार करें। कुछ वर्ष पहले तक यदि किसी व्यक्ति को हिंदी में सामग्री तैयार करनी होती थी, तो उसे स्वयं लिखना पड़ता था या किसी लेखक अथवा अनुवादक की सहायता लेनी पड़ती थी। आज AI की सहायता से हिंदी में लेख, ई-मेल, सोशल मीडिया पोस्ट, अनुवाद, सारांश और अनेक प्रकार की सामग्री तैयार की जा सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि हिंदी के लेखकों, अनुवादकों या संपादकों की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

बल्कि उनकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। क्यों?, क्योंकि AI को भाषा समझाने, सही संदर्भ देने और उसकी तैयार सामग्री को परिष्कृत करने के लिए भाषा विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। AI द्वारा तैयार सामग्री में तथ्यात्मक त्रुटियाँ, संदर्भ संबंधी कमियाँ अथवा भाषायी असंगतियाँ हो सकती हैं। ऐसे में हिंदी के जानकार व्यक्ति उसकी समीक्षा, संपादन और गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। साथियो, जरा कल्पना कीजिए—यदि कोई कंपनी अपने उत्पाद को देश के विभिन्न राज्यों और भाषायी समूहों तक पहुँचाना चाहती है, तो उसे केवल अंग्रेजी में सामग्री तैयार करने से काम नहीं चलेगा।

उसे हिंदी सहित भारतीय भाषाओं में वेबसाइट, विज्ञापन, ग्राहक सेवा, प्रशिक्षण सामग्री और सोशल मीडिया कंटेंट की आवश्यकता होगी। यहाँ हिंदी जानने वाले कंटेंट राइटर, अनुवादक, संपादक, भाषा विशेषज्ञ और AI प्रशिक्षक रोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

हमारी भाषा
हमारी पहचान
हमारा गौरव

ई सी आई एल ECIL
राष्ट्र की सेवा में परमाणु
ATOMS IN THE SERVICE OF THE NATION

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम
हैदराबाद-500062
एक मिनीरत्न सीपीएसई

सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स में आत्मनिर्भरता

ईसीआईएल: बहु-उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी उद्यम है जो नाभिकीय, रक्षा, वांतरिक्ष, होमलैंड सुरक्षा समाधान तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-अभिशासन के सामरिक क्षेत्र में नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराता है।

"हिंदी दिवस - 2026"
के अवसर पर सभी को
हार्दिक शुभकामनाएँ...

मेक इन इंडिया
cbdmoffice@ecil.co.in
www.ecil.co.in
+91 40-27120671

महाराष्ट्र के इन 8 पवित्र गणेश मंदिरों के दर्शन से पूरी होती है अष्टविनायक यात्रा

मोरगांव के मयूरेश्वर

सिद्धटेक के सिद्धि विनायक

भगवान गणेश के भक्तों के लिए, महाराष्ट्र में 'अष्टविनायक' तीर्थयात्रा बेहद खास है। 'अष्टविनायक' का अर्थ है 'आठ गणेश'। इस तीर्थयात्रा में महाराष्ट्र के पुणे, रायगढ़ और अहमदनगर जिलों में स्थित भगवान गणेश के आठ प्रसिद्ध मंदिर शामिल हैं। महाराष्ट्र पर्यटन के अनुसार, इन मंदिरों में मौजूद मूर्तियों को स्वयंभू यानी अपने आप प्रकट हुई माना जाता है और पारंपरिक तीर्थयात्रा मोरगांव से शुरू होकर वहीं समाप्त होती है...

मोरगांव के मयूरेश्वर

मोरगांव का श्री मयूरेश्वर मंदिर अष्टविनायक तीर्थयात्रा का पहला और आखिरी पड़ाव है। यहां भगवान गणेश की पूजा मयूरेश्वर या मृगमूर्ति (जिनका वाहन मोर है) के रूप में की जाती है। महाराष्ट्र पर्यटन के अनुसार, इसे अष्टविनायक परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण मंदिर माना जाता है।

सिद्धटेक के सिद्धि विनायक

अगला है सिद्धि विनायक मंदिर, जो अष्टविनायक तीर्थयात्रा का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां भगवान गणेश की पूजा सिद्धि विनायक के रूप में की जाती है और यह मंदिर अपने पौराणिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

पाली के बल्लालेश्वर

पाली (रायगढ़ ज़िले) में स्थित बल्लालेश्वर मंदिर की एक अनोखी पहचान है। यह एकमात्र ऐसा अष्टविनायक मंदिर है जिसका नाम भगवान गणेश के बजाय उनके एक भक्त बल्लाल के नाम पर रखा गया है। इस मंदिर की कथा गणेश के प्रति बल्लाल की भक्ति से गहराई से जुड़ी है।

महाड के वरदविनायक

महाड का वरदविनायक मंदिर अष्टविनायक तीर्थयात्रा का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। रायगढ़ ज़िले में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के वरदविनायक रूप को समर्पित है। यहाँ मुख्य रूप से खुशी, समृद्धि और मन की शांति के लिए पूजा की जाती है।

महाड के वरदविनायक

थेऊर के चिंतामणि

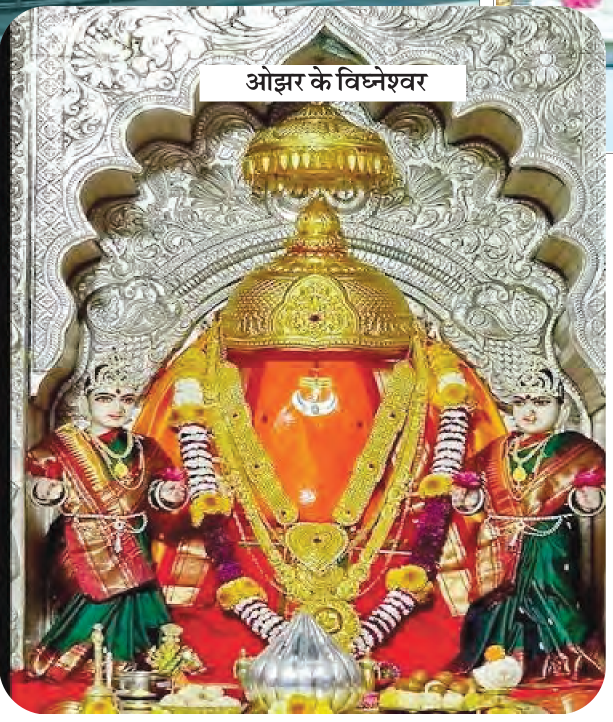

ओझर के विघ्नेश्वर

थेऊर के चिंतामणि

पुणे के पास थेऊर में स्थित चिंतामणि मंदिर भी इस पवित्र तीर्थयात्रा का हिस्सा है। यह मंदिर अपने शांत वातावरण और अत्यधिक धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। महाराष्ट्र पर्यटन के अनुसार, यह मुला, मुथा और भीमा नदियों के संगम के पास स्थित है।

लेण्याद्रि के गिरिजात्मज

लेण्याद्रि का गिरिजात्मज मंदिर अपनी अनोखी जगह के लिए प्रसिद्ध है। यह एकमात्र ऐसा अष्टविनायक मंदिर है जहां भगवान गणेश की पूजा उनके बाल रूप में की जाती है। मान्यता है कि देवी पार्वती की तपस्या के बाद गणेश यहां गिरिजात्मज के रूप में प्रकट हुए थे।

ओझर के विघ्नेश्वर

ओझर का विघ्नेश्वर गणपति मंदिर भी अष्टविनायक तीर्थयात्रा का हिस्सा है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और सोने की मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान गणेश की पूजा बाधाओं को दूर करने वाले (विघ्नेश्वर) के रूप में की जाती है।

रांजणगांव के महागणपति

इस तीर्थयात्रा का आठवां प्रमुख मंदिर रंजनगांव का महागणपति मंदिर है। यह पुणे से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है और अष्टविनायक परंपरा में इसका विशेष स्थान है। इसकी कथा भगवान शिव और त्रिपुरासुर की कहानी से जुड़ी है।

लेण्याद्रि के गिरिजात्मज

रांजणगांव के महागणपति

ऋषि पंचमी कल: इस दिन हल से उगा अन्न क्यों नहीं खाते?

इस साल ऋषि पंचमी 15 सितंबर 2026 मंगलवार को मनाई जाएगी। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 15 सितंबर को सुबह 7:44 बजे से शुरू होकर 16 सितंबर सुबह 8:59 बजे तक रहेगी। इस दिन सप्तऋषियों के साथ माता अरुंधती का पूजन करने की परंपरा है।

हल से उगा अन्न क्यों नहीं खाते?

ऋषि पंचमी के सबसे खास नियमों में से एक है कि इस दिन हल से जोती हुई भूमि में पैदा हुआ अन्न नहीं खाया जाता। जैसे गेहूं, सामान्य चावल और हल से खेती किए गए दूसरे अनाज को व्रत के भोजन से दूर रखा जाता है। इसके स्थान पर कंद-मूल, फल, कुछ तरह के शाक आदि का सेवन करने की परंपरा मिलती है।

इस नियम के पीछे धार्मिक मान्यता यह है कि ऋषि पंचमी का दिन संयम, तप और अहिंसा की भावना से जुड़ा है। हल से भूमि जोतने में मिट्टी के भीतर मौजूद सूक्ष्म जीव को हानि पहुंचती है, जो हिंसा माना जाता है इसलिए इस दिन हल से जुती भूमि के अन्न नहीं खाए जाते।

महिलाएं ऋषियों की पूजा क्यों करती हैं

इस दिन महिलाएं स्नान करके सप्तऋषियों कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वशिष्ठ का पूजन करती हैं तथा अरुंधती का स्मरण करती हैं। भविष्य पुराण में इसका जिक्र मिलता है

कश्यपोऽत्रिर्भरद्वाजो विश्वामित्रोऽथ गौतमः।
जमदग्निर्वसिष्ठश्च सप्तैते ऋषयः स्मृताः॥

व्रत कथा सुनने और पूजा के माध्यम से जाने-अनजाने हुई भूलों के लिए क्षमा प्रार्थना की जाती है।

इस तरह ऋषि पंचमी केवल भोजन के नियम वाला व्रत नहीं, बल्कि ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञता, आत्मसंयम, प्रायश्चित और सात्त्विक जीवन का संदेश देने वाला पर्व है।

ऋषि पंचमी पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण कर व्रत का संकल्प लें।

पूजा स्थल को साफ करके चौकी पर सप्तर्षियों और माता अरुंधती की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वशिष्ठ ऋषि का ध्यान और आह्वान करें।

ऋषियों को जल, अक्षत, पुष्प, चंदन, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें।

सप्तर्षियों के साथ माता अरुंधती का भी श्रद्धापूर्वक पूजन करें।

सप्तर्षियों को जल से अर्घ्य देकर सुख-शांति और जाने-अनजाने हुई भूलों के लिए क्षमा प्रार्थना करें।

पूजा के बाद ऋषि पंचमी की व्रत कथा का पाठ या श्रवण करें।

सप्तर्षियों का स्मरण करते हुए मंत्र जाप और प्रार्थना करें।

व्रत रखने वाले लोग अपनी पारिवारिक परंपरा के अनुसार फलाहार या सात्त्विक भोजन करें। कई परंपराओं में हल से उगे अन्न का सेवन नहीं किया जाता।

सामर्थ्य के अनुसार अन्न, वस्त्र आदि का दान करके व्रत का पारण या समापन करें।

गजानन संकष्टी चतुर्थी: शुभ मुहूर्त

सुबह की पूजा का मुहूर्त: प्रातः 7:25 बजे से दोपहर 12:26 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:00 बजे से 12:53 बजे तक
ब्रह्म मुहूर्त: प्रातः 4:18 बजे से 5:02 बजे तक

गणेशजी के 12 मंत्र

ॐ सुमुखाय नम:
ॐ एकदंताय नम:
ॐ कपिलाय नम:
ॐ गजकर्णाय नम:
ॐ लंबोदराय नम:
ॐ विकटाय नम:
ॐ विघ्ननाशाय नम:
ॐ विनायकाय नम:
ॐ धूम्रकेतवे नम:
ॐ गणाध्यक्षाय नम:
ॐ भालचंद्राय नम:
ॐ गजाननाय नम:

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 14 सितंबर - 2026

भारत की कूटनीतिक ताकत

ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सर्वसम्मति बनना भारत की बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है। यह उपलब्धि इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि इस बार संगठन के भीतर मतभेद सामान्य नहीं थे। खासकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पश्चिम एशिया संकट को लेकर अलग-अलग रुख थे। ऐसे माहौल में सभी 11 सदस्य देशों को एक साझा दस्तावेज पर सहमत कराना आसान काम नहीं था। भारत ने न केवल यह कठिन काम पूरा किया, बल्कि यह भी दिखाया कि विरोधी हितों वाले देशों के बीच संवाद और सहमति का रास्ता निकालना कठिन नहीं है। भारत की यह कूटनीतिक क्षमता नई नहीं है। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोपीय देशों तथा रूस के बीच गहरे मतभेद थे, फिर भी भारत ने सर्वसम्मति वाला घोषणापत्र हासिल किया था। अब ब्रिक्स में भी उसी तरह की सफलता दोहराई गई है। यह भारत की उस रणनीतिक शैली का परिणाम है जिसमें वह अलग-अलग ध्रुवों में खड़े देशों से संवाद बनाए रखते हुए साझा बिंदु तलाशता है। नई दिल्ली घोषणापत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर बनी सहमति है। दस्तावेज में क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताते हुए अधिकतम संयम बरतने और ऐसे कदमों से बचने की अपील की गई है जो संकट को और भड़का सकते हैं। ईरान, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के अलग-अलग हितों के बीच यह साझा भाषा तैयार होना अपने आप में बड़ी कूटनीतिक सफलता है। भारत के लिए इससे भी महत्वपूर्ण बात आतंकवाद के मोर्चे पर मिली स्पष्टता है। घोषणापत्र में 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की गई है। आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण पर कार्रवाई तथा आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करने की बात कही गई है। खास बात यह है कि चीन समेत सभी सदस्य इस सहमति का हिस्सा बने। हालांकि घोषणापत्र ने पाकिस्तान का नाम लेकर आरोप नहीं लगाया और न ही भारत की बाद की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया, लेकिन पहलगाम हमले को दोबारा सामूहिक रूप से आतंकवादी हमला मानना भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक संदेश है। यहीं भारत की रणनीतिक स्थिति भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वह क्वाड का सदस्य है, ब्रिक्स में सक्रिय है और शंघाई सहयोग संगठन में भी भागीदार है। इन मंचों के सदस्य देशों के हित कई बार एक-दूसरे के विपरीत होते हैं। फिर भी भारत सभी के साथ संवाद बनाए रखता है। यही संतुलन उसकी कूटनीतिक ताकत है और इसी कारण वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। लेकिन इस सफलता पर अत्यधिक आत्ममुग्ध होने का समय नहीं है। घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करना पहला चरण है, असली चुनौती उसके संकल्पों को लागू करना है। यदि ब्रिक्स को पश्चिमी प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था का प्रभावी विकल्प बनना है तो उसे केवल बयान जारी करने वाला मंच नहीं रहना होगा। व्यापार, स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन, विकास वित्त, तकनीक, आतंकवाद-विरोध और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे मुद्दों पर ठोस सहयोग जरूरी होगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग, सीमा-पार भुगतान को आसान बनाने और विकास सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। ब्रिक्स की सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि क्या सदस्य देश अपने-अपने राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर साझा हितों पर कुछ ठोस कदम उठा सकते हैं। भारत ने कठिन बातचीत के बाद सभी को एक मेज पर ला दिया है। अब चीन, रूस और अन्य सदस्य देशों की जिम्मेदारी है कि वे इस सहमति को कागज तक सीमित न रहने दें। कूटनीति की असली जीत घोषणापत्र तैयार करने में नहीं, बल्कि उसमें लिखे शब्दों को बदलती दुनिया की वास्तविकता में बदलने में होती है। भारत ने सहमति का रास्ता दिखा दिया है; अब ब्रिक्स को साबित करना होगा कि वह साझा घोषणाओं से आगे बढ़कर साझा कार्रवाई की ताकत भी बन सकता है।

एक उत्सव, जो हमें पाने से ज्यादा छोड़ना सिखाता है?

आरके जैन

हर वर्ष गणेशजी का आगमन केवल उत्सव नहीं, स्वयं से मिलने का अवसर भी होता है। गणेश चतुर्थी आस्था, आनंद और सामूहिकता का ऐसा पर्व है, जिसका अर्थ हर बार नई दृष्टि से खुलता है। गणेशजी का स्वरूप ही जीवन का गहरा दर्शन समेटे है-हाथी का मस्तक, मानव देह, एकदंत, विशाल उदर और साथ में मूषक। यह विलक्षण रूप बताता है कि जीवन की सुंदरता एकरूपता में नहीं, विविधताओं को सम्मानपूर्वक स्वीकारने में है। जब मनुष्य स्वयं को पूर्ण और सफल दिखाने की दौड़ में रहता है, तब गणेश चतुर्थी याद दिलाती है कि अधूरापन जीवन की स्वाभाविक सच्चाई है, कमी नहीं। अपनी कमियों को स्वीकारकर उन्हें आत्मविकास की शक्ति बनाना ही वास्तविक सामर्थ्य है। मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा इसी भाव को साकार करती है।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अपने भीतर जीवन का सूक्ष्म संदेश समेटे है। चंचलता और निरंतर सक्रियता का प्रतीक मूषक आज के मनुष्य की भागती इच्छाओं का भी प्रतिबिंब है। डिजिटल संसार ने जानकारी, संपर्क और अवसर बढ़ाए हैं, तो लाइक्स, प्रशंसा, प्रसिद्धि और त्वरित संतुष्टि की चाह भी बढ़ी है। यही चाह कई बार मनुष्य को स्वयं से दूर कर देती है। गणेशजी के चरणों में बैठा मूषक याद दिलाता है कि इच्छाएं स्वाभाविक हैं, पर उनका संयम आवश्यक है। छोटी इच्छाओं और आकर्षणों पर विवेक का नियंत्रण ही मन को स्थिर रखता है। जीवन की सच्ची उपलब्धि अधिक पाने में नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें संतोष, संयम और संतुलन खोजने में है। मिट्टी से गणेश प्रतिमा का बनना और फिर उसी मिट्टी में विलीन हो जाना जीवन की क्षणभंगुरता और प्रकृति से हमारे अटूट संबंध का मार्मिक संदेश है। मिट्टी प्रकृति से आती है, आकार पाती है, श्रद्धा का केंद्र बनती है और अंततः प्रकृति में लौट जाती है। यही चक्र सिखाता है-परिवर्तन ही जीवन का शाश्वत सत्य है। फिर भी मनुष्य धन, वस्तुओं, प्रतिष्ठा और उपलब्धियों को स्थायी मानकर उनसे मोह बाँध लेता है। गणेश-विसर्जन केवल विदाई नहीं, आसक्ति छोड़ने की सहज आध्यात्मिक सीख भी है। साथ ही यह स्मरण कराता है कि प्रकृति से लिया हर संसाधन सम्मान, संवेदना और जिम्मेदारी की माँग करता है। प्रकृति का सम्मान ही हमारी जीवनशैली का संस्कार बने।

गणेशजी का एकदंत स्वरूप जीवन का गहरा सत्य कहता है-पूर्णता हमेशा हमारी अपेक्षाओं जैसी नहीं होती। परिस्थितियाँ बदलती हैं, योजनाएँ अधूरी रह जाती हैं और उपलब्धि के लिए कई बार त्याग करना पड़ता है। हम असफलता और नुकसान को सहज नहीं मानते, पर एकदंत सिखाता है कि कोई कमी हमारी पूरी पहचान नहीं बन सकती। अनुभवों से सीखकर आगे बढ़ना ही शक्ति है। कला, विज्ञान और नवाचार भी प्रयोग, असफलता और अधूरे प्रयासों से आगे बढ़ते हैं। इसलिए हर अधूरा प्रयास अंत नहीं, अगले प्रयास की नींव है। जीवन की कमी को कमजोरी नहीं, आगे बढ़ने की प्रेरणा बनाना ही एकदंत का संदेश है। गणेशोत्सव का सामूहिक स्वरूप भारतीय सामाजिक जीवन की बड़ी ताकत सामने लाता है। पंडालों में अलग-अलग आयु, वर्ग और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं। सामूहिक आरती, दर्शन, प्रसाद और उत्सव दूरियाँ मिटाकर आत्मीयता बढ़ाते हैं। जब व्यस्त जीवन और डिजिटल माध्यमों ने प्रत्यक्ष संवाद सीमित कर दिया है, ऐसे अवसर सामाजिक जुड़ाव को नई ऊर्जा देते हैं। मोदक और प्रसाद बाँटना केवल परंपरा नहीं, खुशी साझा करने की सुंदर भावना है। गणेशोत्सव याद दिलाता है कि समाज केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, सहयोग, सम्मान और सहभागिता से समृद्ध होता है।

हिंदी बन रही है नई अंतरराष्ट्रीय भाषा?

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

हिंदी को लेकर हमारी सबसे बड़ी समस्या शायद यही है कि हम उसे अक्सर या तो भावनाओं के आईने में देखते हैं या फिर भाषा-विवाद की राजनीति के चश्मे से। जबकि आज की हिंदी इन दोनों सीमाओं से बहुत आगे निकल चुकी है। वह अब केवल हिंदीभाषी प्रदेशों की लोकप्रिय भाषा नहीं रह गई है। वह देश के अलग-अलग हिस्सों के बीच संवाद का माध्यम बनने के साथ-साथ विदेशों में बसे भारतीय समुदायों, सिनेमा, सोशल मीडिया, कारोबार और डिजिटल तकनीक के रास्ते अपना नित नया विस्तार कर रही है। इसलिए हिंदी दिवस के अवसर पर यह पूछना अधिक जरूरी है कि हिंदी आज कहां खड़ी है और आने वाले समय में वह कहां पहुंच सकती है? हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक कार्यक्रम इस बदलती तस्वीर का दिलचस्प उदाहरण सामने लाता है। गुजरात के वडोदरा में जेन-जी और जेन-अल्फा से संवाद करते हुए उन्होंने हिंदी को ही माध्यम बनाया। जबकि गुजरात में गुजराती में संवाद करना उनके लिए अधिक स्वाभाविक था। यह चुनाव बताता है कि हिंदी अब केवल किसी क्षेत्र विशेष की भाषा नहीं, बल्कि व्यापक जनसमूह तक पहुंचने वाली भाषा के रूप में राजनीतिक और सामाजिक जीवन में अपनी जगह बना चुकी है। इसे समझते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदी में लिखते, पढ़ते और बोलते हैं। 2014 में उन्होंने वडोदरा के साथ वाराणसी से चुनाव लड़कर हिंदी पट्टी के साथ अपने राजनीतिक रिश्ते को इतना मजबूत किया ही कि वाराणसी उनकी राजनीतिक यात्रा का अभेद्य किला बन चुका है।

हिंदी की राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका का इतिहास भी दिलचस्प है। 1964 में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद कांग्रेस के भीतर प्रधानमंत्री पद के लिए के. कामराज का नाम भी चर्चा में आया था। उस समय तमिलनाडु की राजनीति के बड़े नेता के रूप में कामराज स्थापित हो चुके थे। इससे पहले लगभग दस वर्षों तक राज्य की कमान संभाल चुके थे। लेकिन सर्वोच्च राष्ट्रीय पद के सवाल पर उन्होंने स्वयं को पीछे कर लिया। उनके बारे में कहा जाता था कि हिंदी का ज्ञान न होना दिल्ली की राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी कमी हो सकती है। यह प्रसंग बताता है कि एक दौर में हिंदी राष्ट्रीय राजनीतिक संवाद के लिए कितनी महत्वपूर्ण मानी जाती थी।

आज हिंदी की पहुंच का दायरा और बड़ा हो गया है। दुनिया भर में हिंदी बोलने, समझने और इस्तेमाल करने वालों की संख्या 61 करोड़ से अधिक बताई जाती है। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जिनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है, लेकिन वे इसे दूसरी या तीसरी भाषा के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें लगभग 90 प्रतिशत भारत में रहते हैं, जबकि करीब 10 प्रतिशत हिंदीभाषी विदेशों में हैं। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं है; यह भारत के बाहर हिंदी की मौजूदगी और भारतीय संस्कृति के प्रभाव का संकेत है। नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, मॉरीशस, फिजी, गुयाना, त्रिनिदाद, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में हिंदीभाषी समुदाय की संख्या बहुतायत में है। कनाडा में बड़ी संख्या में बसे हिंदीभाषी सामाजिक जीवन में हिंदी का इस्तेमाल करते हैं और फिजी में हिंदी को लंबे समय से सामाजिक पहचान मिल चुकी है। मॉरीशस में भी हिंदी की मजबूत सांस्कृतिक उपस्थिति है। विदेशों में बसे भारतीय परिवार अपनी भाषा के साथ अपनी संस्कृति को भी आगे बढ़ाते हैं। यही कारण है कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में 'नमस्ते' सुनाई देना अब असामान्य नहीं रहा। यह शब्द केवल अभिवादन नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान बन चुका है।

प्रवासी भारतीयों का महत्व आर्थिक रूप से भी कम नहीं है। विदेशों में काम करने वाले भारतीय अपने परिवारों को बड़ी मात्रा में धन भेजते हैं। यह धन भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण योगदान देता है। यदि भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ती हैं तो उसका अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव भी पैदा होता है। इसलिए हिंदी को केवल साहित्य या भावनाओं की भाषा मानना उसके वास्तविक प्रभाव को छोटा करके देखना होगा। लेकिन यहां एक सावधानी भी जरूरी है। हिंदी का विस्तार दूसरी भारतीय भाषाओं के संकुचन की कीमत पर नहीं होना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में हिंदी को व्यापक संपर्क-भाषा के रूप में स्थापित करने की कोशिश हुई थी। महात्मा गांधी भी ऐसी भाषा के पक्षधर थे जिसे देश का सामान्य व्यक्ति आसानी से समझ सके। मगर अहिंदीभाषी क्षेत्रों के स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों को यह आशंका भी थी कि किसी एक भाषा को अत्यधिक महत्व मिलने पर क्षेत्रीय भाषाओं का अस्तित्व और सम्मान प्रभावित हो सकता है। लंबी बहस के बाद यह तय किया गया था कि 15 वर्षों तक अंग्रेजी में कामकाज चलता रहेगा और उसके बाद परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। समय बीत गया, लेकिन हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिल सका। हालांकि इसका यह अर्थ भी नहीं कि हिंदी को लेकर निराश होने की जरूरत है। भाषा की असली ताकत सरकारी आदेश से नहीं, बल्कि जनता के इस्तेमाल से तय होती है। हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए, लेकिन उसी सम्मान के साथ भारत की दूसरी भाषाओं को भी देखना होगा।

रूसी लेखक रसूल हमजातोव की प्रसिद्ध भावना इसी बात को सुंदर ढंग से सामने रखती है कि मातृभाषा मां जैसी होती है, जबकि दूसरी भाषाएं मौसी जैसी आत्मीय हो सकती हैं। राजनीति भाषाओं के बीच दीवार खड़ी कर सकती है, लेकिन भाषाएं स्वयं लोगों को जोड़ने का रास्ता बन सकती हैं। भारत की भाषाई विविधता को इसी दृष्टि से देखने की जरूरत है। तकनीक ने हिंदी के सामने संभावनाओं का एक बिल्कुल नया संसार खोल दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में अनुवाद और भाषा-प्रसंस्करण की तकनीकें तेजी से विकसित हो रही हैं। ओटीटी ने भी भाषाई सीमाओं को कमजोर किया है। आज दक्षिण भारत के लोकप्रिय कलाकारों ममूटी, मोहन बाबू, मोहनलाल, विजय और अल्लू अर्जुन की फिल्मों को हिंदी दर्शक आसानी से देख रहे हैं। नवंबर 2024 में 'पुष्पा-2' के ट्रेलर लॉन्च के लिए अल्लू अर्जुन का पटना पहुंचना इसका शानदार उदाहरण बना। उन्हें देखने के लिए डेढ़ से दो लाख तक लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। इनमें बड़ी संख्या जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं की थी। सोशल मीडिया ने इस परिवर्तन को और तेज कर दिया है। आज अहिंदीभाषी प्रदेशों में रहने वाले करोड़ों लोग हिंदी का इस्तेमाल सामाजिक और आर्थिक संपर्क के लिए कर रहे हैं। इंटरनेट पर एक ऐसी नई भाषाई संरचना बन रही है, जिसमें हिंदी के साथ भारतीय भाषाओं और दुनिया की दूसरी भाषाओं के शब्द सहजता से घुल-मिल रहे हैं। संभव है कि कंप्यूटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्रांति आने वाले समय में ऐसी हिंदी को जन्म दे, जो किसी एक प्रदेश की नहीं, बल्कि अनेक भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने वाली भाषा हो।

यही हिंदी की असली ताकत है। उसे बड़ा बनने के लिए किसी दूसरी भाषा को छोटा करने की जरूरत नहीं है। हिंदी यदि भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हुए आगे बढ़ती है, प्रवासी भारतीयों से जुड़ती है, तकनीक को अपनाती है और दुनिया के बदलते सांस्कृतिक परिवेश में अपनी जगह बनाती है तो वह निश्चित रूप से भारत की सीमाओं से कहीं आगे जाएगी। हिंदी का भविष्य उसके अतीत के गौरव में जरूर है, लेकिन उसकी असली उड़ान उस खुलेपन में होगी जो उसे लोगों को जोड़ने की ताकत देता है। यही हिंदी दिवस का सबसे सार्थक संदेश भी है।

भारत की सांस्कृतिक चेतना की उन्नायक हिन्दी

अशोक कुमार भार्गव

14 सितंबर को हिन्दी दिवस का आगमन हिन्दी जगत के लिए उमंग उत्साह और ऊर्जा से भरा हुआ उत्सव होता है जिसका समापन हिन्दी सप्ताह और हिन्दी पखवाड़े में आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने और हिन्दी सेवियों हिंदी प्रेमियों तथा हिंदी साधकों के श्रेष्ठतम कार्यों के सम्मान के साथ एक कर्मकांड के रूप में होता है। हिन्दी दिवस पर हम बड़े ही आत्मविश्वास के साथ हिन्दी की गरिमा, उसकी महिमा और उसके अप्रतिम गौरव का गुणगान तो करते हैं किंतु वास्तव में हम हिंदी की दशा को लेकर अपेक्षित गंभीर नहीं होते जबकि यह दिन हमारे आत्म मूल्यांकन का आत्मविश्लेषण का होता है कि हमने हिन्दी के भविष्य को स्वर्णिम बनाने की दिशा में क्या महतीअवदान दिया है। यह सही है कि हिंदी हमारी अस्मिता की पहचान और भारत की आत्मा है।यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को सूक्ष्मता सेअभिव्यक्त करने की संपदा है। यह हमारे सार्वभौमिक मूल्यों की विधायिका है जो समग्र राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधती है,यह केवल संवाद की भाषा ही नहीं है,बल्कि यह एक समृद्ध,सांस्कृतिक, नैतिक और आध्यात्मिक विरासत की संवाहिका है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना अर्थात वैश्विक भाईचारे और एकता की भावना जाग्रत कर जन जन में आत्माभिमान स्वाभिमान का भाव उत्पन्न करती है। परस्पर सम्मान जुड़ाव विनम्रता सहिष्णुता संवेदनशीलता और समरसता का भाव हिन्दी की अंतर्निहित प्रकृति है। इसीलिए हिन्दी जन जन की अभिलाषा के अनुरूप समग्र राष्ट्र में संपर्क की भाषा बनीहै।

मध्यकाल में हिन्दी भक्ति आंदोलन के धार्मिक और सामाजिक सुधारों की भाषा बनी और स्वाधीनता संग्राम के राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले आदर्शों को हिन्दी ने मुखरता के साथ सशक्त किया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लम्बे संघर्ष के बाद 14 सितंबर,1949 को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में प्रावधान किया गया कि संघ की सरकारी भाषा देवनागरी लिपि में हिंदी होगी और संविधान के लागू होने के समय से 15 वर्ष की अवधि तक संघ के उन सभी प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग होता रहेगा।अनुच्छेद की धारा 3 में व्यवस्था की गई कि संसद 15 वर्ष की कालावधि के पश्चात विधि द्वारा अंग्रेजी भाषा के प्रयोग को उपबंधित कर सकेगी।किंतु ऐसा हो ना सका। राष्ट्रभाषा के संदर्भ में गठित खेर आयोग और पंत समिति के प्रतिवेदनों के आधार पर 1963 में बनाए गए राजभाषा अधिनियम के अनुसार ऐसी व्यवस्था कर दी गई कि26जनवरी1965 के पश्चात भी अंग्रेजी राजकाज की भाषा बनी रहेगी यद्यपि हिंदी ही संघ की राज भाषा होगी किंतु अंग्रेजी के प्रयोग की छूट तब तक बनी रहेगी जब तक हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाने वाले सभी राज्यों के विधानमंडल अंग्रेजी को समाप्त करने के लिए संकल्प ना पारित करें। स्पष्ट है कि विधेयक के अनुसार अंग्रेजी का प्रयोग अनंत काल तक किया जा सकेगा। किसी निश्चित अवधि का उल्लेख वहां नहीं है यदि एक भी राज्य हिंदी का प्रयोग ना चाहे तब भी हिंदी राजकाज की अनिवार्य भाषा नहीं हो सकेगी। इस प्रकार हिन्दी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित हो गई।

डॉ.भीमराव अंबेडकर ने भाषा के प्रश्न को केवल भावुकता की दृष्टि से नहीं देखा बल्कि भाषा के प्रति उनका दृष्टिकोण राष्ट्रीय था। संस्कृत हो या हिन्दी दोनों के प्रति उनकी धारणा थी कि ये भाषाएँ भारत को एकता के सूत्र में बांधकर संगठित रख सकती हैं और किसी भी प्रकार के भाषायी विवाद से बचा सकती है। डॉ.अंबेडकर के पास विभिन्न विषयों में 32 उपाधियाँ थीं और वे 9 भाषाओं के ज्ञाता थे। फिर भी उन्होंने अंग्रेजी अखबार नहीं निकाला वरन हिन्दी में अखबार निकाले।यदि अंग्रेजी में अखबार निकाला होता तो संभवतः वे मूक समाज के महानायक नहीं बन पाते। वे क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के विकास के पक्षधर थे, लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को ही प्रतिस्थापित करने के समर्थक थे। वे भाषाई आधार पर प्रांतों के गठन के पक्षधर नहीं थे।डॉ. अंबेडकर ने एक भाषा एक राज्य के स्थान पर एक राज्य एक भाषा का समर्थन किया था। हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने बहुत ही सोच समझ कर हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया था। महात्मा गांधी ने कहा था,अगर हम भारत को राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो हिंदी ही हमारी राष्ट्रभाषा हो सकती है। अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है लेकिन वह हमारी राष्ट्रभाषा नहीं हो सकती। वे मानते थे कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का कहना था कि प्रांतीय ईर्ष्या द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता हिंदी प्रचार से मिलेगी उतनी दूसरी किसी चीज़ से नहीं मिल सकती। यदि हम लोगों ने तन मन धन से प्रयत्न किया तो वह दिन दूर नहीं जब भारत स्वाधीन होगा और उसकी राष्ट्रभाषा होगी हिंदी।आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद ने भी कहा था हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। जबकि के एम मुंशी का कहना था कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना नहीं है। वह तो है ही।

भारतेन्दु जी ने कभी बड़ी गहराई में उतरकर लिखा था निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। पै निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय को सूल।₹ इस मूल मंत्र को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में रेखांकित करते हुए मातृभाषाओं, लोकभाषाओं को समान अवसर दिया गया है। प्रारंभिक विद्यालयीन पठन पाठन से लेकर उच्च शिक्षा तक में लोकभाषाओं का महत्व बढ़ा है जो आने वाले वर्षों में भारत को वैश्विक ज्ञान के नए क्षितिजों में स्थापित करेगा। यद्यपि मातृ भाषा में शिक्षा की वकालत करना बहुत सहज है,किंतु इस हेतु क्रियान्वयन के स्तर पर समग्रतः मानवीय और भौतिक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता अपरिहार्य है। और वास्तव में हिन्दी की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह केवल प्राथमिक शिक्षा की भाषा बनकर न रह जाए वरन् वह वैश्विक विश्वविद्यालयों में भी उच्चतम शोध और ज्ञान की बुनियाद बनना चाहिए। किसी भी भाषा का भविष्य सरकारी आदेशों से उज्जवल नहीं होता और ना ही यह किसी एक व्यक्ति संस्था या शासकीय तन्त्र पर निर्भर होता है। भाषा का भविष्य तो उस भाषा के प्रति सृजनात्मक समर्पण भाव से होता है,उसके बोलने जानने समझने और लिखने वालों की निस्वार्थ संकल्प शक्ति, अपनी भाषा के प्रति अपनत्व और निश्छल ममत्व से होता है। यदि हिन्दी के प्रति हमारा जुड़ाव केवल हिन्दी दिवस को एक वार्षिक उत्सव मनाने तक ही सीमित है तब ऐसा प्रतीत होता है कि वास्तव में हम हिन्दी के समर्थक हैं या हम ऐसा होने का मात्र आडंबर कर रहे हैं। धर्म एव हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षिताः।अर्थात जो धर्म की हत्या करता है वह स्वयं मारा जाता है और जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। यदि यहां हम धर्म के स्थान पर भाषा रख दें तो स्थिति वही रहती है कि जो जाति भाषा की उपेक्षा करती है वह स्वयं उपेक्षित हो जाती है और जो अपनी भाषा की रक्षा करती है भाषा भी उसकी रक्षा करती है। इसलिए भाषायी उपेक्षा सांस्कृतिक क्षरण का कारण बनती है। गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि अन्य भारतीय भाषाएं नदी है और हिन्दी महानदी। अतःवैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती स्वीकार्यता के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। हिन्दी को अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और परस्पर समन्वय का संबंध रखते हुए सहेलियों जैसा व्यवहार करना चाहिए।

संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

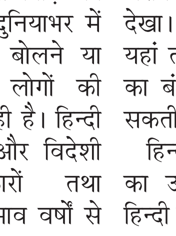

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चर्चाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है। हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, 'दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में 'बॉलीवुड' के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है।

यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निर्माता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है।

जंग लगा मेडल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

ज़िला खेल परिसर के मुख्य प्रशासनिक भवन के बाहर कंक्रीट की सीढ़ियों पर पचहत्तर साल के रघुवीर दादा हर शनिवार सुबह ठीक दस बजे आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में शीशम की लकड़ी वाली एक पुरानी टूटी हुई हॉकी स्टिक और फीते से बंधा एक जंग लगा पीतल का मेडल हमेशा रहता था जिसे वे अपनी मैली धोती के छोर से बार-बार पोंछते रहते थे। आज उनतीस अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के भव्य उत्सव के मौके पर जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें मुख्य द्वार पर बैठा देखा तो अपनी सीटी बजाते हुए ठहाका लगाकर बोला कि दादा जब आज पूरे देश में मेजर ध्यानचंद की जयंती और राष्ट्रीय खेल दिवस का जश्न मनाया जा रहा है और बड़े-बड़े खिलाड़ी सम्मानित हो रहे हैं तो इस टूटी लकड़ी की छड़ी को रोज़ अपनी छाती से चिपकाकर यहाँ क्या भीख मांगने का नया तमाशा खड़ा करते हो। रघुवीर दादा अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को धोती से साफ़ करते और बहुत धीमी आवाज़ में मुस्कुराकर कहते कि बेटा यह टूटी स्टिक केवल लकड़ी का टुकड़ा नहीं है बल्कि इस पूरे खेल महकमे की वो अंधी संवेदनहीनता है जिसने मैदान के पसीने को कागज़ों की स्याही में दफ़न कर दिया है। आसपास खड़े तमाम दलाल और कोच उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में दादा की मति मारी गई है जो राष्ट्रीय खेल दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चले आए हैं। रघुवीर दादा किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस मेडल को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के काफिले का इंतज़ार करते रहते थे। खेल विभाग के सभी बाबू और प्रशिक्षक रघुवीर दादा की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से भलीभांति वाकिफ़ हो चुके थे और उन्हें एक सनकी बुज़ुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी विजेता खिलाड़ियों की सूची लेकर खेल अधिकारी के केबिन की तरफ बढ़ता तो रघुवीर दादा बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और हाथ जोड़कर कहते कि बाबू जी क्या आज उस राष्ट्रीय खिलाड़ी पेंशन और इलाज वाले कागज़ पर साहब के दस्तखत हो गए। बाबू गुस्से में फ़ाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि अरे दादा जब तक खेल निदेशालय से बजट नहीं आएगा और ऑनलाइन पोर्टल पर तुम्हारा नाम सत्यापित नहीं होगा तब तक फूटी कौड़ी नहीं मिलेगी और तुम इस टूटी लकड़ी को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे।

रघुवीर दादा बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाते और उस टूटी हॉकी स्टिक के जोड़ को अपनी हथेली से छूने का निरर्थक प्रयास करने लगते थे जो हर बार हिलकर अलग हो जाती थी।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 14 सितंबर - 2026 9

विचार

अगर आप अपनी गलतियों से सीख लेते है तो गलतियां आपके लिए सीढी है

तेलंगाना का बजट रोशैया की दूरदर्शिता से ही सफल होगाः सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि आर्य वैश्य समुदाय के लोग बहुत स्वाभिमानी होते हैं। भले ही कई आर्य वैश्य गरीब हों, लेकिन वे स्वाभिमान के कारण खुद को गरीब कहलाना पसंद नहीं करते। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज (रविवार) 'आर्य वैश्य आत्म-सम्मान भवन' की आधारशिला रखी। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी ने दिवंगत पूर्व गवर्नर और पूर्व सीएम रोशैया की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोशैया आलोचना तो करते थे, लेकिन कभी किसी पर दोष नहीं मढ़ते थे।

रोशैया ने राज्य छोड़ दिया था... लेकिन हमने हैदराबाद में ही रहने का फैसला किया। रोशैया ने कहा था कि वे लंबे समय तक राजनीति में नहीं रहेंगे। उन्होंने बताया कि वैश्य समुदाय के लोग वित्तीय लेन-देन में सलाह लेते थे। मैं हमेशा वैश्य समुदाय की सराहना करता हूँ।

सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुश्किलों और कष्टों के बावजूद, वैश्य समाज के लोग सम्मान के साथ जीते हैं। इसलिए मैं वैश्य समुदाय को पसंद करता रहा हूँ। गाँव में लोग कितने भी गरीब क्यों न हों, वैश्य भाई दूसरों को भोजन जरूर कराते हैं। गाँव में कोई भी अच्छा काम हो, तो सबसे पहले इन्हीं लोगों को याद किया जाता है। दुनिया में कई पेशे हैं... जैसे खेती और व्यापार।

पूर्व मुख्यमंत्रियों चेन्ना रेड्डी, विजयभास्कर रेड्डी और वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने 'गल्लापेट्टे' (कोषागार/वित्तीय प्रबंधन) की जिम्मेदारी वैश्य समुदाय को सौंपी थी। 2 जून 2014 को जब तेलंगाना राज्य बना, तो तत्कालीन वित्त मंत्री रोशैया की वजह से 16 हजार करोड़ रुपये का बजट तैयार हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें मौका और सम्मान दिया। अगर मैं विधानसभा में आक्रामक होकर बोलता था, तो वे मुझे टोकते थे और मेरा गुस्सा शांत करते थे। उन्होंने मुझे अनुभव के साथ आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। जिन लोगों ने मुझे सबसे पहले पहचाना... उन्होंने ही मेरी आलोचना भी की... वे ऐसे लोग नहीं थे जो सिर्फ बुराई करते हैं... बल्कि उन्होंने ही मुझे सही राह दिखाई।' सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य के बंटवारे के बाद राज्य का सम्मान बनाए रखने के मकसद से हैदराबाद में रोशैया की मूर्ति लगाई गई है।

वैश्य समुदाय में जन्मे महात्मा गांधी एक विश्व-स्तरीय नेता बने। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि रोशैया की मूर्ति लगाने को लेकर कुछ आलोचनाएं भी हुई हैं। रोशैया ने कहा था, मैं चार दशक पहले हैदराबाद आया था। अच्छा हो या बुरा, उनकी बातों का सम्मान करते हुए हैदराबाद में उनकी मूर्ति लगाई गई।

अलग-अलग इलाकों में आर्य वैश्यों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। महात्मा गांधी एक विश्व-स्तरीय नेता हैं। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश हो जो गांधी की महानता से अनजान हो। महात्मा गांधी, वैश्य समुदाय के एक ऐसे व्यक्ति थे जो भारत से निकलकर विश्व-स्तरीय नेता बने।

गांधी, जिन्हें विश्व-स्तरीय नेता के रूप में पहचान मिली, कांग्रेस पार्टी के नेता होने के नाते हमारे लिए गर्व का विषय हैं। कांग्रेस में कई वैश्य नेताओं ने अहम भूमिका निभाई। पोटी श्रीरामुलु के संघर्ष के कारण आंध्र प्रदेश राज्य का गठन हुआ।

अगर गांधी ने देश की अखंडता के लिए अपनी जान दी, तो पोटी श्रीरामुलु ने आंध्र प्रदेश राज्य के लिए अपनी जान दी।

वैश्यों को वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। हमारी सरकार को आर्य वैश्यों पर पूरा भरोसा है। गरीब आर्य वैश्य बच्चों में आत्म-सम्मान जगाना बहुत फायदेमंद होगा। राज्य सरकार भवन निर्माण के लिए मदद देती है। मैं जो कहता हूं, उसे जरूर पूरा करता हूं। आप तभी मजबूत होते हैं जब आप एकजुट होते हैं... अगर आप एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे तो हर कोई आपका सम्मान करेगा।

पद के लिए अपना आत्मसम्मान छोडना सही नही : कोंडा मुरली

वारंगल, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कैबिनेट से सुरेखा को हटाए जाने के बाद, उनके पति और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कोंडा मुरली पहली बार सामने आए और अपनी बात रखी। वारंगल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हुई एक बैठक में उन्होंने कहा कि पार्टी खुद भविष्य में आने वाली काल्पनिक अटकलों के लिए रास्ते खोल रही है। उन्होंने कहा कि पद के लिए अपना आत्म-सम्मान छोड़ना सही नहीं है और कांग्रेस को ऐसे व्यक्ति में कोई दिलचस्पी नहीं है।नेताओं ने पूरे भरोसे के साथ कहा कि समय के साथ सब कुछ बदल जाता है। मुरली ने उस समय की घटनाओं का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि पद आते-जाते रहते हैं, लेकिन उनके और उनके परिवार के खून में कृतज्ञता है।

उन्होंने साफ़ किया कि वे अपनी बात पर कायम रहेंगे और कांग्रेस पार्टी के प्रति वफ़ादार रहेंगे।राहुल गांधी की वजह से ही सुरेखा को विधायक बनने का मौका मिला। कोंडा मुरली ने अपना लक्ष्य बताते हुए कहा, मैं आने वाले चुनावों में जीतने वाले उम्मीदवारों को ही टिकट दिलाऊंगा। उन्होंने रेवंत रेड्डी और महेश गौड़ जैसे नेताओं का भी ज़िक्र किया जो कई संघर्षों के बाद सफल हुए। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही होने वाले कॉर्पोरेशन चुनावों में हिस्सा लेंगे।

इस मौके पर कोंडा मुरली भावुक हो गए। उन्होंने कहा, मेरे शरीर में चार गोलियां लगी हैं, लेकिन अभी भी मुझमें कुछ करने की हिम्मत बाकी है। उन्होंने बताया कि वे और सुरेखा एक ही राय रखते हैं, लेकिन उनकी बेटी का राजनीतिक भविष्य उनके लिए सबसे अहम है। इन बातों से यह साफ़ हो गया कि कोंडा दंपत्ति कांग्रेस में ही बने रहेंगे।

वाईआरपी फ़ाउंडेशन ने हैदराबाद और नलगोंडा में बीज वाली

पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं वितरित कीं

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईआरपी फ़ाउंडेशन विनायक चतुर्थी के मौके पर हैदराबाद और नलगोंडा में 20,000 इको-फ्रेंडली मिट्टी की गणेश मूर्तियां बांट रहा है। यह फ़ाउंडेशन की इको-फ्रेंडली गणेश मूर्ति बांटने की पहल का लगातार 9वां साल है। इसका मकसद भक्तों को पर्यावरण की सुरक्षा करते हुए त्योहार मनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।इस साल की मूर्तियों की एक खास बात यह है कि इनमें पेड़ के बीज या छोटे पौधे लगे हैं।

त्योहार के बाद, भक्त विसर्जित की गई मिट्टी की मूर्ति को बीज के साथ किसी गमले या सीधे ज़मीन में रखकर पानी डाल सकते हैं। जैसे-जैसे मिट्टी प्राकृतिक रूप से घुलेगी, बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले लेगा। इस तरह, मूर्ति विसर्जन की पारंपरिक प्रथा हरियाली और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का एक मौका बन जाएगी। वैष्णोई ग्रुप के फ़ाउंडर और चेयरमैन और वाईआरपी फ़ाउंडेशन के फ़ाउंडर, येलिशाला रवि प्रसाद ने कहा, इको-फ्रेंडली मिट्टी की मूर्तियों, और खासकर इस साल बीज वाली मूर्तियों के ज़रिए, हम एक सरल लेकिन सार्थक विचार को बढ़ावा देना चाहते हैं कि हमारे त्योहार प्रकृति माँ को कुछ वापस दें।

तेलंगाना में बारिशः केसासमुद्रम में 191.3 मिमी बारिश दर्ज, हैदराबाद में हल्की से मध्यम बारिश

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई ज़िलों में रात भर लगातार बारिश हुई। महबूबाबाद के केसासमुद्रम में सबसे ज़्यादा 191.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि पिछले 24 घंटों में हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मंचेरियल, यदाद्री भुवनगिरी, वारंगल, जनगाँव और नलगोंडा ज़िलों में भी भारी बारिश दर्ज की गई। कुछ मंडलों में 120 मिमी या उससे ज़्यादा बारिश हुई, जिसे 'बहुत भारी बारिश' की श्रेणी में रखा गया है। हैदराबाद और उसके आस-पास के इलाकों में बाचुपल्ली (50.5 मिमी), रामचंद्रपुरम (47.5 मिमी), किस्तारेड्डीपेट (अमीनपुर) (44.4 मिमी) और पटनचेरु तहसील कार्यालय (44 मिमी) में बारिश हुई। रविवार को टीएसडीपीएस के बारिश के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद और मेडचल-मलकजगिरी में बारिश 35 मिमी से 20 मिमी के बीच रही।

टिम्स में राज्य स्तरीय मल्टी-स्पेशियलिटी रोबोटिक सर्जरी वर्कशॉप शुरू

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. मरी चेन्ना रेड्डी तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (टिम्स) में राज्य स्तरीय मल्टी-स्पेशियलिटी रोबोटिक सर्जरी वर्कशॉप शुरू हुई। तेलंगाना के चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री आज अस्पताल पहुंचे और वर्कशॉप की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने अत्याधुनिक तकनीक से बने मेडिकल रोबोटिक उपकरणों और इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण किया और विशेषज्ञों से उनके इस्तेमाल के बारे में जानकारी ली। चिकित्सा क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी सेवाओं का विस्तार करने और लोगों को बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने पर राजनर सिंह ने चर्चा की।

उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य स्तरीय रोबोटिक सर्जरी वर्कशॉप शुरू करने में बहुत खुशी हो रही है। आधुनिक तकनीक से तेलंगाना में चिकित्सा क्षेत्र और मजबूत होगा। इस संबंध में, कांग्रेस सरकार का लक्ष्य सभी को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में डीएमई डॉ. वाणी, टिम्स के निदेशक डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. बिरप्पा, डॉ. विमला थॉमस, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव और अन्य लोग शामिल हुए।

सामाजिक पहल में भी हिस्सा लेता है कांगती का वाईजीए गणेश उत्सव

संगारेड्डी, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से प्रेरित होकर - जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों को एकजुट करने के लिए गणेश उत्सव को एक शक्तिशाली सामाजिक और राष्ट्रीय मंच में बदल दिया था - 1995 में स्थापित कांगती के योगी गणेश एसोसिएशन (वाईजीए) ने हर साल गणेश चतुर्थी के दौरान खेल प्रतियोगिताओं के अलावा कई सामाजिक गतिविधियों में भी हिस्सा लिया है।

उत्सव को केवल पारंपरिक रीति-रिवाजों तक सीमित रखने के बजाय, एसोसिएशन नौ दिनों के त्योहार के दौरान समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले कार्यक्रमों में भी शामिल रहा। वाईजीए ने सुभाष के ज़रूरतमंद परिवार को एक लाख रुपये देकर आर्थिक मदद की; सुभाष एसोसिएशन के एक समर्पित सदस्य थे जिनका 2020 में बीमारी के कारण समय से पहले निधन हो गया था।

उन्होंने नागरिकों से ज़बरदस्ती चंदा इकट्ठा करना बंद कर दिया और इसके बजाय लकी ड्रॉ आयोजित करके सफलतापूर्वक फंड जुटाने का रास्ता चुना। उन्होंने युवाओं में खेल की भावना को बढ़ावा देने और तार्किक सोच को बेहतर बनाने के लिए शतरंज टूर्नामेंट आयोजित करना शुरू किया था।

पूरे ज़िले से बड़ी संख्या में बच्चे शतरंज टूर्नामेंट में भाग ले रहे थे। वाईजीए के अध्यक्ष आर. सतीश ने कहा कि बच्चे मोबाइल फोन की लत के कारण किसी भी तरह का खेल खेलना छोड़ चुके हैं।

शतरंज से शुरुआत करते हुए, उन्होंने कहा कि वे आने वाले दिनों में और भी खेल चैंपियनशिप आयोजित करना चाहते हैं। तिलक के विज़न से प्रेरणा लेते हुए, योगी गणेश एसोसिएशन ने समय-समय पर मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं स्थापित करके पर्यावरण संरक्षण, ज़रूरतमंदों की मदद और युवाओं के विकास को बढ़ावा देना जारी रखा है, जिसके लिए उन्हें ग्रामीणों और आस-पास के इलाकों से काफ़ी तारीफ़ मिल रही है।

'नेथन सेवा' के तहत हर बुनकर को 25 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता : मंत्री जनार्दन रेड्डी

नंद्याल, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)।'नेथन सेवा' के तहत हर बुनकर को 25 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। आंध्र प्रदेश के मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने घोषणा की कि सरकार यह मदद दे रही है। नंद्याल ज़िले के बनगनपल्ले कैंप ऑफिस में मंत्री से बुनकर मिले। आज (रविवार) उन्होंने मंत्री से मुलाक़ात की। गठबंधन सरकार द्वारा लागू किए जा रहे 'नेथन सेवा' कार्यक्रम पर बुनकरों ने खुशी ज़ाहिर की। इस मौके पर मंत्री जनार्दन रेड्डी ने बुनकरों का धन्यवाद किया।मंत्री ने इस अवसर पर बात की। बताया गया कि 'नेथन सेवा' से 51,952 लोगों को फ़ायदा मिल रहा है। 50 साल से ज़्यादा उम्र के बुनकरों को 'एनटीआर भरोसा' योजना के तहत 4 हज़ार रुपये प्रति माह पेंशन देने की घोषणा की गई। साथ ही, 51,952 बुनकरों को मुफ़्त बिजली के तहत 200 यूनिट और हथकरघा (लूम) चलाने वालों को 500 यूनिट बिजली देने की बात कही गई।

आंध्र प्रदेश के पलनाडू में भारी बारिश के बीच दो लोगों की मौत

अमरावती, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों ने बताया कि कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसके चलते आंध्र प्रदेश के पलनाडू जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।पलनाडू जिले के नरसरावपेट में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश हुई। पेटलुरिवरिपालेम और लक्ष्मीपुरम गांवों में एक-एक व्यक्ति की मौत आंधी-तूफान की डरावनी आवाज़ सुनकर हुई।मृतकों की पहचान नागाम्मा (63) और मेकाला वेंकयम्मा (60) के रूप में हुई है। आशंका है कि दोनों की मौत कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से हुई। विशाखापत्तनम और गजुवाका इलाकों में भारी बारिश हो रही थी। पूर्वी गोदावरी जिले के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई।

निदादावोलु में बस स्टैंड पानी में डूब गया, जिससे यात्रियों को परेशानी हुई।आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) के अनुसार, कम दबाव का क्षेत्र विदर्भ और मध्य प्रदेश क्षेत्रों के ऊपर बना हुआ है। एपीएसडीएमए ने रविवार सुबह एक बुलेटिन में कहा कि इसके अगले 24 घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है और इससे राज्य के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश होने की उम्मीद है। उत्तरी आंध्र तट पर 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।एलुरु, एनटीआर, कृष्णा, नंद्याल और कुरनूल जिलों के कुछ इलाकों में बिजली कड़कने के साथ बारिश होने की संभावना है। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने लोगों को सलाह दी है कि वे बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने के दौरान पेड़ों या होर्डिंग्स के नीचे न खड़े हों।

उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि वे उफान पर बह रही नदियों या नहरों को पार करने की कोशिश न करें।राज्य की गृह मंत्री वंगलपुडी अनीता ने बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए लोगों और अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह दी है।उन्होंने कहा कि लोगों को उफान पर बह रही नदियों या नहरों को पार करने से बचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशील इलाकों में वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने को भी कहा।गृह मंत्री ने पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में मौजूद रहने का निर्देश दिया।हालांकि, कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ राहत भी दी।राज्य में इस साल बारिश में लगभग 60 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

राज्य के ज़्यादातर हिस्सों में गर्मी का ज़ोर है और कई जगहों पर दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुँच गया है। आंध्र प्रदेश जल संसाधन सूचना और प्रबंधन प्रणाली (एपीडब्ल्यूआरआईएम) के अनुसार, 1 जनवरी से 9 सितंबर के बीच राज्य में 236.51 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य बारिश 578.58 मिमी होनी चाहिए थी; यानी बारिश में 59.12 प्रतिशत की कमी रही।

छिन्न श्रीनू ने गोवा जाकर गवर्नर गजपति राजू का आशीर्वाद लिया

अमरावती, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में, तेलुगु देशम पार्टी के नेता छिन्न श्रीनु ने गोवा के गवर्नर अशोक गजपति राजू से शिष्टाचार भेंट की। गोवा में हुई इस मुलाकात के दौरान उनकी बेटी सिरी सहस्र भी मौजूद थीं। यह मुलाकात गोवा में गवर्नर के आवास पर हुई। बेटी को विशेष बधाई दी गई। इस मौके पर टीडीपी विधायक अदिति गजपति राजू भी छिन्न श्रीनु के साथ थीं और उन्होंने परिवार का स्वागत-सत्कार किया।

मुलाकात के बाद छिन्न श्रीनु ने कहा कि उन्हें टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नारा लोकेश के आदेशों के साथ-साथ अशोक गजपति राजू जैसे वरिष्ठ नेताओं के निर्देशों का पालन करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे निश्चित रूप से इन निर्देशों का पालन करेंगे।

तेलंगाना में किसान बिजली कटौती

कम वोल्टेज और फसल के नुकसान को लेकर विरोध कर रहे हैं

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का गृह जिला पालमुरु भी शामिल है। वे बिजली आपूर्ति में रुकावट और पानी की कमी के कारण अपनी फसलों पर पड़ रहे असर को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से, कई जिलों के किसान सड़कों पर उतर रहे हैं और बिजली सब-स्टेशनों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ये विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहे हैं जब कांग्रेस सरकार लगातार किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का दावा कर रही है।जोगुलंबा गडवाल जिले में, नंदीने और आसपास के गांवों के किसानों ने गांव के एक सब-स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया।

राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली विभाग के अधिकारी बार-बार अपील करने के बावजूद उनकी शिकायतों का समाधान नहीं कर रहे हैं।किसानों ने बार-बार बिजली कटौती की शिकायत की और कहा कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं है। उन्होंने कहा कि कम बारिश के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे कई किसानों को अपनी फसलों को पानी देने के लिए बोरवेल पर निर्भर रहना पड़ रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि बार-बार बिजली कटौती से कृषि पंप सेट खराब हो रहे हैं और खेतों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो फसलें सूख जाएंगी, जिससे किसानों को भारी नुकसान होगा।

यह समस्या किसी एक क्षेत्र या जिले तक सीमित नहीं थी। संगारेड्डी जिले के निजामपेट के किसानों ने अपर्याप्त बिजली आपूर्ति और कम वोल्टेज के विरोध में सड़क पर धरना दिया। इस विरोध प्रदर्शन से इलाके में यातायात प्रभावित हुआ। इसी तरह, वनपर्थी जिले के नचाहल्ली कृष्णगिरी, पेड्डागुडेम थंडा, सवाईगुडेम और अन्य गांवों के किसान सड़कों पर उतरे। उन्होंने बिजली विभाग के खिलाफ नारे लगाए और जोर देकर कहा कि जब तक अधिकारी निर्बाध और अच्छी गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं करते, तब तक वे अपना विरोध प्रदर्शन वापस नहीं लेंगे।

तेलंगाना में फीस रिइम्बर्समेंट : तीन साल की 72% बकाया राशि का भुगतान अभी बाकी है

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस सरकार द्वारा फीस रिइम्बर्समेंट (फीस वापसी) का बकाया जारी करने में बहुत ज़्यादा देरी के कारण पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और ईबीसी समुदायों के छात्र मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। जब से तेलंगाना कांग्रेस पार्टी 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में सत्ता में आई है, फीस बकाया भुगतान के आंकड़ों में मांग और भुगतान के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों के लिए 7,673.78 करोड़ रुपये जारी किए जाने थे, लेकिन अब तक केवल 28 प्रतिशत (2,160.03 करोड़ रुपये) ही जारी किए गए हैं, जिससे 72 प्रतिशत (5,513.75 करोड़ रुपये) बकाया रह गया है।

आंकड़े बताते हैं कि फीस बकाया भुगतान में गिरावट आई है; यह 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में 40.82 प्रतिशत से गिरकर 2025-26 शैक्षणिक वर्ष में केवल 7.92 प्रतिशत रह गया है। इससे उस योजना के बने रहने पर सवाल उठते हैं जिसने सालों से लाखों छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा पूरी करने में मदद की है। बकाया जारी करने में इस बहुत ज़्यादा देरी का छात्रों पर बुरा असर पड़ रहा है; कई कॉलेज बकाया फीस न मिलने के कारण उनके सर्टिफिकेट रोक रहे हैं।

कोई और विकल्प न होने के कारण, छात्र अपनी जेब से पूरी ट्यूशन फीस भरने और सर्टिफिकेट लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इसके अलावा, प्राइवेट कॉलेज भी सरकार से फीस बकाया जारी करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल, आंशिक शटडाउन और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, बकाया राशि बढ़ती जा रही है।राज्य सरकार द्वारा जारी विभाग-वार आंकड़ों के अनुसार, फीस बकाया का सबसे ज़्यादा बोझ बीसी (पिछड़े वर्गों) पर है। 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के खत्म होने के बावजूद, 3,62,065 बीसी छात्रों के लिए 922.92 करोड़ रुपये की मांग में से 96.63 प्रतिशत फीस बकाया का भुगतान नहीं हुआ है। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए, 4,82,524 बीसी छात्रों के 1176.92 करोड़ रुपये में से 98 प्रतिशत का भुगतान अभी बाकी है। इसी तरह, 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए 1207.19 करोड़ रुपये के फीस बकाया में से 64 प्रतिशत का भुगतान नहीं हुआ है। अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए स्थिति गंभीर है।

तीन साल के आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों के 89,118 वेरिफ़ाइड आवेदनों के लिए 251.86 करोड़ रुपये की बकाया फ़ीस में से एक रुपया भी जारी नहीं किया गया।

भारत में बिजली संकट की आहट!

एक–तिहाई पावर प्लांट्स के पास बचा है बेहद कम कोयला

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के लगभग एक-तिहाई कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों में ईंधन का स्टॉक बहुत कम है। सरकार सप्लाई बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लंबे समय तक गर्मी रहने के कारण बिजली की मांग ज्यादा बनी हुई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि सरकारी आंकड़ों से इसका पता चलता है।भारत में बिजली की पीक डिमांड (सबसे ज्यादा जरूरत) मई में रिकॉर्ड 270.70 गीगावाट तक पहुंच गई थी। अभी भी यह उसी के आसपास बनी हुई है।अल-नीनो मौसम पैटर्न के कारण कूलिंग की जरूरतें बढ़ गई हैं। इससे पिछले कुछ दिनों में बिजली की मांग लगातार लगभग 267 गीगावाट तक पहुंच गई है।

बढ़ रहे हैं कम कोयला स्टॉक वाले प्लांट

सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के आंकड़ों के अनुसार, ऐसे बिजली संयंत्रों की संख्या, जहां कोयले का स्टॉक बहुत कम है (यानी जरूरी इन्वेंट्री का 25% से कम या सिर्फ तीन दिन से कम समय तक बिजली पैदा करने लायक), अगस्त के अंत में 45 थी जो 9 सितंबर तक तेजी से बढ़कर 59 हो गई।सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के एनालिस्ट मनोज कुमार ने कहा, 'कम कोयले वाले बिजली संयंत्रों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है।'एनालिस्ट का कहना है कि वैसे तो साफ ऊर्जा, मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, दिन के समय बिजली की ज्यादातर मांग को पूरा कर रही है। लेकिन, बैटरी स्टोरेज की कमी और जलाशयों में पानी का कम स्तर कोयले से बिजली बनाने पर दबाव डाल रहा है।

तेजी से बढ़ाई जा रही है सप्लाई

कुमार ने कहा कि फिलहाल स्टॉक का सामान्य स्तर बनाए रखने के लिए भारत को रेल नेटवर्क के जरिए बिजली कंपनियों को कोयले की सप्लाई बढ़ानी चाहिए।भारत ने बिजली संयंत्रों को कोयले की सप्लाई बढ़ाने के लिए 6 सितंबर को 444 ट्रेनें या रैक तैनात किए, जबकि 3 सितंबर को यह संख्या 370 थी।कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों ने सड़क मार्ग से भी कोयले की ढुलाई बढ़ाई है।दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया ने कहा कि उसके पिटहेड्स (खदानों के मुहाने) पर अभी भी लगभग 7.6 करोड़ टन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

एसबीआई का दावा- लोन और ईएमआई फिर महंगे होंगे

आरबीआई रेपो रेट 0 .50% तक बढ़ा सकता है, क्रूड ऑयल 100 डॉलर पार होने से महंगाई बढ़ेगी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में होम लोन और कार लोन महंगा हो सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रिसर्च में दावा किया है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई अक्टूबर की क्रेडिट पॉलिसी में रेपो रेट 0.25% बढ़ा सकता है, इसके बाद दिसंबर में भी इतनी ही बढ़ोतरी कर सकता है। यानी 0.50% तक रेपो रेट बढ़ सकते हैं।

आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा?

आरबीआई के रेपो रेट में किसी भी बदलाव का सीधा असर कर्जदारों और बैंक में एफडी कराने वालों पर पड़ता है:फ्लोटिंग रेट पर लोन वालों पर असरः रेपो रेट बढ़ने से कर्ज की किस्त बढ़ जाती है।नया लोन ज्यादा ब्याज पर मिलेगाः नए ग्राहकों के लिए होम लोन, ऑटो लोन या पर्सनल लोन बढ़ी हुई ब्याज दरों पर मिलेगा।फिक्स्ड-रेट लोन लेने वालों पर इसका असर नहीं पड़ेगा।एफडी कराने वालों को फायदाः रेपो रेट बढ़ने का फायदा सेविंग करने वालों को मिलता है। बैंक में एफडी कराने वालों को भी ज्यादा ब्याज मिलता है।कच्चे तेल की कीमतें बढ़ींः मिडिल ईस्ट में चल रही जंग के कारण 15 दिन में इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल पार कर चुका है और इसके $105-$123 तक पहुंचने की आशंका है।

रूस से तेल सिर्फ खरीद ही नहीं रहा भारत

बेचकर कर रहा कमाई भी; पेट्रोल तक हमसे खरीद रहा मॉस्को

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने अगस्त में रिकॉर्ड 1.72 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया। इसमें भारत की उस रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल से तैयार किया गया पेट्रोल भी शामिल है, जिसमें रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट की थोड़ी हिस्सेदारी है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूस की घरेलू रिफाइनिंग क्षमता प्रभावित होने के बीच यह आयात बढ़ा है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की मासिक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रूस के तेल उत्पादों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत रही।

1.20 लाख टन पेट्रोल की आपूर्ति

भारत ने अगस्त में रूस को 1.20 लाख टन पेट्रोल की आपूर्ति की, जिसकी कीमत करीब 7.8 करोड़ यूरो थी। सीआरईए के अनुसार, रूस में आयात किए गए तेल उत्पादों की मात्रा पिछले मासिक रिकॉर्ड से सात गुना से अधिक और पूरे 2025 में आयात की गई मात्रा की तुलना में करीब तीन गुना रही। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत से रूस भेजा गया पूरा पेट्रोल गुजरात स्थित वाडिनार रिफाइनरी में तैयार किया गया था और इसे यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में आने वाली नायरा एनर्जी ने रोसनेफ्ट को बेचा। रोसनेफ्ट के पास नायरा एनर्जी की 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है।'सीआरईए के मुताबिक, 2026 के पहले आठ महीनों में वाडिनार रिफाइनरी के लिए इस्तेमाल किया गया पूरा कच्चा तेल रूस से आया, जबकि 2025 में यह हिस्सेदारी 81 प्रतिशत थी।

दूसरे हिस्से से वापस मंगा रहा रूस

सीआरईए ने कहा कि इसका मतलब यह है कि रूस अपनी ही आंशिक स्वामित्व वाली रिफाइनरी को कच्चा तेल भेजकर उसे ऐसे ईंधन में बदलवा रहा है, जिसका उत्पादन वह घरेलू स्तर पर पर्याप्त मात्रा में नहीं कर पा रहा है और फिर उस ईंधन को दुनिया के दूसरे हिस्से से वापस रूस मंगा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वाडिनार से रूस भेजे गए पेट्रोल की प्रत्येक खेप को मिस्र के तट के पास एक जहाज से दूसरे जहाज में स्थानांतरित किया गया और इसके बाद रूस के बंदरगाह बेलोये मोरे पर उतारा गया। सीआरईए ने कहा कि इन गतिविधियों में शामिल सभी जहाज प्रतिबंधित टैंकर थे। सीआरईए के अनुसार, यूक्रेन की ओर से रूस की तेल रिफाइनरी और ऊर्जा ढांचे पर लगातार किए जा रहे ड्रोन हमलों ने घरेलू ईंधन उत्पादन को प्रभावित किया है और देश में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा की है।रूस ऐतिहासिक रूप से दुनिया के सबसे बड़े परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातकों में रहा है। हालांकि, अगस्त में उसके कुल तेल उत्पाद आयात में पेट्रोल की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही, जबकि 2023 से 2025 के बीच इसका औसत केवल छह प्रतिशत था।

18,000 टन तेल उत्पादों की आपूर्ति

अगस्त में दक्षिण कोरिया ने रूस को 18,000 टन तेल उत्पादों की आपूर्ति की, जिनमें अधिकांश गैसऑयल था। वहीं, मिस्र ने करीब 25,000 टन डीजल रूस को निर्यात किया, जिसकी कीमत 1.6 करोड़ यूरो थी।

अंबानी की कंपनी ले रही अमेरिकी बैंक से 18268 करोड़

क्यों आई ये नौबत? इसलिए होगा फंड का इस्तेमाल

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)। गैर-बैंकिंग ऋणदाता जियो क्रेडिट को बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) से 18,268 करोड़ रुपये की पूंजी दिसंबर तक मिलने की उम्मीद है। मूल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पूंजी मिलने के बाद जियो क्रेडिट अपनी कारोबारी रणनीति और उत्पाद योजनाओं की फिर से समीक्षा करेगी, ताकि प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) में वृद्धि तेज की जा सके।

कारोबार को तेजी से बढ़ाने की जरूरत

बोफा भी कंपनी के कारोबार को तेजी से बढ़ाने की जरूरत से सहमत है। जेएफएस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हितेश सेठिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि पूंजी निवेश से जियो क्रेडिट का एयूएम मौजूदा करीब 30,000 करोड़ रुपये से लगभग पांच गुना बढ़ सकता है।

1.5 लाख करोड़ रुपये पहुंचेगी एयूएम

सेठिया ने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि की संभावित गुंजाइश है, कोई समयबद्ध लक्ष्य नहीं। सेठिया ने कहा कि जियो क्रेडिट को एयूएम के 1.5 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचने तक नई पूंजी की जरूरत नहीं होगी। सेठिया ने कहा कि करीब 50 प्रतिशत से कुछ कम हिस्सेदारी के लिए किया जाने वाला 18,268 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से सभी नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद दिसंबर तक आ जाएगा।सेठिया ने बताया कि कि इसके बाद जियो क्रेडिट के निदेशक मंडल में बदलाव होगा। बोफा को दो निदेशक पद, जबकि जेएफएस को भी दो पद मिलेंगे, जिनमें प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का पद शामिल होगा।

ब्रिक्स देशों के 'अंबानी-अदाणी' कौन हैं?

किन बड़ी कंपनियों से करते हैं अरबों की कमाई?

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की राजधानी दिल्ली में 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन हो रहा है और इसमें बड़े-बड़े बिजनेस लीडर्स अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारत और एशिया के सबसे अमीर अरबपति गौतम अदाणी ने व्यापार और निवेश के रिश्तों को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की। जहां अदाणी का कारोबार भारत की आर्थिक ताकत को दिखाता है, वहीं ब्रिक्स के हर सहयोगी देश में भी बड़े-बड़े अमीर उद्योगपति हैं जो टेक्नोलॉजी, स्टील, वेंचर कैपिटल और लग्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में ग्लोबल इंडस्ट्री को आगे बढ़ा रहे हैं।तो चलिए बीआरआईसी देश में बी-ब्रजील, आर-रूस, I-इंडिया,आर-चीन, एस-साउथ अफ्रीका जैसे शामिल देशों के सबसे अमीर शख्स के बारे में जानते हैं।

चीनः झांग यिमिंग

चीन के सबसे अमीर व्यक्ति झांग यिमिंग की नेटवर्थ $85 बिलियन (8.13 लाख करोड़ रुपये) है। उन्होंने अपनी दौलत चीनी टेक कंपनी बाइटडांस के मुख्य को-फाउंडर के तौर पर बनाई।

बाइटडांस, टिकटॉक की पैरेंट कंपनी है, जिसके दुनिया भर में 1 बिलियन से ज्यादा यूजर्स हैं। शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के अलावा, बाइटडांस ई-कॉमर्स, एजुकेशन, गेमिंग क्षेत्र में भी काम करती है। 2021 में सीईओ और चेयरमैन का पद छोड़ने और 2026 में टिकटॉक के अमेरिकी बिज़नेस का कंट्रोल एक अमेरिकी ग्रुप को सौंपने के बावजूद, झांग की कंपनी लगातार नए इनोवेशन कर रही है। यह अपने 'डौबाओ' असिस्टेंट के साथ चीन के एआई सेक्टर में आगे है, जिसके 2026 की शुरुआत में 345 मिलियन मंथली एक्टिव यूजर्स थे। रूस के सबसे अमीर टाइकून, एलेक्सी मोर्दाशोव की नेट वर्थ $36.9 बिलियन (35 लाख करोड़ रुपये) है। मिल में काम करने वाले मज़दूरों के बेटे मोर्दाशोव ने तरक्की करते हुए फाइनेंस डायरेक्टर का पद हासिल किया और फिर स्टील की बड़ी कंपनी सेवरस्टाल का ज़्यादातर कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया। सेवरस्टाल में उनकी 77% हिस्सेदारी है, जहां उन्होंने 19 साल तक सीईओ के तौर पर काम किया।

उनकी मुख्य संपत्ति घरेलू स्टील ऑपरेशन्स और माइनिंग कंपनी नॉर्डगोल्ड से आती है, साथ ही लीजर कंपनी टीयूआई में भी उनकी हिस्सेदारी है। ब्राजील के एडुआर्डो सेवरिन की कुल संपत्ति $36 बिलियन (3.44 लाख करोड़ रुपये) है। सेवरिन ने अपनी संपत्ति की नींव 2004 में हार्वर्ड के अपने क्लासमेट मार्क ज़करबर्ग के साथ मिलकर मेटा प्लेटफ़ॉर्म्स (पहले फ़ेसबुक) की सह-स्थापना करके रखी थी। अब सिंगापुर में रहने वाले वेंचर कैपिटलिस्ट, सेवरिन अपनी ज़्यादातर दौलत मेटा में अपनी हिस्सेदारी से कमाते हैं, साथ ही वे अपने वेंचर फ़ंड, 'बी कैपिटल' को भी तेज़ी से बढ़ा रहे हैं। $12 बिलियन से ज़्यादा की संपत्ति का प्रबंधन करने वाले 'बी कैपिटल' ने शुरुआती दौर के स्टार्टअप्स को मदद देने के लिए जुलाई 2026 में अतिरिक्त $500 मिलियन जुटाए।

टाटा ग्रुप में बड़ा मोड़! एन. चंद्रशेखरन ने दिया पद छोड़ने का संकेत

एनआरसी करेगी फैसला बदलने की गुजारिश

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय कॉर्पोरेट जगत के सबसे शक्तिशाली और 300 अरब डॉलर से अधिक के साम्राज्य 'टाटा ग्रुप' की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के शीर्ष नेतृत्व में बड़े फेरबदल की आहट ने दलाल स्ट्रीट और वैश्विक निवेशकों को चौंका दिया है. ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा संस की शक्तिशाली नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी अपने चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से पद छोड़ने के उनके संभावित विचार पर पुनर्विचार करने का औपचारिक अनुरोध करने जा रही है.साल 2017 में साइरस मिस्त्री के विवादित निकास के बाद टाटा समूह की कमान संभालने वाले एन. चंद्रशेखरन (उर्फ 'चंद्रा') का दूसरा कार्यकाल साल 2027 की शुरुआत में समाप्त हो रहा है. हालांकि, चंद्रशेखरन द्वारा एक और कार्यकाल न लेने और नए नेतृत्व को जिम्मेदारी सौंपने के संकेतों ने टाटा बोर्ड को हरकत में ला दिया है. यह घटनाक्रम ऐसे संवेदनशील मोड़ पर आया है जब टाटा ग्रुप ऐतिहासिक रणनीतिक बदलावों के दौर से गुजर रहा है. एन. चंद्रशेखरन के नेतृत्व में समूह ने न केवल एयर इंडिया की ऐतिहासिक घर वापसी कराई, बल्कि भारत का पहला घरेलू सेमीकंडक्टर प्लांट, गुजरात में बैटरी गीगाफैक्ट्री, और टाटा डिजिटल जैसे भविष्य के मेगा-प्रोजेक्ट्स की नींव रखी. इसके अलावा, हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा टाटा संस की सीआईसी (कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी) स्टेटस को सरेंडर करने की अर्जी खारिज करने के बाद होल्डिंग कंपनी के शेयर बाजार में अनिवार्य लिस्टिंग का कानूनी काउंटडाउन भी शुरू हो चुका है. ऐसे में शपूरजी पालोनजी की 18.37% हिस्सेदारी और शेयरधारकों के हितों को साधने के लिए बोर्ड चंद्रशेखरन को पद पर बनाए रखना सबसे सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प मान रहा है.

कमेटी एन. चंद्रशेखरन करेगी अनुरोध

टाटा संस के बोर्ड की नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमिटी चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के उस फैसले का विरोध करेगी जिसमें उन्होंने फरवरी 2027 में अपना मौजूदा कार्यकाल खत्म होने पर दोबारा नियुक्ति न लेने की बात कही है. कमिटी उनसे इस फैसले पर दोबारा सोचने के लिए कहेगी. इससे इस अहम कमिटी और टाटा संस के सबसे बड़े शेयरहोल्डर 'टाटा ट्रस्ट्स' के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है. टाटा ट्रस्ट्स ने पहले ही चंद्रा के फैसले को स्वीकार करते हुए एक बयान जारी किया था. यह मामला 17 सितंबर को होने वाली बोर्ड मीटिंग में उठेगा.

दवा पेटेंट पर कसेगी लगाम? अदालतों के फैसलों को नई गाइडलाइन में शामिल करेगा आईपीओ

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पेटेंट कार्यालय ने फार्मास्यूटिकल पेटेंट आवेदनों की जांच से जुड़ी मौजूदा गाइडलाइन को अपडेट करने का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य पेटेंट आवेदनों की जांच में गुणवत्ता, एकरूपता और निरंतरता बढ़ाना है। इसके लिए कार्यालय ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच से संबंधित मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं। आईपीओ ने कहा है कि अदालतों के फैसलों के जरिए पेटेंट कानूनों की व्याख्या लगातार विकसित हो रही है और इन्हें भी नई गाइडलाइन में शामिल किया जाएगा।

पेटेंट व्यवस्था में गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

भारतीय पेटेंट कार्यालय के मुताबिक, देश में फार्मास्यूटिकल पेटेंटिंग बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है। किसी गलत या अनुचित पेटेंट का बोझ अंततः समाज पर पड़ सकता है, जबकि बेहतर पेटेंट नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के लिए जरूरी हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आईपीओ लगातार अपने आंतरिक संसाधनों को मजबूत कर रहा है, कामकाज के मॉड्यूल में बदलाव कर रहा है और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े इंटरफेस को भी बेहतर बना रहा है। कार्यालय का कहना है कि फार्मा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जांच के मानकों में गुणवत्ता, स्थिरता और एकरूपता लाना इस पहल का प्रमुख लक्ष्य है। आईपीओ ने मसौदे में कहा है कि फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अब अदालतों के फैसलों के माध्यम से स्थिति अधिक स्पष्ट हो रही है। ऐसे में पेटेंट आवेदनों की जांच के लिए जारी दिशानिर्देशों को अपडेट करना जरूरी हो गया है, ताकि न्यायिक फैसलों में सामने आए विश्लेषण और कानूनी व्याख्याओं को जांच प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा सके। 4 सितंबर की तारीख वाले मसौदे के अनुसार, नई गाइडलाइन का मकसद पेटेंट जांच के मानकों को बेहतर करना और तकनीकी अधिकारियों के बीच सामंजस्यपूर्ण एवं समान प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।

भारत की 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' भूमिका का भी जिक्र

पेटेंट कार्यालय ने इस बदलाव के महत्व को भारत की वैश्विक फार्मास्यूटिकल भूमिका से भी जोड़ा है। मसौदे में कहा गया है कि भारत दुनिया की 'फार्मेसी' के रूप में अपनी पहचान बना चुका है, इसलिए यहां दवाओं से जुड़े पेटेंट का असर केवल देश की जनता तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर भी पड़ता है। मौजूदा दिशा-निर्देशों को इस उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है कि पेटेंट परीक्षक और नियंत्रक आवेदनों की जांच करते समय लगातार एक जैसे और स्पष्ट मानकों का पालन कर सकें।

28438 करोड़ मार्केट कैप वाली कंपनी को मिला रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर का बड़ा प्रोजेक्ट! अदाणी और एनटीपीसी से होगी टक्कर?

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ा बढ़ावा देते हुए, एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड (एएसएचएल) ने राजस्थान में अपने 300 एमडब्ल्यू सोलर पावर प्रोजेक्ट का पहला चरण सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है। 66.68 एमडब्ल्यू का यह चरण आधिकारिक तौर पर 12 सितंबर, 2026 को शुरू किया गया, जो इस क्लीन एनर्जी कंपनी के लिए एक अहम उपलब्धि है।

बीकानेर में सोलर क्षमता को बढ़ाना

अपनी सब्सिडियरी कंपनी, एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड के ज़रिए पूरा किया गया यह नया सोलर प्लांट राजस्थान के बीकानेर ज़िले की छत्तरगढ़ तहसील के केलन गाँव में स्थित है। इस 66.68 एमडब्ल्यू वाले पहले चरण के लिए कमर्शियल ऑपरेशन की तारीख आधिकारिक तौर पर 14 सितंबर, 2026 तय की गई है। जब कुल 300 एमडब्ल्यू क्षमता पूरी तरह से चालू हो जाएगी, तो बीकानेर प्लांट भारत के सबसे ज़्यादा सोलर एनर्जी देने वाले इलाकों में से एक में कंपनी की मौजूदगी को और मज़बूत करेगा।

रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में एक बड़ी कंपनी

2015 में बनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स तेज़ी से आगे बढ़कर भारत की सबसे बड़ी इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स में से एक बन गई है और ऑपरेशनल क्षमता के हिसाब से टॉप 10 रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियों में शामिल है। कंपनी के पास सोलर, विंड, हाइब्रिड और फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स का एक विविध पोर्टफोलियो है, जो भारत के 10 राज्यों में फैला हुआ है।

यह स्थिरता सरकारी और प्राइवेट संस्थाओं के साथ मज़बूत पावर परचेज एग्रीमेंट्स पर टिकी है। आमतौर पर 25 साल तक चलने वाले और फिक्स्ड टैरिफ रेट वाले ये लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट्स डिमांड से जुड़े रिस्क को काफी कम करते हैं और निश्चित रेवेन्यू सुनिश्चित करते हैं। फाइनेंशियल मार्केट में एक्मे सोलर होल्डिंग्स लगातार मजबूत रफ़्तार दिखा रही है। 402.30 की मौजूदा शेयर प्राइस पर ट्रेड करते हुए, कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 28,437.55 करोड़ है। इसने पिछले साल में 26.19% का शानदार रिटर्न दिया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	04-18 बजे
चंद्र	तुला	मे	कन्या	06-24 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	07-28 बजे
बुध	कन्या	मे	वृश्चिक	10-38 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	12-54 बजे
शुक्र	तुला	मे	मकर	15-06 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	16-48 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	18-25 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	20-01 बजे
			वृष	21-44 बजे
			मिथुन	23-49 बजे
			कर्क	02-08 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **06-01**
सूर्यास्त. **18-38**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष सोमवार **14 Sep 2026**
तिथि - तृतीया **07-07** तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - चित्रा **13-55** तक उपरान्त स्वाति
योग - ब्रह्म **12-46** तक उप ऐन्द्र
करण - गर **07-07** तक उप वणिज

विशेष:श्री गणेश चतुर्थी
हरितालिका तीज व्रत भद्रा 19-21 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
07-37 से
09-08 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-01 - 07-37	शुभ	चंचल	18-38 - 19-47	शुभ
काल	07-37 - 09-08	अशुभ	रोग	19-47 - 21-15	अशुभ
शुभ	09-08 - 10-40	शुभ	काल	21-15 - 22-43	अशुभ
रोग	10-40 - 12-12	अशुभ	लाभ	22-43 - 00-12	शुभ
उत्पात	12-12 - 13-43	अशुभ	उत्पात	00-12 - 01-40	अशुभ
चंचल	13-43 - 15-15	शुभ	शुभ	01-40 - 03-08	शुभ
लाभ	15-15 - 16-47	शुभ	अमृत	03-08 - 04-37	शुभ
अमृत	16-47 - 18-38	शुभ	चंचल	04-37 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोज़न कर सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको अपने पार्टनर के ही भले के लिए उनसे किसी बात पर कहासुनी करनी पड़ सकती है । हो सकता है कि उन्हें आपकी बात अच्छी न लगे लेकिन आपको उन्हें अपनी बात समझानी होगी । इस बात को बहुत अधिक लम्बा न खीचें नही तो बात बिगड़ भी सकती है । शांति से पेश आयें ,शाम को आपके सुलझे हुए व्यवहार के कारण आपको अपने पार्टनर से और भी अधिक सम्मान मिलेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है । आज आप अपने करियर के बारे में एक दिशा में सोच सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है । आपको अपने निवेश के निर्णय चरणबध्द तरीके से लेने है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सफलता से ज्यादा जरूरी जीवन को सार्थक बनाना : मोहन भागवत

नागौर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत नागौर जिले के गोटन पहुंचे। यहां लाला कमलापत सिंघानिया शिक्षण संस्थान में आयोजित कमलापत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के 37वें वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ डॉ. भागवत ने उन्हें जीवन, शिक्षा और सफलता के मायने समझाए। करीब 29 मिनट के संबोधन में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाए। आज दुनिया को केवल अपने लिए आगे बढ़ने वाले लोगों की नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्वों की आवश्यकता है, जो समाज और देश के हित में अपना योगदान दे सकें।

डॉ. भागवत ने शिक्षा के उद्देश्य को केवल व्यक्तिगत विकास और परिवार की जरूरतों तक सीमित नहीं माना। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि शिक्षा का वास्तविक मूल्य तब सामने आता है, जब उससे व्यक्ति के साथ-साथ दूसरे लोगों का जीवन भी बेहतर हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा हासिल करके केवल अपना भविष्य सुरक्षित करने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी योग्यता और ज्ञान का इस्तेमाल समाज के लिए भी करें। यदि किसी व्यक्ति की शिक्षा से दूसरे लोग आगे बढ़ते हैं और समाज को उसका लाभ मिलता है, तभी उस शिक्षा को वास्तविक अर्थों में सार्थक शिक्षा कहा जा सकता है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने सफलता और सार्थकता के बीच अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऊंचा पद, अच्छी नौकरी, पैसा या व्यक्तिगत उपलब्धियां जीवन की सफलता का हिस्सा हो सकती हैं, लेकिन जीवन की सार्थकता इससे कहीं व्यापक है। एक व्यक्ति अपने ज्ञान, प्रतिभा और सामर्थ्य का उपयोग किस तरह समाज के लिए करता है, यही उसके व्यक्तित्व को अलग पहचान देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने के साथ यह भी सोचने का संदेश दिया कि उनकी उपलब्धियों से समाज और देश को क्या लाभ मिलेगा।

अपने संबोधन में डॉ. मोहन भागवत ने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए इतिहास और भारतीय परंपरा से जुड़े कई उदाहरण सामने रखे। उन्होंने अर्जुन, महाराणा प्रताप, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और स्वामी विवेकानंद जैसे महान व्यक्तित्वों का उल्लेख किया। उन्होंने भगवान श्रीराम और विभीषण से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से भी विद्यार्थियों के सामने आदर्श और जीवन मूल्यों की बात रखी। इन उदाहरणों के जरिए उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि ज्ञान और शिक्षा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसका इस्तेमाल कर्तव्य, समाजहित और उच्च आदर्शों के लिए किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मोहन भागवत ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह अवसर विशेष रहा। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए आगे भी निरंतर सीखने और अपने व्यक्तित्व के विकास पर ध्यान देने का संदेश दिया।

गोटन में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा के साथ संस्कार, जिम्मेदारी और समाज के प्रति योगदान का संदेश प्रमुख रूप से सामने आया। डॉ. भागवत के संबोधन का केंद्रीय भाव यही रहा कि विद्यार्थी केवल डिग्री और करियर तक सीमित लक्ष्य न रखें, बल्कि अपने जीवन के उद्देश्य को व्यापक बनाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि "सफलता हासिल करना जरूरी है, लेकिन जीवन को सार्थक बनाना उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है।"

'चुनाव हारने पर सरकारी कर्मचारी वापस नहीं ले सकते इस्तीफा'

हाई कोर्ट का फैसला

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि कोई सरकारी कर्मचारी जो चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा देता है, वह केवल इसलिए नौकरी पर वापस नहीं आ सकता क्योंकि वह चुनाव हार गया है।

जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने नार्थ वेस्टर्न रेलवे के पूर्व वरिष्ठ आडिटर नीरज बिश्नोई की याचिका को खारिज करते हुए यह निर्णय सुनाया।

कोर्ट ने कहा कि चुनाव में हार अपने आप में कोई मजबूर करने वाली वजह या हालात में बड़ा बदलाव नहीं है, जिसके आधार पर लागू सर्विस नियमों के तहत इस्तीफा वापस लिया जा सके।

बिश्नोई ने राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 10 अक्टूबर, 2023 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रेलवे ने एक नवंबर, 2023 को इसे स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्होंने चूरू की रतनगढ़ विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

एक जनवरी, 2024 को बिश्नोई ने इस्तीफा वापस लेने और सरकारी नौकरी में बहाली के लिए आवेदन किया। विभाग ने 29 जनवरी, 2024 को उनका अनुरोध खारिज कर दिया।

इसके बाद उन्होंने जयपुर में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) और बाद में हाई कोर्ट में इस निर्णय को चुनौती दी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, हाई कोर्ट ने कैट के निर्णय को बरकरार रखा और याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने कहा कि बाद में यह अहसास होना कि इस्तीफे से पेंशन और रिटायरमेंट के लाभों पर असर पड़ेगा, इस्तीफा वापस लेने के नियमों के तहत कोई मजबूत वजह नहीं माना जा सकता।

पूर्व एसएचओ महेन्द्र शर्मा पर केस

1 लाख रुपए की घूस डिमांड का है आरोप

सवाई माधोपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय ने सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा थाने के पूर्व एसएचओ महेन्द्र शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत औपचारिक केस दर्ज कर ली गई है। यह कार्रवाई स्थानीय निवासी और परिवादी सरदार गुर्जर की शिकायत पर शुरू हुई थी, जिसमें बजरी से भरे 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली को बिना किसी कानूनी कार्रवाई के छोड़ने के बदले 1 लाख रुपए की घूस मांगने का गंभीर आरोप लगाया गया था। सत्यापन के दौरान सौदा 50 हजार रुपए में तय हुआ था और दोनों के बीच हुई कॉल रिकॉर्डिंग इस मामले में सबसे अहम सबूत बनी है। राजस्थान में अवैध बजरी खनन और पुलिस प्रशासन के बीच के इस गठजोड़ का पर्दाफाश होने से महकमे में हड़कंप मच गया है।

गौरतलब है कि महेंद्र शर्मा सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा पुलिस थाने के पूर्व थानाधिकारी हैं। उन्होंने नवंबर 2025 में इस थाने का कार्यभार संभाला था और जुलाई 2026 में उनका ट्रांसफर धौलपुर जिले के बाड़ी में हो गया। फिलहाल वे बाड़ी में ही बतौर एसएचओ सेवाएं दे रहे हैं।

सवाई माधोपुर जिले का चौथ का बरवाड़ा इलाका बजरी परिवहन को लेकर अक्सर चर्चा में रहता है। परिवादी सरदार गुर्जर ने एसीबी की टीम से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई थी कि थानाधिकारी महेन्द्र शर्मा ने उनके 4 बजरी भरे ट्रैक्टरों को जब्त किया था। इन वाहनों को छोड़ने और आगे बिना किसी रुकावट के परिवहन की छूट देने के एवज में 1 लाख रुपए की मांग की जा रही थी।

एसीबी द्वारा गोपनीय तरीके से करवाए गए शिकायत सत्यापन के दौरान एसएचओ महेन्द्र शर्मा 50 हजार रुपए की घूस लेने पर सहमत हुए। एसीबी की टीम ने सत्यापन प्रक्रिया के दौरान डिजिटल साक्ष्य और कॉल रिकॉर्डिंग्स जुटाए, जिससे रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई।

इस पूरे मामले में परिवादी और एसएचओ के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग जांच का सबसे मजबूत आधार बनी है। रिकॉर्डिंग में रिश्वत की रकम, लेन-देन का समय और बजरी के ट्रैक्टरों को बिना चालान छोड़ने से जुड़ी बातचीत स्पष्ट रूप से दर्ज हुई है। इसी रिकॉर्डिंग के आधार पर एसीबी मुख्यालय ने मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए।

जयपुर एसीबी मुख्यालय के आदेश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए स्पेशल टीम का गठन किया गया है। एसीबी ने इस हाई-प्रोफाइल मुकदमे की जांच का जिम्मा सीआई सुभाष मील को सौंपा है।

एक थाने के प्रभारी अधिकारी पर एसीबी की केस दर्ज होने से सवाई माधोपुर पुलिस महकमे और स्थानीय बजरी कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। एसीबी अब इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि क्या इस थाने से पहले भी इस तरह की अवैध वसूली की जाती रही है और क्या इसमें अन्य स्थानीय अधिकारी या दलाल भी शामिल हैं।

एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

तकनीकी खराबी से मचा हड़कंप

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर रविवार सुबह एअर इंडिया की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जानकारी के अनुसार विमान भोपाल से दिल्ली के लिए उड़ान भर रहा था। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद पायलट ने एहतियातन विमान को जयपुर एयरपोर्ट पर उतारने का फैसला किया। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने राहत की सांस ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी सामने आई। इसके बाद पायलट ने किसी तरह का जोखिम न लेते हुए विमान को जयपुर एयरपोर्ट पर उतारने का निर्णय लिया। प्रारंभिक तौर पर विमान के इंजन में खराबी आने की बात सामने आ रही है। विमान के जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने राहत की सांस ली।

राजस्थान सेट 2026: पेपर देरी से पहुंचने पर हंगामा, 1.77 लाख अभ्यर्थी दे रहे परीक्षा

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा रविवार को प्रदेश के सात संभाग मुख्यालयों पर बनाए गए 429 परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुई। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जा रही है। अभ्यर्थियों को सुबह 10 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया, इसके बाद सभी केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। इसी बीच जयपुर के बनाड़ रोड स्थित पिंकसिटी एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र देर से पहुंचने को लेकर अभ्यर्थियों ने हंगामा कर दिया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय के करीब सवा 11 बजे प्रश्नपत्र का सेट केंद्र पर पहुंचा। इसके बाद कुछ अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से बाहर निकल आए और विरोध जताने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और अभ्यर्थियों से बातचीत की। अभ्यर्थियों के अनुसार परीक्षा सुबह 11 बजे शुरू होनी थी, लेकिन पिंकसिटी एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल केंद्र पर प्रश्नपत्र का सेट करीब सवा 11 बजे पहुंचा। इससे नाराज कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र से बाहर आकर विरोध जताया। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभ्यर्थियों से बातचीत की और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। वहीं, सेंटर संचालकों का कहना है कि परीक्षा चल रही है और अभ्यर्थियों को समझाया जा रहा है। केंद्र पर स्थिति को सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राजस्थान में करीब तीन साल बाद राज्य पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। ऐसे में प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को इस परीक्षा से काफी उम्मीदें हैं। इस बार परीक्षा के लिए आवेदनों की संख्या में भी करीब 31 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023 में आयोजित एसईटी परीक्षा के लिए 1 लाख 35 हजार 323 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इस बार यह संख्या बढ़कर 1 लाख 77 हजार 901 हो गई है। परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से कराई जा रही है। अकेले जयपुर में 171 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 78 हजार 617 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी के विशेष इंतजाम किए गए हैं। अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग के साथ मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। इसके बाद बायोमेट्रिक अटेंडेंस कराई गई और पहचान पत्र की जांच के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया। अभ्यर्थियों के लिए कलर्ड प्रिंट एडमिट कार्ड, मूल फोटो पहचान पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य किया गया था। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर समेत किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने पर रोक रही। इसके अलावा ड्रेस कोड को लेकर भी परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी गई।

रुपयों के लालच में बर्बाद न करें अपना भविष्य

पुलिस ने पकड़े 650 से ज्यादा म्यूल अकाउंट होल्डर्स

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर सहित राजस्थान में भी साइबर अपराध लगातार बढ़ रहा है। अपराधी रोज नए तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गंभीर चेतावनी हाल ही जारी की है। कुछ हजार रुपए के लालच में बैंक खाता साइबर अपराधियों को सौंपने वाले युवा अब खुद पुलिस के निशाने पर हैं। राजस्थान पुलिस के आधिकारिक हैंडल से जारी पोस्ट में साफ कहा गया है कि अब हर साइबर ठगी की एफआईआर अनिवार्य रूप से दर्ज हो रही है और मुख्य अपराधी तक पहुंचने से पहले ही खाताधारक को गिरफ्तार किया जा रहा है।

वर्ष 2026 में राजस्थान पुलिस की साइबर सेल ने राज्य भर में 82,400 से अधिक ऐसे 'मुल बैंक खातों' की पहचान की है, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम घुमाने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 723 से अधिक एफआईआर दर्ज कीं और 650 से ज्यादा खाताधारकों व एजेंटों को गिरफ्तार किया। पहले जहां साइबर ठगी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं होती थी, अब हर मामले में एफआईआर दर्ज हो रही है। जांच में जिस खाते में पैसे ट्रांसफर होते हैं, सबसे पहले उसी खाताधारक को गिरफ्तार किया जाता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति का नाम पुलिस रिकॉर्ड और कोर्ट के मामलों में दर्ज हो जाता है, जिससे सरकारी नौकरी, पासपोर्ट और करियर हमेशा के लिए प्रभावित हो सकता है। राजस्थान पुलिस ने युवाओं को चेतावनी दी है कि कुछ हजार रुपए के लालच में बैंक खाता, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड या यूपीआई क्रेडेंशियल किसी अनजान व्यक्ति को कभी न दें। अगर किसी ने अनजाने में अपना खाता इस्तेमाल करने दिया है, तो तुरंत बैंक जाकर उसे ब्लॉक या बंद करवाएं और पुलिस को सूचित करें। पकड़े जाने के बाद कोर्ट-कचहरी में लाखों रुपए खर्च हो सकते हैं और जिंदगी बर्बाद हो सकती है। पुलिस का साफ संदेश है अपराधियों से पहले खाताधारकों को पकड़ा जा रहा है और पकड़े जाना तय है।

मुल अकाउंट के जरिए ठगी की रकम घुमाने वाले युवा अब समझ लें कि थोड़े से पैसे के लालच में पूरा भविष्य दांव पर लग सकता है। पुलिस की सलाह है-अपना खाता सुरक्षित रखें, वरना कानूनी पचड़े में फंसना तय है।

ताइक्वांडो खिलाड़ी और कथावाचक समेत 3 दोस्तों की मौत, आपसी रंजिश का आरोप

अलवर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर के मोतीनगर कॉलोनी में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार तीनों युवक उछलकर दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बाइक को टक्कर मारने के बाद कार नाले की दीवार से जा टकराई। हादसे के बाद चालक कार को कुछ दूर तक भगाकर ले गया और फिर उसे छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान जितेन्द्र राजपूत उर्फ छोटू (21) पुत्र बजरंग सिंह निवासी चोर डूंगरी, युवराज सैनी (22) पुत्र नेमीचंद सैनी निवासी तहसीलदार कॉलोनी, चोर डूंगरी और हिमांशु शर्मा (21) पुत्र धर्मेंद्र शर्मा निवासी अयप्पा मंदिर के सामने, काला-कुआं के रूप में हुई है। तीनों बाइक पर सवार होकर मोतीनगर से काली मोरी की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। तीनों युवक बचपन के दोस्त थे और किसी रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे। जितेन्द्र तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह और युवराज होटल में काम करते थे। युवराज ताइक्वांडो खिलाड़ी था और उसकी एक बहन है। वहीं हिमांशु शर्मा कथावाचक था। हादसे के पीछे आपसी रंजिश की बातें भी सामने आ रही हैं। मृतक युवराज के परिजनों का आरोप है कि उनके मोहल्ले में कुछ युवकों से रंजिश चल रही थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि इस घटना के पीछे कहीं न कहीं उनका हाथ हो सकता है।

50 हजार रुपये की रिश्वत लेते सांभर एसएचओ राममिलन मीणा अरेस्ट, एसीबी की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर ग्रामीण के सांभर क्षेत्र में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में सांभर थाना अधिकारी राममिलन मीणा को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई स्थानीय स्तर पर चल रहे एक सार्वजनिक सड़क निर्माण कार्य को बिना किसी पुलिसिया व्यवधान या विवाद के सुचारू रूप से जारी रखने के बदले मांगी गई घूस के एवज में की गई है। शिकायतकर्ता ठेकेदार और स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारी द्वारा लगातार काम रोकने की धमकी और पैसों की नाजायज मांग से परेशान होकर एंटी करप्शन ब्यूरो की शरण ली थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता और अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश में इस गोपनीय योजना को तैयार किया गया था। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र चौधरी के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम ने सांभर थाने के आसपास जाल बिछाया और जैसे ही परिवादी ने तय रणनीति के अनुसार 50 हजार रुपये की नकदी थाना प्रभारी राममिलन मीणा को सौंपी, एसीबी की टीम ने अचानक दबिश देकर उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया।

इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी के बाद पूरे जयपुर ग्रामीण पुलिस जिले और राजस्थान पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है, क्योंकि किसी थाना प्रभारी का अपने ही कार्यालय में घूस लेते पकड़ा जाना प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्थानीय क्षेत्र में विकास कार्यों और सड़क निर्माण का काम काफी समय से प्रस्तावित था, लेकिन निर्माण कार्य शुरू होते ही पुलिस का हस्तक्षेप बढ़ने लगा था।

खुली जेल से हत्या का आरोपी कैदी फरार

बाड़मेर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर की खुली जेल से हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी भावेश उर्फ बंटी फरार हो गया। जोधपुर के कमला नेहरू नगर निवासी भावेश के फरार होने का पता 11 सितंबर की सुबह चला। रोज की तरह सुबह करीब 6.30 बजे कैदियों की हाजिरी ली गई तो भावेश वहां मौजूद नहीं था। इसके बाद जेल प्रशासन ने उसकी तलाश शुरू की और मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। हाजिरी के दौरान भावेश के नहीं मिलने के बाद जेल प्रशासन ने तुरंत पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराया। करीब चार घंटे तक उसके वापस लौटने का इंतजार किया गया। सुबह 10.30 बजे तक जब कैदी वापस नहीं आया तो जेल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद जेल के उप अधीक्षक धीरज कुमार मीणा की ओर से स्थानीय थाने में भावेश के फरार होने की लिखित एफआईआर दर्ज कराई गई।

वाहनों के सीट कवर फाड़ने के विवाद में थाने पहुंचे वकील को जमीन पर बैठाया, फोटो वायरल होते ही मचा बवाल

अजमेर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अजमेर के बाबूगढ़ में वाहनों के सीट कवर फाड़ने को लेकर पड़ोसियों के बीच हुआ विवाद गंज थाने पहुंच गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों को हिरासत में लिया। इनमें एक युवक के अधिवक्ता होने की जानकारी सामने आने के बाद मामला गरमा गया। वकील की ड्रेस में जमीन पर बैठे युवक का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र ओझा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ता गंज थाने पहुंचे और विरोध जताया। बाद में ड्यूटी ऑफिसर प्रभात कुमार ने खेद प्रकट किया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। पड़ोसियों के विवाद में पुलिस ने परस्पर मुकदमे दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया।

वायरल वीडियो व फोटो के बाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष ओझा ने आरोप लगाया कि जूनियर एडवोकेट समीर जाटव को थाने में अधिवक्ता की ड्रेस में जमीन पर बैठाकर रखा गया। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। सूचना पर सीओ दरगाह हर्षित शर्मा और सीओ नॉर्थ शिवम जोशी भी गंज थाने पहुंचे। सीओ शर्मा व जोशी की मौजूदगी में बार पदाधिकारियों से वार्ता हुई। पुलिस ने थाने के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो सामने आया कि हिरासत में लिए जाने के समय समीर जाटव ने केवल सफेद शर्ट और काली पेंट पहन रखी थी।

पत्नी ने डॉक्टर पति को होटल में दूसरी लड़की के साथ पकड़ा, घसीटते हुए बाहर लाई और जमकर पीटा

बूंदी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। बूंदी जिले से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे स्थित रामगंज बालाजी बायपास पर एक होटल के बाहर उस समय हाई वोल्टेज ड्रामा हो गया, जब एक महिला ने अपने पति को होटल में एक दूसरी लड़की के साथ पकड़ लिया। महिला लड़की को होटल से घसीटते हुए बाहर लेकर आई और उसके साथ मारपीट की। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग होटल के बाहर जमा हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। वीडियो में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। घटनाक्रम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। इसके बाद पुलिस सभी संबंधित लोगों को थाने लेकर आ गई।

बताया जा रहा है कि होटल में लड़की के साथ पकड़ा गया व्यक्ति पेशे से डॉक्टर है। घटना के दौरान महिला का डॉक्टर पति इधर-उधर भागता नजर आया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला पिछले कई दिनों से अपने पति की रेकी कर रही थी। उसने परिवारजनों के साथ होटल पहुंचकर अपने पति को लड़की के साथ पकड़ लिया। इसके बाद होटल में हंगामा हो गया और महिला लड़की को बाहर लेकर आई। घटना के बाद मामले को लेकर पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। महिला थाना बूंदी के थानाधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि अभद्रता करने का परिवाद सौंपा गया है, जिसकी जांच की जा रही है। उन्होंने मौके पर हुए घटनाक्रम की जानकारी होने से इनकार किया। घटना के बाद होटल के बाहर हुए हंगामे और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से मामला चर्चा में है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कौन हैं आईपीएस भानुप्रताप सिंह? जिनकी 'लव मैरिज' पहुंची थाने तक, राजस्थान से बिहार तक हो रही चर्चा

भरतपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के खगड़िया में एसपी पद पर तैनात 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी भानुप्रताप सिंह और उनकी पत्नी पूजा के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद अब राजस्थान के भरतपुर तक पहुंच गया है। आईपीएस की पत्नी पूजा ने भरतपुर के मथुरा गेट थाने पहुंचकर पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति और ससुराल वाले उनकी 6 साल की बेटी को उनसे दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, पुलिस द्वारा इसे पारिवारिक विवाद बताकर तुरंत कार्रवाई से इनकार करने के बाद पूजा देर रात तक थाने में ही बैठी रहीं। आईपीएस भानुप्रताप सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं, लेकिन उनका परिवार भरतपुर की गीता कॉलोनी में किराए के मकान में रहता है। जानकारी के अनुसार, भानुप्रताप पिछले कुछ दिनों से अपनी बेटी के साथ भरतपुर में ही रह रहे थे। जब उनकी पत्नी पूजा को इस बात की भनक लगी, तो वह बिहार से सीधे भरतपुर पहुंचीं। पूजा ने बताया कि वह सबसे पहले गीता कॉलोनी स्थित अपने ससुराल गईं और लगभग एक घंटे तक दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला। इसके बाद वह विजय नगर में अपनी ननद के घर भी गईं, जहां भी उन्हें अंदर नहीं आने दिया गया।

सीरवी समाज जीडिमेट्ला का भादवा सुदी बीज दूज महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेट्ला स्थित सीरवी समाज की धार्मिक आस्था के केंद्र श्री आई माता मंदिर में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस व 23वें वार्षिक उत्सव का आयोजन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रावतराम बर्फा व सचिव प्रेम पंवार ने बताया कि समाज बंधुओं के सान्निध्य में श्री आई माताजी का दो दिसवीय बीज (दूज) महोत्सव पूजा अर्चना कर आयोजित किया गया। रविवार को रात्रि 9.15 बजे से पूजा अर्चना, सांची ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती के पश्चात जागरण का आयोजन किया गया। इसमें रमेश सोनी बिलाड़ा राजस्थान ने आई माताजी के चरणों में राजस्थानी अंदाज में भजन प्रस्तुत किए। रात्रि में 11 बजे बोलियां कार्यक्रम चढ़ बढ़कर बोलियां ली गई। रविवार 13 सितंबर को पूजा अर्चना, ज्योत प्रज्ज्वलन व महाआरती के पश्चात समाज बंधुओं व भक्तों ने सपरिवार अवतरण दिवस पर आई माताजी के चरणों में आस्था के पुष्प व नारियल अर्पित कर परिवार की सुख शांति की कामना की। तत्पश्चात भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिला मंडल ने राजस्थानी अंदाज में भजन प्रस्तुत किए। संस्कृति कार्यक्रम में बच्चों द्वारा संस्कृति नृत्य किया गया। आईमाता जी के 611 वें अवतरण पर रक्तदान महादान शिविर आयोजित किया।अवसर पर मुख्य अतिथि कुतबुलापुर विधायक के. पी. विवेकानन्द गौड़, पूर्व विधायक श्रीशैलम गौड़ , सुभाष नगर कॉर्पोरेटर सुरेश रेड्डी, रंगारेड्डी नगर विजय शेखर गौड़ का राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया गया। समाज बंधुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गई। अध्यक्ष रावतराम बर्फा ने बताया कि एक ही भवन के नीचे इस तरह का महोत्सव मनाना समाज के लिए बड़े ही गर्व की बात है। सचिव प्रेम पंवार ने समाज में किए गए कार्यों से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग ने लेखा जोखा प्रस्तुत व कर विकासशील कार्यों में तन-मन धन से सहयोग का आग्रह किया। साथ ही नारी शिक्षा व युवाओं में संस्कार के प्रति समाज को अवगत कराया। इस अवसर पर संरक्षक बाबूलाल चोयल, चेनाराम चोयल, मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सहसचिव मंगलराम पंवार,कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, कार्यकारिणी सदस्य उदाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, जयरामलाल परिहार, चंदनाराम चोयल, शेषाराम पंवार, मोहनलाल गेहलोत, चन्द्रप्रकाश बर्फा, रतनाराम भायल, खींवाराम काग, राजेश मुलेवा, घेवरराम पंवार, मुलाराम पंवार,भुण्डाराम बर्फा, अन्नाराम काग, जीवाराम हाम्बड़, केनाराम मुलेवा, मोहनलाल मुलेवा,मांगीलाल सोलंकी, लुम्बाराम मुलेवा, सलाहकार महेंद्र देवड़ा, संतोष चोयल, अर्जुनलाल बर्फा, शंकरलाल बर्फा, भींयाराम काग, मनोनीत सदस्य कानाराम बर्फा, देवाराम बर्फा, मोहनलाल काग, शेषाराम परिहारिया, राजुराम लचेटा। महोत्सव में समाज व पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बंधुओं का विशेष सहयोग रहा।

कोरेमुला सीरवी समाज का बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोरेमुला स्थित सीरवी समाज की आस्था के केद्र श्री आईमाता मंदिर में श्री आई माँ का 611वाँ अवतरण दिवस व 12वाँ वार्षिकोत्सव समाज बंधुओं के सान्निध्य में आयोजित किया गया।

संरक्षक प्रभुराम परिहारिया ,अध्यक्ष कालूराम काग व सचिव डायाराम लचेटा ने बताया कि भादवा सुदी बीज महोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार 12 सितंबर को माता का विशेष श्रृंगार किया गया। समाज के बाल कलाकारों द्वारा विशेष रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। रात्रि में पूजा-अर्चना, साँची ज्योत प्रज्ज्वलित कर महाआरती के पश्चात जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें निकिता सिंदड़ा सीरवी माध्यप्रदेश, भंवरलाल सीरवी एंड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। रविवार 13 सितंबर को समाज बन्धुओं ने आईमाताजी के चरणों में श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंटकर महाप्रसादी का सपरिवार लाभ उठाया। सचिव डायाराम लचेटा ने समाज में किये गये विकासशील कार्यों से समाज बन्धुओं को अवगत कराया। अध्यक्ष कालुराम काग ने मंदिर निर्माण के लिए समाज बन्धुओं से तन-मन-धन से सहयोग हेतु आग्रह किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष वगताराम पंवार, राजाराम पंवार, सचिव डायाराम लचेटा, सह सचिव राजाराम गहलोत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, खेल मंत्री ओमप्रकाश हाम्बड़, सलाहकार रमेश हाम्बड़, पुनाराम हाम्बड़, कार्यकारणी सदस्य ओगड़राम सैणचा, तेजाराम काग, जेरुपराम परेरिया, रताराम सोलंकी, छोगाराम गहलोत, बाबूलाल काग, भीकाराम पंवार, बाबूलाल परिहार, अर्जुनसिंह राठौड़, हुक्माराम सपेटा, देवाराम परिहारिया, प्रकाश खण्डाला,पुनमचन्द्र पंवार, खीवाराम गहलोत ताराराम भायल व समाज बन्धु। कोरोमुला वडेर के अध्यक्ष कालुराम ने कहा कि हैदराबाद में आईमाताजी का शिखरबद्ध नवनिर्मित मंदिर का निर्माण होने जा रहा है ये एक बहुत ही सुंदर मंदिर बनेगा और हैदराबाद में ये पहला मंदिर बनेगा जिसमें सभी देवता विराजमान रहेंगे आगे उन्होंने समाज बंधुओं ने अपील करते हुए कहा कि इस भव्य मंदिर निर्माण कार्य के लिए आप सभी तन मन धन से सहयोग प्रदान करें। अवसर पर संरक्षक प्रभुराम परिहारियां मंदिर कार्य के लिए आप सभी तन मन धन से सहयोग प्रदान करें। अध्यक्ष कालुराम काग ने समाज बंधुओ को बीज महोत्सव की बधाई देते हुए आभार प्रकट किया। मंच का संचालन डायाराम लचेटा ने किया। कालुराम काग के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर भादवा सुदी बीज महोत्सव के प्रथम दिन महिला मंडल द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्ष इन्द्रा आगलेचा, अनिता चोयल,सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्ष नीलू लचेटा, सलाहकार मंजु सोलंकी, गवरीदेवी परिहार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

बिना कारण मंत्रिमंडल से हटाया गया, लेकिन नाराज नहीं हूं: कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक कोंडा सुरेखा ने रविवार को कहा कि उन्हें तेलंगाना मंत्रिमंडल से हटाए जाने का दुख नहीं है, लेकिन बिना कोई कारण बताए पद से हटाया जाना जरूर उन्हें आहत करता है। बर्खास्तगी के बाद पहली बार वारंगल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य सत्ता या पद हासिल करना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है। कोंडा सुरेखा ने कहा कि पद आज हैं और कल नहीं रहेंगे, लेकिन वह हमेशा लोगों के दिलों में रहना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री पद चले जाने के कारण वह घर पर नहीं बैठेंगी और लगातार जनता के बीच रहकर काम करती रहेंगी। उन्होंने अवसरवादी राजनीति पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आज कुछ नेता कुछ ही घंटों में अपनी पार्टी बदल लेते हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि वह एमपीपी से लेकर कैबिनेट मंत्री तक के पद पर पहुंचीं और कभी सिद्धांतों के लिए मंत्री पद तक छोड़ दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में कुछ नेताओं ने उन्हें और उनके पति कोंडा मुरली को पार्टी टिकट से वंचित करने का प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि बाद में बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने उन्हें वारंगल ईस्ट से टिकट दिया, जिसके बाद उन्होंने जीत दर्ज कर स्थानीय स्तर पर अपना राजनीतिक प्रभाव साबित किया।

विघ्नेश्वर की कृपा से तेलंगाना समृद्ध और खुशहाल बने: राज्यपाल

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर राज्य की जनता को शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि भगवान श्री गणेश के आशीर्वाद से तेलंगाना शांति, एकता, प्रगति और सुख-समृद्धि से परिपूर्ण हो। राज्यपाल ने कहा कि भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजना भारतीय संस्कृति की विशिष्ट परंपरा है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले भगवान गणेश की पूजा करने से कार्य सिद्धि होने की मान्यता है। राज्यपाल ने कहा कि वह भगवान विघ्नेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि तेलंगाना सहित पूरे देश की एकता, शांति, विकास और समृद्धि के मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करें तथा सभी लोगों को उत्तम स्वास्थ्य, आनंद और कल्याण प्रदान करें।

तेलंगाना भवन को नाटकों के लिए किराये पर दे दें: मेट्टू साईकुमार

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन में बीआरएस द्वारा आयोजित मॉक विधानसभा पर तेलंगाना मत्स्य विकास सहकारी संस्था के चेयरमैन मेट्टू साईकुमार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रविवार को गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने मॉक विधानसभा के नाम पर कपटपूर्ण नाटक और ड्रामा किया।

उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम को देखने के बाद 'जबरदस्त' कॉमेडी शो भी फीका नजर आएगा और अब तेलंगाना भवन को नाटकों के लिए किराये पर देना बेहतर होगा। साईकुमार ने केटीआर, हरीश राव, जगदीश रेड्डी और तलसानी समेत अन्य बीआरएस नेताओं की कथित अदाकारी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे 'नवरस सार्वभौम', 'कला प्रपूर्ण' और 'कला तपस्वी' जैसी उपाधियों के हकदार हैं तथा अगले वर्ष उन्हें 'गद्दर अवॉर्ड' दिए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि नेताओं ने पन्नों भर के संवाद और कपटपूर्ण आंसुओं के जरिए कार्यक्रम को नाटकीय बना दिया।

172वें निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 153 लोगों ने लाभ उठाया

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से चिराग अली लेन आबिड्स स्थित डायमंड जुबली हाई स्कूल में 172 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2 डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा में डॉ लक्ष्मी, डॉ चंटी, नर्सिंग स्टाफ निकिता, अनुषा,रानी,मल्लेश्वरी, 2डी इको तकनीशियन भानु श्री, बीएमडी तकनीक डेविड और मोहन तथा विपणन विभाग के उदय ने अपनी सेवा प्रदान की।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा 126 रोगियो की निशुल्क नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई 59 लोगों को निशुल्क चश्मे का वितरण किया गया और 13 लोगों के निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, रेहान, फ़ैज़, के भास्कर, साई, सलमान ने सहयोग प्रदान किया।अवसर पर डॉ.अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ.अखिल सुगंधी, डॉ.मीनल खेरिया सुगंधी एवं डॉ यशवी द्वारा सामान्य जांच की सेवा प्रदान की। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच हाई टेक डेंटल केयर के डॉ राजकुमार अग्रवाल एवं डॉ दृष्टि अग्रवाल ने सेवा प्रदान की गई।

अवसर पर अकोला में चिकित्सा शिविर, विकलांगों की सेवा में तत्पर रहने वाली श्रीमती विजया (अकोला) का सम्मान किया गया। अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एव अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के एवं शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, रतन गुप्ता, अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, निखिल राणासरिया सहित स्थानीय भागीदार केंद्रीय शांति एवं कल्याण समिति खैरताबाद जोन के अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, सिकंदराबाद जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी, हाफ़िज़ मुज़फ़्फ़र, पैटर्न चारमीनार क्षेत्र अध्यक्ष खाजा मोइज़, अवैस मिर्जा, संयोजक जी मनीला विजयालक्ष्मी, टी.सुनील कुमार, अमुदा लक्ष्मण राव, एस.मनोज कुमार, के. आनंद अम्मा, डी.बी अनिल, आबिद अली, शेख कुथुदउद्दीन, धीरेन्द्र बियानी, मोहम्मद इस्माइल, एस मुनि कुमार, बोंगोनी श्रीनिवास गौड़, संतोष कुमार अग्रवाल, गोपाल दास, बी.भगवान दास, जे. प्रेम दास, जी मोहन राव, मेहर मिर्ज़ा, अंजलि सुष्मिता, स्वयंसेवक योगेश अग्रवाल, सतीश गर्ग, सरला अग्रवाल, दीपा गर्ग, वंदना अग्रवाल, अजय तुलस्यान पंकज संघी, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को संपन्न बनाया।अवसर पर 153 लोगों ने शिविर का लाभ लिया।

श्री आईमाताजी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हूआ बीज महोत्सव

संगारेड्डी, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) में श्री आईमाताजी का 611वां अवतरण दिवस एवं मंदिर का 12वां वार्षिकोत्सव भादवा सुदी बीज महोत्सव के रूप में श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सीरवी समाजबंधुओं की सहभागिता में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना, भजन-संध्या, जागरण, हवन तथा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने आईमाता के दर्शन कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की।

भजन सम्राट जुगलकिशोर परिहार एंड पार्टी व गिता मेवाडी ने आईमाता के चरणों में भक्ति के भजनों के पुष्प अर्पित किए। भजनों में आईमाता की महिमा, भक्ति और आध्यात्मिक भावों की प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

मुख्य पट्ट द्वार खोलने की बोली ढगलाराम गेहलोत, संगारेड्डी ने ली। हवन के मुख्य यज्ञमान का लाभ प्रभुराम हाम्बड़, पटानचेरू ने प्राप्त किया। श्री गणेशजी की पूजा की बोली मल्लारामजी परिहारिया, चेवेल्ला तथा श्री हनुमानजी की पूजा की बोली हीरालाल काग, जाहिराबाद ने ली। अखंड ज्योति का लाभ नाथुराम मुलेवा, जोगीपेट ने प्राप्त किया। श्री आईमाताजी की पूजा-अर्चना का लाभ मल्लाराम राठौड़, ईसनापुर ने लिया। खेतलाजी महाराज की पूजा की बोली गोपाराम काग, विकाराबाद तथा राधा-कृष्णजी की पूजा की बोली हीरालाल काग, जाहिराबाद ने ली। शीतला माताजी एवं तुलसी माता की पूजा का लाभ गोपारामजी काग, विकाराबाद ने प्राप्त किया। महाप्रसादी का कड़ाव खोलने की बोली नैनारामजी राठौड़, लिंगमपल्ली ने ली। झालर-टंकोरा एवं आरती का लाभ गेनाराम राठौड़, संगारेड्डी ने प्राप्त किया। वार्षिक प्रसाद की बोली रतनलाल काग, ईसनापुर, वार्षिक पुष्पाहार की बोली मोहनलाल लेरचा, लिंगमपल्ली तथा वार्षिक नारियल की बोली नेमाराम राठौड़, ईसनापुर ने ली। वार्षिक द्विवेल का लाभ रामलालजी सेनचा ने परिवार सहित पूजा-अर्चना कर प्राप्त किया।

अध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड़ की अध्यक्षता में सम्मानित अतिथियों एवं समाजबंधुओं का कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रमेश काग, ढगलाराम गेहलोत, सचिव पीताराम चोयल, सह-सचिव प्रभुराम काग, कोषाध्यक्ष जीवाराम चोयल, ओमप्रकाश हाम्बड़, संचार मंत्री रतनलाल काग, मोदी हुराराम गेहलोत सहित नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेश परिहारिया, उपाध्यक्ष गेनाराम बर्फा, सचिव थानाराम राठौड़, सह-सचिव गेनाराम पंवार उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती संतोषदेवी परिहारिया, सचिव श्रीमती लीलादेवी परिहार सहित बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भी धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई। मंदिर प्रांगण में पधारे सभी भक्तों के लिए भोजन महाप्रसादी की व्यवस्था की गई। बीज महोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना, हवन, अखंड ज्योति, भजन-जागरण और महाप्रसादी के माध्यम से श्रद्धालुओं ने आईमाता के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। धार्मिक अनुष्ठानों और भक्ति संगीत से मंदिर परिसर में पूरे दो दिनों तक आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.06-10-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं। निविदा दिनांकित 10-09-2026

निविदा संख्याः वाय-एसजी-36-2026-27-18, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिग्नल & दूरसंचार व्यवस्थाएं (1) जीडब्ल्यूडी-पीएएसआर & पीएएसआर-आरसी सेक्शन ब्लाक सर्कूट्स का विश्वसनीयता सुधार कार्य तथा पीएएसआर स्टेशन यार्ड पर मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स के प्रति ड्युएल डिटेक्शन में मल्टि-सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर (एमएसडीएसी) कम्प्लीट सिस्टम का प्रावधान। (2) नई नीति नुसार 4 स्टेशनो अर्थात् बीएमओ, एफएम, युआर & डीटीपी पर कवच को सूट करने के प्रति सर्कूट्स का परिवर्तन। (3) एमइडी-बीएमओ तथा एफएम-युआर सेक्शन्स के आटोमेटिक सिग्नल्लिंग सेक्शन में सिग्नल्लिंग सिस्टम्स अर्थात् इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग, आटोमेटिक सिग्नल्लिंग, एमएसडीएसी & डेटा लागर हेतु मार्ग अतिरिक्तता या पाथ रिडन्डनडंसी एवं मीडिया रिडनडंसी का प्रावधान। (4) एसटीपीडी ए केसीजी-एफएम & एसटीपीडी बी-एमजेएफ-सीवीबी-बीएमओ आटो सेक्शन्स पर मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर (एमएसडीएसी) सहित ट्रैक सर्कूट का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट कार्य से संबंधित मौजूदा आरसीसी एबीएस हट (रिले रूम & बैटरी रूम) का विस्तार करना। (5) वीडीआय, जीडब्ल्यूडी, केक्यूक्यू, डब्ल्यूपीआर, एमक्यूएन & बीडीएचएन स्टेशनों के समस्त स्टेशन पर एमएसडीएसी सहित लूप लाइनों पर एनलाग एक्सल काउन्टर का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट कार्य से संबंधित मौजूदा आरसीसी एबीएस हट (रिले रूम & बैटरी रूम) का विस्तार कार्य। (6) लेवल क्रासिंग गेट नंबर्स 57, 95, 174, 231, 235 & 238 की इन्टरलाकिंग सहित तत्संबंधित प्रस्तावित गेट हट (रिले रूम & बैटरी रूम) का निर्माण कार्य। निविदा मूल्य रु.17,76,93,993.67; अग्रधन रु.35,53,900.00

निविदा दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु वेबसाइटःhttps//www.ireps.gov.in पर लागिन करें। कोई भी शुध्दिपत्र केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2026-27, दि.10-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1 निविदा संख्याः टी-202627-2-046, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणःएडीइएन/एनइडी &एडीइएन /एके सेक्शन में एक वर्ष की अवधि के लिए, रेलवे ओएच टैंक्स में पम्पिंग सहित प्राइवेट एजेंसी द्वारा रोड टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति & परिवहन। निविदा मूल्य रु.6865063.91, अग्रधन रु.1,37,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

2. निविदा संख्याः टी-202627-2-047, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः एनइडी डिवीजनः सेक्शन पीएयु-पीएमकेटी - पीएयु को छोडकर & सेक्शन एमएलएसयु-अकोट -एमएलएसयु को छोडकर, डीइएन/एनइ/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत पुल या ब्रिज का क्षेत्रीय कार्य। निविदा मूल्य रु.5000000.00, अग्रधन रु.1,00000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

निविदा संख्याः टी-202627-2-046

तत्समान प्रकृति का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से ज्यादा) -कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यो /झोनल कार्यों को छोडकर)।

उपरोक्त सभी निविदाएं दि.05-10-2026 के 15.00 बजे बंद होगी।

निविदा दस्तावेज &अन्य विवरण हेतु वेबसाइटःhttps//www.ireps.gov.in पर लागिन करें। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

सं.एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/टेंडर नोटिस/2026-27, दि.11-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः टी-202627-3-048, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः एसआर. डीइएन/डब्ल्यू/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत वार्षिक पुल या ब्रिज का झोनल कार्य। निविदा मूल्य रु.10000000.00, अग्रधन रु.200000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य

निविदा संख्याः टी-202627-1-049, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः झोन कार्य-एसएसइ/बीआरआय/पीएयु सेक्शन के तहत नांदेड डिवीजन की वार्षिक प्रभाग संविदाएं। निविदा मूल्य रु.5000000.00, अग्रधन रु.100000.00, कार्य पूरा करने की अवधिःनौ महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य

निविदा सं.-टी-202627-3-048

तत्समान प्रकृति का कार्य (रु. 50 लाख मूल्य से अधिक) - फैब्रिकेशन/इरेक्शन/स्ट्रक्चरल स्टील कार्यो की शुरुवात (अथवा) पुल या ब्रिज रखरखाव कार्यों से जुडा कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपरोक्त सभी निविदाएं दि.05-10-2026 के 15.00 बजे बंद

निविदा दस्तावेज&अन्य जानकारी हेतु वेबसाइट्सःhttps//www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। कोई भी शुध्दिपत्र केवल आनलाइन पर जारी होगा।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

Change of name and date of birth* army no 15436643H Sep Akula Sreenivasulu serving at Military Hospital,Golconda, Hyderabad, Telangana. I have changed my mother's name from A Radhamma to *Akula Radha* in my service records and date of birth from 08 July 1975 to *01 Jan 1971* .

I army no 15435789K RANK - HAV/ORA RAM CHANDRA BEHERA,serving at MILITARY HOSPITAL GOLCONDA, LANGAR HOUSE, HYDERABAD,TELANGANA,Have changed my Mother's name from SUBASHINI BEHERA to SUBASINI BEHER in my service record, affidavit date 11/09/2026

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

संख्याः एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/ निविदा सूचना/2026-27, दि.11-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः टी-202627-2-050, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः एडीइएन/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पीवे/एनइडी, एसएसइ/पीवे/एमयुइ & एसएसइ/पीवे/केएनवीटी के अंतर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक या पटरियों का कार्य। निविदा मूल्य रु. 57457309.03, अग्रधन रु.1149200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

निविदा संख्याः टी-202627-2-051, प्राधिकरणःको-आर्ड, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन-नांदेड डिवीजनः एडीइएन/एके क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पीवे/डब्लयूएचएम & एसएसइ/पीवे/अकोट के अंतर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित पटरियों या ट्रैक का कार्य। निविदा मूल्य रु.22546170.50, अग्रधन रु.450900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य।

निविदा सं.-टी-202627-2-050, टी-202627-2-051

तत्समान स्वभाव का कार्य(रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-पटरी या ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.05-10-2026 के 15.00 बजे बंद होगी।

निविदा दस्तावेज & अन्य जानकारी हेतु वेबसाइट्सःhttps//www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। कोई भी शुध्दिपत्र केवल आनलाइन पर जारी होगा।

एसआर.डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

खुली ई-निविदा सूचना सं.-सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/41/पीए/ओटी/2026-27, दि.10-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.06-10-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

ई-निविदा संख्याः ईटेंडर नं.-सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/41/पीए/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं. ई-एम-एससी-41-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः बिजली रखरखाव विभागः (I) सीटीएफ पर स्टेशन बिल्डिंग का पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन। (II) जीडीक्यू पर स्टेशन बिल्डिंग का रेहाबिलिटेशन। (III) सीटीएफ-रेल स्तर से उंचे स्तर तक पीएफ 1& पीएफ 2 को उठाना। एडीइएन/वीकेबी सब-डिवीजन के तहत चिट्टीगड्डा स्टेशन पर सीओपी का प्रावधान & यात्रियों की सुविधाएं। (IV) एसकेपी-पीएफ 1&पीएफ 2 को उंचे स्तर तक उठाना, सीओपी का प्रावधान, पाथवे से जोडनेवाले प्लेटफार्म्स & यात्रियों की सुविधाएं। (V) एसआर. डीइएन /पश्चिम/एससी के तहत स्टेशनों पर लीकेजेस को रोकने हेतु न्यू शीटींग & एसएस गट्टर्स की व्यवस्था करते हुए सीओपी का उन्नयन।

(VI) शंकरपल्ली स्टेशन पर सेरम एमेनिटीज पर प्रस्तावित प्लेटफार्म नं.2 को उच्च स्तर पर उठाना।

(VII) बोराबंडा- बोराबंडा रेलवे स्टेशन पर सेकण्ड एन्ट्री का विकास कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.2,66,07,634.70, अग्रधन रु.5,32,200.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने।

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसमे भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई हो तो, बदलावों को देख सकते है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता (रखरखाव), सिकंदराबाद

A743

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps//www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखे।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता

वर्ल्ड नंबर-1 बनीं; सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही यूएस ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला। रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं। यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले।

रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया

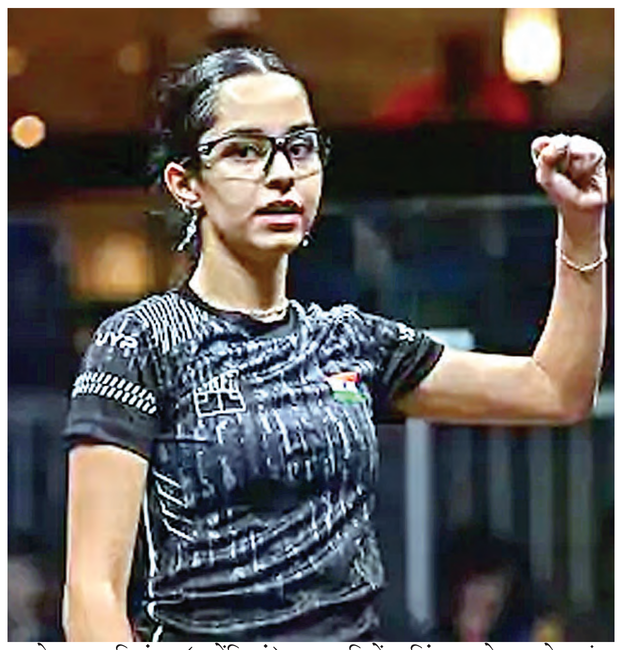

दोहा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया।

विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।

मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें

पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

मेसी का 99वां गोल: इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला, इंटर मियामी को 2-2 पर रोका

मियामी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इंटर मियामी और नेशविल के बीच मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था। नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ एमएलएस गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी एमएलएस मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं। इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे। नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में एमएलएस में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा।

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद

टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।

बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

'वैभव सूर्यवंशी को नहीं खरीद पाना सबसे बड़ा अफसोस'

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका का बड़ा बयान

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का खुमार सिर चढ़कर बोल रहा है. आईपीएल में उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी की वाहवाही लूट ली है. वो अब टीम इंडिया का हिस्सा भी बन चुके हैं. आईपीएल की हर टीम उन्हें खरीदना चाहती है. अब आईपीएल 2027 की तैयारियां शुरू हो गई हैं. लखनऊ सुपर जाइंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने वैभव सूर्यवंशी को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने सूर्यवंशी को नहीं खरीद पाने पर अफसोस जताया है. आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने अपनी बल्लेबाजी से खूब कोहराम मचाया. उन्होंने 16 पारियों में 776 रन ठोके. उन्हें ऑरेंज कैप भी मिली. आईपीएल 2026 में संजीव गोयनका की टीम ने काफी निराश किया. बल्लेबाजी में खराब प्रदर्शन देखने को मिला. शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर गोयनका ने कई सवालों के जवाब दिए. उन्होंने वैभव को नहीं ले पाने पर अफसोस जताया. संजीव गोयनका ने कहा, "सभी टीमों के मालिक उन्हें लेना चाहते हैं. सभी को उन्हें नहीं ले पाने का अफसोस होगा. राजस्थान रॉयल्स के मालिक उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ने वाले हैं. उनमें जबरदस्त आत्मविश्वास है. उनके पास टैलेंट और अच्छे शॉट्स की बिल्कुल कमी नहीं है. ये चीजें ही उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं."

वैभव सूर्यवंशी को उनका आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2025 के ऑक्शन में मिला था. राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.10 करोड़ रुपये में टीम का हिस्सा बनाया. वैभव ने IPL 2026 में खूब कहर बरपाया. सूर्यवंशी अभी तक 23 मैचों में 1028 रन बना चुके हैं. उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं. उनका बेस्ट स्कोर 103 रनों का रहा है. सबसे बड़ी बात है कि उन्होंने अभी तक 44.7 की औसत से रन बनाए हैं. 228.96 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की है. इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उन्होंने गेंदबाजों के ऊपर कितना कहर ढाया है. वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के लिए टी20 में डेब्यू कर चुके हैं. 6 मैचों में उनके नाम 193 रन हैं. इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में वो कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे. जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने अपना दम दिखाया. वैभव ने 2 अर्धशतक लगाए. उनका बेस्ट स्कोर 81 रनों का रहा है.

जीवन की सबसे दर्दभरी रात कौन सी रही?

सवाल पर मंधाना ने दिया जवाब, खुद को बताया गुस्सैल

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना फिलहाल एशिया कप में व्यस्त हैं। मंधाना पिछले कई वर्षों से भारतीय टीम की अहम खिलाड़ी हैं। वह लगातार उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और हाल ही में मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाजी बनी थीं। मंधाना पिछले साल उस समय चर्चा में आईं जब आखिरी समय में उनकी शादी रद्द हो गई। इसे लेकर मंधाना ने कभी खुलकर बात नहीं की। मंधाना हाल ही में एक पॉडकास्ट में आईं। उनसे इस दौरान पूछा गया कि उनके जीवन की सबसे दर्दभरी रात कौन सी रही। मंधाना ने हालांकि, स्पष्ट किया कि वह सिर्फ क्रिकेट पर ही बात करेंगी। मंधाना की पलाश मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन उसी दिन खबर आई कि ये शादी रद्द हो गई है। उस वक्त बताया गया था कि मंधाना के पिता की तबीयत ठीक नहीं है जिस कारण शादी टली है। लेकिन बाद में मंधाना ने स्पष्ट किया था कि शादी टूट गई है। हालांकि, इस कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। मंधाना से राज शमानी के पॉडकास्ट में जब पूछा गया कि उनके जीवन की सबसे दर्दभरी रात कौन सी है? इस सवाल के बाद मंधाना कुछ सेकेंड तक रुकीं और उन्होंने अपने आंसुओं को संभाला और कहा, 'शायद कुछ विश्व कप।' उन्होंने हालांकि, किस विश्व कप की बात की ये नहीं बताया। उन्होंने बाद में कहा कि कोविड-19 का दौर भी उनके लिए काफी कठिन रहा। अपने स्वभाव के बारे में बात करते हुए मंधाना ने कहा कि बाहर से देखने पर उनमें गुस्से की समस्या नहीं दिखती, लेकिन उनके अंदर काफी गुस्सा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बदला लेने वालों में से हैं? तो मंधाना ने साफ किया कि वह ऐसी सोच नहीं रखतीं। मंधाना ने कहा, मैं आसानी से किसी से घुल-मिल नहीं पाती, लेकिन मुझे बहुत गुस्सा आ सकता है। मुझसे पंगा मत लेना, बस यही बात है। मेरा व्यक्तित्व ऐसा है कि जब तक मैं तुम्हारे रास्ते में नहीं आती, तुम भी मेरे रास्ते में मत आना। मैं बदला तो नहीं लूंगी, लेकिन इसे भूलूंगी भी नहीं। पर मैं किसी का बुरा भी नहीं करूंगी।

जो रुट ने सचिन तेंदुलकर के अर्धशतकों का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 69वीं फिफ्टी लगाते हुए भारत के सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने टेस्ट में 68 अर्धशतक लगाए हैं। इंग्लैंड ने एजबेस्टन में पाकिस्तान को तीसरे टेस्ट में 8 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 3-0 से जीत ली। इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 130 रन चाहिए थे। टीम ने 25वें ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान जो रूट 62 और जॉर्डन कॉक्स 59 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में दोनों ओपनर का विकेट गंवा दिया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने पहली ही गेंद पर बेन डकेट को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद एमिलियो गे को एलबीडब्ल्यू कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दे दिया। इसके बाद रूट और कॉक्स ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 128 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। इस बीच कॉक्स ने टेस्ट में अपनी तीसरी फिफ्टी पूरी की। रुट अपनी पारी के दौरान भाग्यशाली रहे, जब 23 रन के स्कोर पर उन्हें जीवनदान मिला। 10वें ओवर में वे मोहम्मद अली की गेंद पर बोल्ड हो गए थे, लेकिन अंपायर ने बॉलर का पैर क्रीज के बाहर पाया और इसे नो-बॉल करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने लगाई खिताब की हैट्रिक

जूनियर हॉकी एशिया कप में चीन को हराया, सानिका ने दागा निर्णायक गोल

मोकी13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशिया कप का खिताब लगातार तीसरी बार अपने नाम कर लिया है। भारत ने रविवार को खेले गए फाइनल में चीन को 1-0 से हराया और खिताब की हैट्रिक लगाई। इस तरह भारतीय टीम ने जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। भारत के लिए सानिका चंद्रकांत माने ने मैच का एकमात्र गोल दागा जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। सानिका ने मैच के 17वें मिनट में गोल दागा जिससे भारतीय टीम ने बढ़त हासिल कर ली। गत चैंपियन टीम ने इस तरह एशिया कप में अपना दबदबा बरकरार रखा और इस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव सफलतापूर्वक किया। शुरुआत में मुकाबला काफी कड़ा चल रहा था और दोनों टीमें बढ़त की तलाश में थी। चीन के पास अधिकतर समय पजेशन रहा और भारतीय टीम दबाव में दिखी। लेकिन गत चैंपियन टीम ने गियर बदला और दबाव को पीछे छोड़ते हुए वापसी की।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही। भारत अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा जिसमें टीम ने तीन जीत और एक ड्रॉ खेला। भारतीय टीम ने फाइनल में चीन को हराने से पहले दक्षिण कोरिया को 5-1 से मात दी थी। भारतीय टीम साबित किया कि क्यों वह खिताब बचाने की हकदार थी। हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी के लिए तीन लाख रुपये और सहायक स्टाफ के हर सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपये के ईनामी की घोषणा की है।

6 गेंदों में चाहिए थे 17 रन, फिर गुडाकेश मोती ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस को दिलाया प्लेऑफ का टिकट

खेल डेस्क, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कैरेबियन प्रीमियर लीग में रविवार को बारबाडोस ट्राइडेंट्स और जमैका किंग्समेन के बीच खेले गए मुकाबले में रोमांच आखिरी गेंद तक देखने को मिला. 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बारबाडोस की टीम ने 19 ओवर में 8 विकेट खोकर 134 रन बना लिए थे. अब टीम को जीत के लिए आखिरी ओवर में 17 रन चाहिए थे, लेकिन टीम के सिर्फ दो विकेट बाकी थे और कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर मौजूद नहीं था. ऐसे मुश्किल स्थिति में वेस्टइंडीज के स्पिनर गुडाकेश मोती ने मोर्चा संभाला और बल्ले से धमाल मचाते हुए 212.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टीम को जीत दिला दी. इस जीत के साथ ही बारबाडोस ने प्लेऑफ का टिकट भी पक्का कर लिया. बल्लेबाजी से पहले मोती ने अपनी शानदार गेंदबाजी से दो विकेट भी चटकाए थे. इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इस मुकाबले में बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने टॉस जीतकर जमैका किंग्समेन को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया था. पहले बल्लेबाजी करने उतरी जमैका की टीम ने 9 विकेट पर 150 रन बनाए. जमैका की ओर से माज सदाकत ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए. उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका. बारबाडोस की ओर से जेकीम पोलार्ड ने 3 विकेट चटकाए, जबकि गुडाकेश मोती ने 2 विकेट झटके. इसके जवाब में उतरी बारबाडोस की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही. बारबाडोस ने सिर्फ 33 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद भी नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और टीम ने 19 ओवर में 134 रन के स्कोर पर 8 विकेट खो दिए.

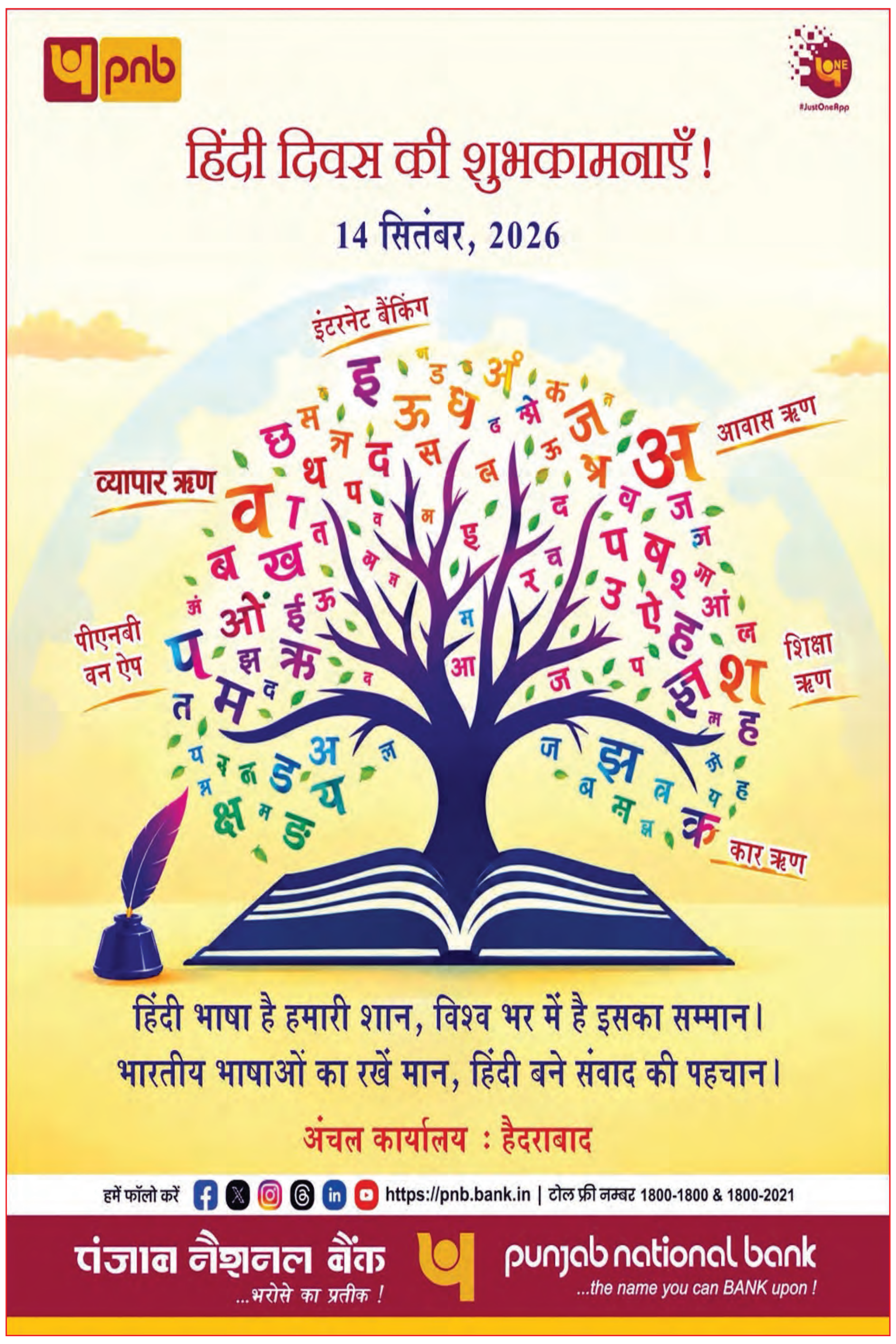

गणेश चतुर्थी पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दी शुभकामनाएं

हैदराबाद, 13 सितंबर: मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर तेलंगाना की जनता को शुभकामनाएं दीं। रविवार को जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने भगवान गणेश से प्रार्थना की कि लोगों के जीवन से सभी बाधाएं दूर हों और उन्हें सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित गणेश पंडालों में श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान गणेश की पूजा करने की अपील की। गणेश नवरात्रि उत्सव के मद्देनजर उन्होंने पुलिस अधिकारियों को हैदराबाद तथा सभी जिला मुख्यालयों में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने वाले गणेश पंडालों पर पर्याप्त सुरक्षा एवं सावधानी के उपाय करने को कहा।

पीएसीएस के नए अध्यक्ष और सदस्यों ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मुलाकात की

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र के चिगुरुमामिडी मंडल में हाल ही में पीएसीएस के अध्यक्ष नियुक्त किए गए चिट्टमल्ल रविंदर तथा नवनियुक्त सदस्यों ने हैदराबाद स्थित मंत्री क्वार्टर्स में राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं परिवहन मंत्री पोननम प्रभाकर से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों ने मंत्री से मुलाकात कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपे जाने पर धन्यवाद व्यक्त किया। मंत्री पोननम प्रभाकर ने पीएसीएसअध्यक्ष चिट्टमल्ल रविंदर सहित सभी नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए किसानों के कल्याण और सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी ढंग से काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पीएसीएस के माध्यम से किसानों को आवश्यक सेवाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। साथ ही किसानों की समस्याओं की समय-समय पर पहचान कर उनके समाधान के लिए पहल करने की आवश्यकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999, Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.